प्रयागराज, रविवार, 13 नवम्बर, 2022

मार्ग शीर्ष, कृष्ण पक्ष 5, वर्ष 11, अंक 204, पृष्ठ 12, मूल्य : 5.00

अंदर- टीम के सपोर्ट में खड़े हुए सचिन, कहा- हम वर्ल्ड नंबर वन टीम ऐसे ही नहीं बने

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

अंदर- पृथ्वी की रक्षा हमारा धर्म

नगर संस्करण

E-paper : www.jansandeshtimes.net | Portal : www.jansandeshtimes.news

रोज 2-3 किलो गाली खाता हूं, मेरा शरीर गालियों को पोषण में बदल देता है: मोदी

तेलंगाना में प्रधानमंत्री मोदी ने भद्राचलम रोड और सत्तुपल्ली के बीच नई रेलवे लाइन और पेद्दापल्ली ज़िले में यूरिया प्लांट राष्ट्र को समर्पित किया, संबोधन में विपक्ष को घेरा, बोले-कुछ लोग निराशा और हताशा के कारण, सुबह-शाम मोदी को गालियां देते रहते हैं, लेकिन अमृत काल में विकास के रास्ते पर तेजी से बढ़ रहा है भारत

नई दिल्ली। तेलंगाना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भद्राचलम रोड और सत्तुपल्ली के बीच नई रेलवे लाइन राष्ट्र को राष्ट्र को समर्पित किया। जिसे लगभग 1000 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेद्दापल्ली ज़िले में रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड का यूरिया प्लांट राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेद्दापल्ली जिले में रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड प्लांट का दौरा किया। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 2200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत की विभिन्न सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखी। सड़क परियोजनाओं में एनएच-765डीजी का मेडक-सिद्दीपेट-एलकाथुर्ति खंड, एनएच-161बीबी का बोधन-बसर-भैंसा खंड और एनएच-353सी का सिरोंचा से महादेवपुर खंड शामिल है। पीएम मोदी दक्षिणी राज्यों के दो दिवसीय दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को तेलंगाना में कहा कि उन्हें रोजाना 2-3 किलो गाली मिलती हैं, लेकिन उनका शरीर उन गालियों को पोषण में बदल देता है। यह बात उन्होंने बीजेपी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि लोग मुझे पूछते हैं कि मोदी जी आप थकते नहीं है क्या, तो मैं उनसे कहता हूं कि भगवान ने मेरे शरीर में कुछ ऐसा मैकेनिज्म बनाया है कि गालियां प्रोसेस होकर न्यूट्रिशन बन जाती हैं। प्रधानमंत्री हैदराबाद के बेगमपेट एयरपोर्ट पर जनता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कुछ लोग निराशा और हताशा के कारण, सुबह-शाम मोदी को गालियां देते रहते हैं। पूरी डिक्शनरी उन्होंने मोदी को गाली देने के लिए खपा दी है। मेरी आपसे विनती है कि ऐसी बातों से आप परेशान नहीं होना, क्योंकि उनके पास गालियां देने के सिवाय कुछ बचा ही नहीं है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि मैं तो पिछले 20-22 साल से वैराइटी-वैराइटी की गालियां खा चुका हूं। आप इन गालियों के बारे में चाय पर हंसी-मजाक कीजिए। दूसरे दिन कमल खिलने वाला है, इस खुशी में आगे बढ़िए। हैदराबाद से पहले पीएम मोदी ने विशाखापत्तनम में कई विकास परियोजनाओं को लॉन्च किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की उम्मीदों का केंद्र बन गया है। भारत विकास की एक नई कहानी लिख रहा है। जब कई देश संघर्ष कर रहे हैं तब दुनिया की नजरें भारत पर टिकी हुई हैं। कई देश जरूरी सामान की किल्लत से जूझ रहे हैं, कुछ एनर्जी क्राइसिस से जूझ रहे हैं। तकरीबन हर देश अपनी गिरती हुई अर्थव्यवस्था को लेकर परेशान है। आंध्र यूनिवर्सिटी इंजीनियरिंग कॉलेज में एक पब्लिक मीटिंग को संबोधित करते समय उन्होंने कहा कि भारत कई सेक्टर्स में नई ऊंचाईयों को छू रहा है, वह भी ऐसे समय में जब दुनिया के हालात अच्छे नहीं हैं। यह सिर्फ इसलिए हो पाया है क्योंकि भारत अपने नागरिकों की उम्मीदों और जरूरतों को ऊपर रखकर काम कर रहा है। हमारी हर नीति, हर फैसले का मकसद लोगों की जिंदगी आसान बनाना है। पीएम मोदी ने कहा कि अमृत काल के दौरान भारत विकास के रास्ते पर तेज बढ़ रहा है और जल्द ही विकसित देश बनने वाला है। विकास की इस यात्रा के कई आयाम हैं। आम लोगों की जरूरतें और बेहतर और मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण इसमें जुड़े हुए हैं। पीएम ने कहा कि हमने देखा है कि कैसे इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर अलग-थलग सोच के चलते देश को कितना नुकसान झेलना पड़ा है। इसलिए हमारी सरकार एक नई अप्रोच के साथ चल रही है। पीएम मोदी ने बताया कि पीएम गति शक्ति मास्टर प्लान की वजह से इंटीग्रेटेड नजरिए वाला इंफ्रास्ट्रक्चर विकास संभव हो पाया है। इसकी वजह से न सिर्फ विकास कार्य तेज हुए हैं, बल्कि इन प्रोजेक्ट्स की लागत भी कम हुई है।

NARAYANDAS
नरायन दास सर्राफ ज्वेलर्स
(प्रा०लि०)
वाराणसी
सोने, चाँदी, हीरे, प्लेटिनम एवं कुंदन के आभूषण
• 916 हॉलमार्क ज्वेलरी •
रथयात्रा
0542-2361600, 2987700, 8318650589
अर्दली बाजार
0542-2505500, 2507700, 9455084195
SUNDAY OPEN
• रथयात्रा • अर्दली बाजार • चौक (ठठेरी बाजार) वाराणसी
• पार्किंग की सुविधा उपलब्ध •

ममता के मंत्री का कमेंट- हमारी राष्ट्रपति कैसी दिखती हैं: भाजपा ने शर्मनाक बताया, तो पलटे अखिल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मंत्री और टीएमसी नेता अखिल गिरि ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर विवादित टिप्पणी की है। उन्होंने नंदीग्राम में कहा, 'हम किसी को उनकी शक्ल से नहीं आंकते। हम भारत के राष्ट्रपति का सम्मान करते हैं, लेकिन हमारी राष्ट्रपति कैसी दिखती हैं?' भाजपा ने इसे शर्मनाक बताया, तो अखिल गिरि पलट गए। उन्होंने कहा- मैंने किसी का नाम नहीं लिया। भाजपा ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आदिवासी हैं और मंत्री अखिल गिरि के बयान से साफ है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी आदिवासी विरोधी है। बंगाल भाजपा ने यह भी कहा कि जब गिरि ने यह टिप्पणी की, तब राज्य की महिला कल्याण मंत्री शशि पांजा भी मौजूद थीं। हालांकि, ममता बनर्जी की तरफ से इस पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने अखिल गिरि के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। उन्होंने कहा- ममता बनर्जी हमेशा से आदिवासी विरोधी रही हैं। चुनाव में उन्होंने द्रौपदी मुर्मू का समर्थन नहीं किया और अब यह। अभिव्यक्ति का शर्मनाक स्तर। विवाद बढ़ने के बाद अखिल गिरि ने अपनी सफाई में बयान जारी किया। उन्होंने कहा- मैंने किसी का नाम नहीं लिया। मैंने शुभेंदु अधिकारी के कमेंट के जवाब में इस तरह की तुलना की थी। उन्होंने कहा था कि अखिल गिरि अच्छे नहीं दिखते हैं। मैं एक मंत्री हूं। मैंने पद की शपथ ली है। मेरे बारे में ऐसा कहना संविधान का अपमान है। *एजेंसी*

शाहरुख खान को एयरपोर्ट पर रोका, कस्टम ड्यूटी से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली। फिल्म अभिनेता शाह रुख खान को मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम क्लियरेंस के कारण बीती रात को रोका गया था। शाह रुख खान बीती रात शारजाह से मुंबई एयरपोर्ट पर प्राइवेट जेट से पहुंचे थे। इस बीच एयरपोर्ट इंटेलिजेंस यूनिट और कस्टम के अधिकारियों को इस बात की जानकारी मिली थी कि शाह रुख खान के पास महंगी घड़ियां हैं और उन्होंने इसकी कस्टम ड्यूटी नहीं भरी है। इसके बाद अभिनेता को एयरपोर्ट अथॉरिटी ने रोक लिया और करीब पौने 7 लाख की कस्टम ड्यूटी भरने के बाद ही उन्हें एयरपोर्ट से जाने दिया गया है। फिल्म अभिनेता शाह रुख खान की जल्द फिल्म पठान और जवान आनेवाली है। शाह रुख खान और उनकी 5 मेंबर की टीम को मुंबई एयरपोर्ट पर करीब 1 घंटे तक कस्टम अधिकारियों ने 6 महंगी घड़ियों पर कस्टम ड्यूटी नहीं भरने के चलते रोक लिया था। शनिवार की सुबह टर्मिनल पर पेमेंट फैसिलिटी उपलब्ध नहीं थी। *एजेंसी*

वरिष्ठ कथाकार हृषिकेश सुलभ को कथाक्रम सम्मान आज

सम्मान सत्र की अध्यक्षता प्रख्यात कथाकार राजेन्द्र राव और सम्मानित कथाकार संजीव मुख्य अतिथि होंगे

लखनऊ। हिंदी कथा साहित्य पर केन्द्रित अखिल भारतीय आयोजन कथाक्रम-2022 का उद्घाटन रविवार 13 नवम्बर को पूर्वाह्न 11 बजे कैफी आजमी सभागार लखनऊ में होगा। इसमें वरिष्ठ कथाकार हृषिकेश सुलभ को आनन्द सागर स्मृति कथाक्रम सम्मान-2022 से समादृत किया जायेगा। सम्मान सत्र की अध्यक्षता प्रख्यात कथाकार राजेन्द्र राव करेंगे। सम्मानित कथाकार संजीव मुख्य अतिथि होंगे।

चर्चित कथाकार योगेन्द्र आहूजा हृषिकेश सुलभ की रचनाशीलता एवं कृतित्व पर अपनी बात रखेंगे। समादृत कथाकार हृषिकेश सुलभ के वक्तव्य के बाद मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष का वक्तव्य होगा। कथाक्रम के संयोजक शैलेन्द्र सागर का स्वागत वक्तव्य होगा। संचालन करेंगी युवा कथाकार सरिता निर्झरा। सम्मान सत्र के बाद अपराह्न दो बजे आजादीः हिंदी साहित्य के 75 वर्ष विषय पर संगोष्ठी होगी। अध्यक्ष मंडल में आलोचक गण वीरेन्द्र यादव, शंभु गुप्त, कंवल भारती, संजीव कुमार, नीरज खरे, वरिष्ठ कथाकार उर्मिला शिरीष, प्रज्ञा रोहिणी होंगे। इस सत्र का संचालन आलोचक एवं कथाकार राकेश बिहारी करेंगे।

डेंगू की रोकथाम के लिए एक्शन में योगी सरकार

प्रदेश में बढ़ते मामलों के बीच सीएम योगी ने बुलाई बैठक, अधिकारियों को निर्देश-हर जिले में बनेंगे डेडिकेटेड हॉस्पिटल, घर-घर करें स्क्रीनिंग, आशा बहनों का लें सहयोग, अस्पतालों में मिले पूरी सुविधा

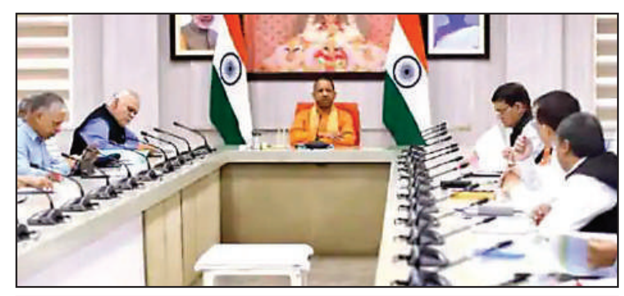

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार बढ़ रहे डेंगू के मामलों के बीच शनिवार को सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में डेंगू के बढ़ते मामलों के बीच हाई लेवल मीटिंग हुई। इस दौरान सीएम योगी ने आदेश दिया है कि डेंगू की रोकथाम के लिए हर जिले मे डेडिकेटेड अस्पताल तय होंगे। वहीं घर-घर स्क्रीनिंग की जाएगी। गौरतलब है कि पिछले कुछ सप्ताह के बीच डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। सीएम ने बैठक में कहा कि इनकी बेहतर स्क्रीनिंग के लिए सर्विलांस को बेहतर करने की आवश्यकता है।

बैठक में फैसला किया गया कि स्क्रीनिंग के लिए आशा बहनों का सहयोग लिया जाएगा। इसके अलावा सीएम ने आदेश दिया कि लक्षणयुक्त मरीजों की पहचान कराते हुए उनके समुचित इलाज की व्यवस्था कराई जाए। डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल की भांति डेडिकेटेड डेंगू अस्पताल एक्टिव किये जाएं। कम से कम हर जिले में एक ऐसा डेडिकेटेड अस्पताल जरूर शुरू हो जहां यहां चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता हो, जांच की सुविधा हो, उपचार की पर्याप्त व्यवस्था हो। इसे आइसीसीसी से भी जोड़ा जाना चाहिए।

इसके अलावा सीएम ने कहा है कि सभी मंत्री जनता के बीच रहें और सुनिश्चित करें कि हर जरूरतमंद मरीज को अस्पताल में बेड मिले। उसकी जांच हो और समय पर इलाज मिले। सीएम योगी ने कहा कि हमारे सभी मेडिकल कॉलेजों सहित जिला अस्पताल, पीएचसी, सीएचसी व अन्य उच्च स्तरीय संस्थान साधन संपन्न हैं। इसका लाभ लोगों को मिलना चाहिए। स्वास्थ्य सेवा अथवा सुरक्षा में तैनात कार्मिकों से मरीजों के तीमारदारों के साथ सहयोगपूर्ण व्यवहार बनाने की अपेक्षा है। स्वास्थ्य विभाग, नगर विकास, पंचायती राज और सूचना विभाग व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाएं। डेंगू के कारण, लक्षण, बचाव आदि के बारे में लोगों को सही जानकारी दी जाए। अखबारों में जागरूकता परक विज्ञापन, दीवार पेंटिंग, पब्लिक एड्रेस सिस्टम आदि के माध्यम से इस बीमारी के कारण प्रभाव और उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाए।

मुख्यमंत्री ने नोडल अफसरों को डेंगू की रोकथाम की व्यवस्थाओं को देखने को दोबारा फील्ड में जाने के निर्देश दिए हैं। उनके निर्देश के बाद प्रमुख सचिव चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी जिलों में नोडल अफसर भेजे जाने का शेड्यूल जारी कर दिया। इन नोडल अफसरों को नौ नवंबर तक अपनी रिपोर्ट मुख्यालय को सौंपनी होगी। बता दें कि डेंगू सहित अन्य संचारी रोगों को लेकर मुख्यमंत्री ने लगातार मिशन मोड में काम करने के निर्देश दिए हैं।

इससे पहले भी मुख्यमंत्री ने 26 अक्टूबर को डेंगू को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को अतिरिक्त सावधानी बरतने के निर्देश दिए थे। प्रत्येक जिला अस्पताल में आइसोलेशन वार्ड बनाने समेत बेड, दवाओं एवं अन्य जरूरी सुविधाओं को सुनिश्चित करने के आदेश दिए थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के आम नागरिकों से भी अपील की है कि वो संचारी रोगों को लेकर पूरी तरह सतर्क रहें।

पुलिस कमिश्नरेट के जोन व सर्किल में हुआ बदलाव, पश्चिम जोन में हुए 13 थाने

लखनऊ। कमिश्नरेट में ग्रामीण थाने शामिल होने के बाद शनिवार को जोन व सर्किल में फिर से बदलाव किए गए हैं। पुलिस आयुक्त एसबी शिरड़कर के मुताबिक ग्रामीण के थाने शामिल होने के बाद पश्चिम जोन में 13, उत्तरी में 11, मध्य में 10, पूर्वी और दक्षिण जोन में 9-9 थाने शामिल किए गए हैं।

महिलाओं के लिए दो थाने

ग्रामीण थाने शामिल होने के बाद महिलाओं के लिए दो थाने बन गए हैं। पुलिस आयुक्त के मुताबिक एक महिला थाना मध्य जोन की हजरतगजं सर्किल में तो दूसरा महिला थाना बीकेटी सर्किल में है। यहां पर महिलाएं जाकर शिकायत कर सकती है। *एजेंसी*

देवभूमि हिमाचल में 65 .92 फीसदी मतदान

68 विधानसभा सीटों पर मतदान समाप्त, टशीगंग में सौ फीसदी मतदान, किन्नौर में सबसे कम, 8 दिसंबर को घोषित होंगे नतीजे

शिमला। हिमाचल प्रदेश की 68 विधानसभा सीटों पर शाम 05 बजे मतदान थम चुका है। मतदान केंद्रों पर अब उन्हीं मतदाताओं को मतदान का मौका दिया जा रहा है, जो कतारों में खड़े हैं। शनिवार को लोकतंत्र के इस महापर्व में युवाओं, महिलाओं, वृद्धों समेत विभिन्न आयु वर्ग के मतदाताओं ने उत्साह के साथ भागीदारी दर्ज की। निर्वाचन आयोग के अनुसार शाम 05 बजे तक लगभग 65.92 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। हालांकि मतदान के अंतिम आंकड़े दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों से पोलिंग पार्टियों के लौटने पर जारी किए जाएंगे। ऐसे में मतदान प्रतिशतता में बढ़ोतरी होने का अनुमान है। निर्वाचन आयोग कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक सिरमौर जिला में सर्वाधिक 72.35 प्रतिशत और किन्नौर में सबसे कम 62 प्रतिशत मतदान हुआ है। इसके अलावा बिलासपुर जिला में 65.72 प्रतिशत, चम्बा में 63.09 प्रतिशत, हमीरपुर में 64.74 प्रतिशत, कांगड़ा में 63.95 प्रतिशत, कुल्लू जिला में 64.59 प्रतिशत, लाहौल-स्पीति जिला में 67.50 प्रतिशत, मंडी जिला में 65.59 प्रतिशत, शिमला जिला में 65.66 प्रतिशत, सोलन जिला में 68.48 प्रतिशत और ऊना जिला में 67.67 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। लाहौल-स्पीति जिला के टशीगंग स्थित विश्व के सबसे ऊंचे मतदान केंद्र में सौ प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इस मतदान केंद्र में सभी 52 मतदाताओं ने मतदान कर इतिहास रचा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनीष गर्ग ने बताया कि राज्य में 65.92 प्रतिशत मतदान हुआ है। यह सूचना मतदान केंद्रों में शाम पांच बजे तक हुए मतदान की है। मतदान का वास्तविक व अंतिम आंकड़ा बाद में जारी किया जाएगा और इसमें बदलाव सम्भव है। पोलिंग पार्टियों के संग्रह केंद्रों पर लौटने का इंतजार किया जा रहा है।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक की सुरक्षा में चूक, कार को बचाने में टकराई स्कार्ट की कारें

बरेली होते हुए लखनऊ जाते समय हुआ हादसा, सिपाही व सीओ घायल, राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती

शाहजहांपुर। रामपुर से लखनऊ जा रहे उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक की सुरक्षा में शनिवार शाम बड़ी चूक हो गई। उनके काफिले में अचानक सामने गलत दिशा से आई कार को बचाने के प्रयास में एस्कार्ट की दो गाड़ियां आपस में टकरा गईं। हादसे में सीओ तिलहर वीएस वीर कुमार व एक सिपाही घायल हो गए। उन्हें राजकीय मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है।

एसपी व अन्य अधिकारी वहां पहुंच रहे हैं। काफिले में आई कार के बारे में अभी कोई जानकारी नही मिल सकी है। ब्रजेश पाठक शनिवार शाम करीब साढ़े चार बजे रामपुर से बरेली होते हुए लखनऊ जा रहे थे। शाहजहांपुर जिले की सीमा पर पहुंचने पर सीओ वीएस वीर कुमार ने उन्हें रिसीव किया।

इसके बार काफिला लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र के देवनगर गांव के पास पहुंचा तभी कार आ गई। ऐसे में सीओ के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। पीछे चल रहे एस्कार्ट की गाड़ी उनकी गाड़ी से टकरा गई, जिससे सीओ घायल हो गए। दोनों वाहनों को किनारे कराकर उपमुख्यमंत्री का काफिला आगे के लिए रवाना किया गया।

'चुनाव जीतने के लिए राम रहीम जैसों को छोड़ा जा रहा'

जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम फारुख अब्दुल्ला ने इंडियन मुस्लिम फॉर सिविल राईट्स की गोष्ठी में बीजेपी पर जमकर हमले किए, लखनऊ में बोलते-बोलते भावुक हुए फारुख, कहा-मायूस होने की जरूरत नहीं

लखनऊ। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला ने इंडियन मुस्लिम फॉर सिविल राईट्स के कार्यक्रम में बीजेपी पर जमकर हमले किए। उन्होंने हिमाचल विधानसभा चुनाव की ओर इशारा करते हुए कहा कि आज चुनाव जीतने के लिए राम रहीम जैसों को छोड़ा जा रहा है। सिर्फ इसलिए कि उनके साथ बड़ी तादाद में लोग हैं। फारुख ने कहा, 'ये मुश्किल वक्त है। मायूसी है। मुसलमान सिर्फ अपने बारे में ही नहीं सबके बारे में सोचे।' फारुख बोलते-बोलते भावुक हो गए। उन्होंने रुंधे गले से कहा- 'मायूस होने की जरूरत नहीं। हालात का सामना करना होगा।

गोष्ठी में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद सहित कई हस्तियां मौजूद रहीं। फारुख अब्दुल्ला ने कहा कि मुसलमानों के लिए आज तालीम बहुत जरूरी है। शेख अब्दुल्ला ने कभी भी धार्मिक पक्षपात नहीं किया और दूसरे समुदायों का सम्मान करते हुए पाकिस्तान नहीं गये। आज का नौजवान मुझसे पूछता है कि आपके वालिद पाकिस्तान के साथ क्यों नहीं चले गये। आज मुश्किल वक्त है। मायूसी है। मुसलमान सिर्फ अपने बारे में ही नहीं सबके बारे में सोचे। आज मुसलमान अमल से दूर है। आज के मौलाना अल्लाह के कलाम को समझते हैं? उसको आगे बढ़ाते हैं।

फारुख ने कहा कि उपदेश देना ही काफी नहीं है। आज हम खुद हराम खाते हैं और दूसरों से कहते हैं कि हराम मत खाओ। सिर्फ मुसलमान मत ढंढिये उन्हें तलाश करिए जो तालीम याफ्ता हों। फिरौन और नमरूद की बादशाहत नहीं रही तो ये दूसरे कब तक रहेंगे। मायूस होने से काम नहीं चलने वाला। इनके जुल्म से डरना नहीं है। ये वतन किसी एक का नहीं है हम सबका है। उन्होंने कहा कि बर्दाश्त और सब्र से काम लेना होगा। मेहनत करनी होगी। नफरतों को दफन कीजिए। फिरकों में मत बंटिये। आज चुनाव जीतने के लिए राम रहीम जैसों को छोड़ा जा रहा है क्योंकि बड़ी तादाद में लोग उनके साथ हैं। सरकार से मांगोगे तो सरकार के सामने झुकना भी पड़ेगा। हमारे नेताओं की गलती है कि हमने मुसलमानों को उनके संवैधानिक अधिकारों के बारे में जानकारी नहीं दी। मुसलमानों से समाज के सभी वर्गों से मिलजुलकर रहने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि क्यों न ये जुल्म करें फिर भी हम सबको दूसरे समुदायों के साथ ही चलना होगा। इसी दौरान बोलते-बोलते फारुख अचानक भावुक हो गए। उन्होंने रुंधे गले से कहा, 'मायूस होने की जरूरत नहीं। हालात का सामना करना होगा। तूफान आते रहते हैं। हम कमजोर नहीं हैं। तूफान आएंगे, ईमान मजबूत रखिएगा।' *एजेंसी*

अमिताभ ठाकुर ने उपचुनाव में ठोंकी ताल, सैफई की रौली यादव को बनाया प्रत्याशी

मैनपुरी। मैनपुरी लोकसभा सीट के उपचुनाव में पूर्व आईपीएस एवं अधिकार सेना के संयोजक अमिताभ ठाकुर ने भी ताल ठोंक दी है। उनकी पार्टी उपचुनाव लड़ेगी। अधिकार सेना ने शनिवार को प्रत्याशी के नाम का एलान कर दिया। अमिताभ ठाकुर ने सैफई निवासी रौली यादव को प्रत्याशी बनाया है। बता दें कि सांसद मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद मैनपुरी लोकसभा सीट पर उपचुनाव होने जा रहा है। इसके लिए नामांकन प्रक्रिया चल रही है। अधिकार सेना के संयोजक अमिताभ ठाकुर शनिवार को मैनपुरी पहुंचे। यहां पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने भाजपा पर सरकारी व्यवस्था का दुरुपयोग करने का आरोप लगया। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी भाजपा जो खुद को डबल इंजन की पार्टी कहती है। मेरी निगाह में वह ट्रिपल इंजन की पार्टी है। भाजपा हर व्यवस्था का अपने फायदे के लिए अनुचित प्रयोग करने में माहिर है। *एजेंसी*

डेरा प्रेमी हत्याकांड : बागपत में गुरमीत राम रहीम की बढ़ाई सुरक्षा

आश्रम के बाहर चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात, गुरुवार को हुई थी डेरा प्रेमी की हत्या

बागपत। बागपत जनपद के बड़ौत में डेरा प्रेमी हत्याकांड के मद्देनजर बिनौली पुलिस ने बरनावा डेरा सच्चा सौदा आश्रम के प्रमुख राम रहीम की सुरक्षा बढ़ा दी है। जिससे कोई अप्रिय घटना न हो। रोहतक की सुनारिया जेल में दुष्कर्म व हत्या के मामले में सजा काट रहा डेरा प्रमुख गुरमीत सिंह राम रहीम बरनावा के आश्रम में 40 दिन के पैरोल पर आया हुआ है। उसके साथ हनीप्रीत व परिवार के सदस्य भी हैं। पंजाब के फरीदकोट में गुरुवार को हुए डेरा प्रेमी प्रदीप कुमार उर्फ राजू हत्याकांड के बाद अब बागपत व बिनौली पुलिस ने डेरा प्रमुख राम रहीम की सुरक्षा बढ़ा दी है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। वहीं, संदिग्ध लगने वाले व्यक्तियों की तलाशी ली जा रही है। इसके अतिरिक्त भीड़ को भी आश्रम के आसपास एकत्रित नहीं होने दिया जा रहा है। जिससे कोई अप्रिय घटना न हो। इंस्पेक्टर सलीम अहमद ने बताया कि डेरा प्रेमी हत्याकांड को देखते हुए आश्रम के बाहर व आश्रम के आसपास अतिरिक्त पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं। *एजेंसी*

इलाज के दौरान 5 माह के शिशु की मौत, अस्पताल में हंगामा, तहरीर

नैनी। नैनी थाना क्षेत्र के एडीए कॉलोनी में शनिवार की सुबह इलाज के दौरान 5 माह के शिशु की मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा काटा। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार नैनी के दूरवाणी नगर निवासी संदीप कुमार गौड़ ने बीते 9 नवंबर की सुबह अपने 5 महीने के बच्चे अभिनव को इलाज के लिए एडीए कॉलोनी सरपतहिया स्थित एक प्राइवेट नर्सिंग होम में भर्ती कराया था। बताते हैं, कि शनिवार की सुबह तकरीबन 6:00 बजे अभिनव की मौत हो गई। उसकी मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। लोग रोना पीटना शुरू कर दिए। देखते ही देखते वहां पर लोगों की अच्छी खासी भीड़ जुट गई। परिजनों ने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पाकर इलाकाई पुलिस पहुंची, समझा बुझाकर किसी तरह से मामले को शांत कराया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया। एक बातचीत में चौकी इंचार्ज जन्मेजय सिंह ने बताया, कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अगली कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात चोरों ने ढाई लाख नकदी सहित लाखों का जेवर उड़ाया

मेजा। कोतवाली क्षेत्र के कोटहा गाँव में शुक्रवार की देर रात शटर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने नकदी सहित लाखों का जेवर पार कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूंछतांछ कर रही है। गौरतलब हो कि जिमिदार वर्मा पुत्र किशोरीलाल वर्मा के परिजन शनिवार की सुबह सो कर उठे तो देखा कि शटर का ताला टूटा हुआ था और अंदर जाकर देखा तो दो बक्से गायब थे और पूरा सामान बिखरा हुआ था। परिजनो देखा कि घर से 100 मीटर की दूरी पर नहर के पास दोनों बक्सों का ताला टूटा है और सामान बिखरा हुआ था। भुक्तभोगी जिमीदार वर्मा के अनुसार ढाई लाख कैस और दो लाख का जेवर गायब हुआ है। भुक्तभोगी ने मेजा कोतवाली में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। सूचना पर घटनास्थल पर पहुंचे चौकी प्रभारी मेजारोड रामभवन वर्मा ने घटना की जाँच करने के पश्चात कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रहे हैं। फिल हाल खबर लिखे जाने तक कोई जानकारी नहीं हो पाई थी।

शॉर्ट सर्किट से स्कूल वाहन में लगी आग

सहसों। शांति महाविद्यालय बगई कला में स्कूल वाहन बच्चों को छोड़कर वापस विद्यालय में लौटी तो उसके इंजन से धुआ निकलता हुआ दिखाई दिया। ड्राइवर नीचे उतारकर देखने लगा इतने में आग लग गई। आग को बुझाने की कोशिश की परंतु तब तक पूरी गाड़ी जल गई। गनीमत यह रही कि बच्चों को छोड़कर वापस लौटी थी अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

बुवाई और पलेवा के सीजन में सूखी पड़ी नहर, किसान चिंतित

बारा। गेहूं की बुवाई का सीजन शुरू हो गया है। धान की फसल से खेत खाली होने के बाद ही किसानों ने पलेवा शुरू कर दिया है। बुवाई के लिए किसान यूरिया, डीएपी एकत्र कर रहे हैं। इसके अलावा सरसो, चना, मटर और गेहूं के बीज की खरीदारी कर रहे हैं, लेकिन नहरों में पानी न होने से क्षेत्र में फसल की बुवाई का कार्य बाधित हो रहा है।

यमुनापार के बारा तहसील क्षेत्र में सिंचाई का प्रमुख साधन नहर ही है। किसानों की सुविधा के लिए क्षेत्र में प्रमुख दो नहरें है। पहली टोंस पंप नहर, जो कि गौरा के पास से टोंस नदी से निकाली गई है। दूसरी कमला पंप नहर, जो प्रतापपुर पड़ुआ के पास यमुना नदी से निकाली गई है। मौजूदा समय में दोनों नहरों का संचालन बंद है, जबकि जिला प्रशासन ने पूर्व में हुई बैठकों में समय से नहरों का संचालन करने के लिए आदेशित कर रखा है गेहूं की बुवाई के समय नहरों को बंद कर दिए जाने से किसानों को मजबूरी में निजी साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है, जो काफी महंगा पड़ रहा है। बारा, जसरा, कौंधियारा, घूरपुर और शंकरगढ़ में कुछ इलाके ऐसे हैं, जहां पर निजी साधनों का भी कोई सहारा नहीं है, वहां पर किसान नहर पर ही आश्रित हैं, ऐसे में उन्हे पलेवा के लिए नहर के पानी का इंतजार करना पड़ रहा है टोंस पंप नहर से विकास खंड के लोहरा, गन्ने, बांसी, रूम, सुरवल, सोनबरसा, ओसा, ललई, डोमहर, सीध टिकट, तेलंघना सहित दर्जनों गांवों के अलावा करछना क्षेत्र के दर्जनों गांवों की सिंचाई होती हैं। इसी प्रकार कमला पंप नहर से नारीबारी, मौहरिया, गडैया लोनी पार, नेवरिया, सिंहपुर, पहाड़ी, बसदेवा, बढ़ैया, बंधवा, पगुवार, बकुलिहा सहित कई दर्जन गांवों के खेतों को पानी प्राप्त होता है। किसान अशोक शुक्ल, रमेश, प्रभाकर सिंह, भारत सिंह आदि किसानों का कहना है कि बीते साल भी अक्टूबर-नवंबर महीने में नहर को बंद कर दिया गया था। फिर जनवरी में पानी छोड़ा गया था। कमोवेश यही स्थिति इस वर्ष भी बन गई है। किसानों ने जिला प्रशासन का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया है।

हत्या के मामले में मुकदमा दर्ज

माण्डा। माण्डा क्षेत्र में एक महिने पहले बेला चौहान में अनिल कुमार की लाश सड़क पर मिली थी जिसमें पुलिस तहकीकात कर रही है । इस प्रकरण में अनिल के भाई राकेश कुमार निवासी रामपुर हसवार थाना जिगना ज़िला मिजार्पुर ने आठ संदिग्धों पर शुक्रवार को मुकदमा पंजीकृत कराया जिसमें थानाध्यक्ष अरविंद कुमार गौतम ने कहा मामले की जांच की जा रही है।

बलात्कार सहित कई मामलों में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। सरायइनायत क्षेत्र में अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान में थानाध्यक्ष सरायइनायत अरविन्द कुमार राय के नेतृत्व में उ0नि0 आशुतोष दीक्षित मय पुलिस टीम शनिवार को न्यायालय एसी.जीएम 09 इलाहाबाद, अपराध संख्या 71/12 धारा 363, 366, 376, 504, 506 भादस से सम्बन्धित 01 वारण्टी राम अचल बिन्द पुत्र लल्लू उर्फ लालू निवासी ग्राम ककरा थाना सरायइनायत जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार किया है।राम अचल बिन्द पुत्र लल्लू उर्फ लालू निवासी ग्राम ककरा थाना सरायइनायत जनपद प्रयागराज उम्र 45 वर्ष का रहने वाला है। शनिवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

संक्षेप

नागरिक पीजी कॉलेज जंघई के एसोसिएट प्रोफेसर का इलाहाबाद विश्वविद्यालय में चयन

जंघई। नागरिक पीजी कॉलेज जंघई में प्राचीन इतिहास के एसोसिएट प्रोफेसर, प्राक्टर, निवर्तमान विभागाध्यक्ष डॉ रमाकांत सिंह का चयन केंद्रीय विश्व विद्यालय इलाहाबाद में एसोसिएट प्रोफेसर पद पर हुआ है। डॉ रमाकांत के चयन पर नागरिक पीजी कॉलेज जंघई में प्राचार्य प्रो0 राजीव मालवीय की अध्यक्षता में स्वागत एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया। जिसमें प्राचार्य प्रो0 राजीव मालवीय एवं विभागाध्यक्ष प्राचीन इतिहास डॉ अरविंद कुमार राय द्वारा डॉ रमाकांत सिंह को सरस्वती प्रतिमा देकर उनके उज्जवल भविष्य हेतु कामना करते हुए नवीन जिम्मेदारी की शुभकामनाएं व बधाई दी। प्राचार्य प्रो0 राजीव मालवीय ने कहा कि आपने प्राचीन इतिहास विभाग में निरंतर 22 वर्षों तक सेवा दिया तथा शिक्षण की नवीन तकनीकियों से विद्यार्थियों को हमेशा लाभान्वित किया ऐसे ही पूरे मनोयोग से इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को अपनी उर्जा से लाभान्वित करें। आभार व्यक्त करते हुए डॉ रवि कुमार मिश्र ने कहा कि आपका योगदान प्राचीन इतिहास विभाग के विकास में अविस्मरणीय रहा है।इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी मौजूद रहे सभी ने माल्यार्पण करके डॉ रमाकांत सिंह को बधाई देते विदाई किया ।

महर्षि विद्या मन्दिर में पुरस्कार वितरण समारोह

नैनी। महर्षि शिक्षा संस्थान पढ़ाई के साथ-साथ बहुमुखी विकास के लिए अनेकानेक शैक्षणिक गतिविधियाँ एवं छिपी प्रतिभाओं को बहार निकालने का अवसर प्रदान करती है । हर वर्ष महर्षि ओलम्पियाड परीक्षा, महर्षि क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव, खेल प्रतियोगिता आदि कार्यक्रम हर वर्ष महर्षि शिक्षण संस्थान मे कराने का प्रावधान है । इसी तारतम्य में आयोजित महर्षि क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया । विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती पूजा चन्दोला जी ने विजयी प्रतिभागियों को विविध पुरस्कारों से पुरस्कृत करके उनका उत्साह वर्धन किया । पुरस्कार वितरण के समय विद्यालय परिसर तालियों की आवाज से गूँज उठा । प्रधानाचार्या जी ने सभी छात्रों एवं शिक्षकों को बधाइयाँ एवं धन्यवाद ज्ञापित किया । तत्पश्चात सभी छात्रों की प्रतिभाओं एवं उनकी खूबियों की सराहना किया । उन्होने कहा कि हम विद्यार्थिओं को विकास के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहते हैं । उनका समाधान करना हमारा परम कर्तव्य होता हैं । मै गौरव के साथ कह सकती हूँ कि हमारे विद्यालय के छात्र अपने कर्त्तव्य के प्रति हमेशा सजग रहते है । अन्त में पुनः प्रधानाचार्या जी ने सभी को साधुवाद एवं धन्यवाद दिया ।

कॉलेज ऑफ फॉरेस्ट्री, शुआट्स में खेलकूद दिवस आयोजित

नैनी। कॉलेज ऑफ फॉरेस्ट्री, शुआट्स द्वारा 12 नवंबर 2022 को बडे. जोश, उत्साह और जोशीले माहौल के साथ कॉलेज स्पोर्ट्स डे का आयोजन किया गया। खेल दिवस की शुरुवात कॉलेज ऑफ फॉरेस्ट्री के डीन प्रोफेसर (डा0) एंटोनी जोसफ राज ने मेहमानों, प्रतिभागियों संकाय और छात्र का स्वागत करते हुए की। प्रोफेसर एंटोनी ने जोर देकर कहा कि खेल में शामिल होना स्वस्थ शरीर और मानसिकता को आकार देने में मदद करता है। प्रोफसर एंटनी ने व्यक्ति को शारीरिक रुप से सक्रिय बनाने, सामाजिक कौशल के निर्माण और समग्र व्यक्तित्व को बढ़ाने में खेल के महत्व पर भी जोर दिया। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो0 (डा0) एस0 बी0 लाल, हासिल किया। श्री संजय कुमार (स्टॉफ), तान्या तमीशा (छात्र) और हैविचू टेप (छात्र) कैरम में पहला स्थान हासिल किया। बाद में, विभिभन स्पधाओं के विजेताओं को रोलिंग कप, पदक और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। कॉलेज ऑफ फॉरेस्ट्री के डीन प्रोफेसर (डा0) एंटनी जे0 राज ने प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को बधाई दी। डा0 हर्ष बोध पॉलीवाल, डा0 समीर डेनियल, डा0 श्रधा रावत और डा0 एकता पाठक मिश्रा को स्टॉफ श्रेणी में उत्तकृष्ट खिलाड़ी के रुप में पुस्तकृत किया गया। जॉय फेनिहास और सोनाली मैनहास कॉलेज के उत्तकृष्ट छात्र खिलाड़ी के रुप में पुस्तकृत किये गये। सी0 मन्जुनाथ को क्रिकेट में मैन ऑफ द मैच से पुस्तकृत किया गया।

प्रयाग इंस्टीट्यूट मे चल रहे दो दिवसीय विंटर ट्रेनिंग प्रोग्राम का हुआ समापन

करछना। प्रयाग इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट बेन्दौ एवं आई डी बी फिनटेक प्राइवेट लिमिटेड की तरफ से चल रहे दो दिवसीय इंटरप्रेन्योरशिप विंटर ट्रेनिंग 2022 का शुक्रवार को सफलता पूर्वक समापन हुआ। इस मौके पर अतिथि के रूप मे सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के ब्रांच हेड मनीष कुमार सिंह , चार्टर्ड अकाउंटेंट एजाज खान ,बैंक ऑफ बड़ौदा की ब्रांच हेड रसिका जैन आदि उपस्थित रहे। कॉलेज के सचिव विकास सिंह ने छात्रों को इस दो दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम की बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के ट्रेनिंग प्रोग्राम से छात्रों में छुपी हुई प्रतिभा को बढ़ावा मिलता है।

विश्वास और प्रमाणिकता के लिए पहचान जरूरी है : विनोदानन्द

करछना। क्षेत्र के रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह इंण्टर कॉलेज परिसर में आजादी के अमृत महोत्सव को समर्पित 24 वें जमुनापार महोत्सव के चौथे दिन संतो ने भक्त गणों को राम कथा का रसपान कराया। मंच पर पहुंचे कवियों ने काव्य रस परोसते हुए श्रोताओं से खूब तालियां बटोरी। प्रयागपीठ से पधारे मुख्य राम कथा प्रवाचक स्वामी विनोदानन्द सरस्वती जी महाराज ने कहा की विश्वास और प्रमाणिकता के लिए कोई न कोई पहचान आवश्यक है। मातु मोहि दीजे कछु चिन्हा, जइसे रघुनायक मोहि दीन्हा,जैसी चौपाई की मार्मिक व्याख्या करते हुए उन्होंने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।इसके अलावा प्रेम को जगत का सार बताते हुए भवसागर में प्रेम की महत्ता बखानी। वृंदावन से आए गोपाल जी महाराज ने रामहिं केवल प्रेम पियारा,द्वारा प्रेम के अर्थ को व्याख्यायित किया तो वहीं मिजार्पुर के आचार्य पंकज जी महाराज ने भवसागर से तरने हेतु राम नाम के जाप को सबसे सहज और सरल बताते हुए इसे अपनाने पर जोर दिया। रामकथा के पूर्व मंच पर पहुंचे कवियों ने श्रोताओं को जी भर गुदगुदाते हुए खूब तालियां बटोरी । मोहिनी श्रीवास्तव की वाणी बंदना के उपरांत संजय पांडेय सरस ने अपनी कविताओं में मां की महिमा का बखान किया तो वहीं कृष्णकांत कामिल ने अपनी गजलों से खूब समां बांधीं। सबरेज अहमद ने..हमारी आन है हिंदुस्तान,हमारी जान है हिंदुस्तान जैसे गीत पर देश प्रेम का भाव जागृत किया। नजर इलाहाबादी की छड़िकाओं पर श्रोता लोटपोट होते रहे तो वहीं ओज कवि बबलू सिंह बहियारी ने उस शेखर आजाद का पावन धाम इलाहाबाद है जैसीओज पंक्तियों पर सभी को रोमांचित किया। कौशांबी के कवि शिव नरेश भारती ने तिरंगे और हिंदुस्तान को अपनी कविताओं द्वारा सलाम किया। संयोजक कभी संतोष शुक्ला समर्थ ने अपनी कविताओं में सामाजिक समरसता के चित्र उकेरे।कवि सम्मेलन की अध्यक्षता कर रही गीत और गजल की चर्चित कवयित्री डॉ. आभा मधुर ने अपने गजलों में गांव की तस्वीर उकेरते हुए संस्कृति और संस्कार को सहेजने पर बल दिया। संचालन राजकुमार अंजाना ने किया। कवि सम्मेलन के उपरांत प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने कवियों का स्वागत करते हुए मंच पर सम्मानित किया। महोत्सव के संयोजक डॉ. भगवत पांडेय ने सभी संतो कवियों और श्रद्धालु श्रोताभक्त जनों के प्रति स्वागत,आभार प्रकट किया।

डीएम के आदेश के पेंच में फंसा पोषाहार चोरी का मामला

पोषाहार मामला

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने दी तहरीर, नही दर्ज हुआ मुकदमा

पुलिस द्वारा पकड़े गए पोषाहार की जांच करते अफसर

कोरांव। शुक्रवार को पोषाहार के साथ पकड़ी गई मेजा की प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी के खिलाफ मुख्य विकास अधिकारी के आदेश पर शनिवार को प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी विमल चौबे ने थाने पहुचकर मामले में तहरीर दी लेकिन पुलिस द्वारा यह कहकर मुकदमा दर्ज नही किया गया कि जब तक जिलाधिकारी द्वारा आदेश नही जारी किया जाएगा तब तक मामले में 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज नही किया जा सकता। प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी काफी देर तक थाने पर मौजूद रहे इस दौरान कपिला पशु आहार की बोरी में पैक पोषाहार को खोला गया जिसमें गेहू की दरिया के कई पैकेट पाए गए ।बोरी को अफसरों की देखरेख में सील कर दिया गया । प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारीके साथ जिले से आई टीम घण्टो थाने पर रहने के बाद वापस शहर लौट गई । उधर सात वर्ष से कम सजा के प्रावधान पर महिला प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी को थाने से छोड़ दिया गया। उल्लेखनीय है कि कोरांव के राजपुर गांव निवासी मीरा देवी पत्नी कमला शंकर पटेल मेजा विकास खण्ड में मुख्य सेविका के रूप के कार्यरत है और सीडीपीओ का पद खाली होने की वजह से मीरा देवी प्रभारी सीडीपीओ का काम देख रही है। शुक्रवार को किसी ने कोरांव पुलिस को फोन पर सूचना दी कि प्रभारी सीडीपीओ बस से बोरी में सरकारी पोषाहार लेकर घर जा रही है। जैसे ही बस कोरांव के गोपाल विद्यालय के पास पहुची पुलिस ने पोषाहार सहित सीडीपीओ को पकड़ लिया और थाने लाया गया ।रात में ही मामले की जानकारी मुख्य विकास अधिकारी सीपू गिरी को दी गयी । सीडीओ के आदेश पर प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी विमल चौबे शनिवार को तहरीर लेकर अपनी टीम के साथ पहुच गए।

मुकदमा दर्ज करने के लिए डीएम के आदेश का इंतजार

शनिवार शाम को मामले में जिला कार्यक्रम अधिकारी विमल चौबे द्वारा तहरीर दी गयी लेकिन पुलिस द्वारा यह बताया गया कि 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज करने के लिए जिलाधिकारी का आदेश होना जरूरी है । मामले में प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि जिलाधिकारी के आदेश पर मामले में मुकदमा दर्ज किया जाएगा ।

गेहू की दरिया की बोरी के ऊपर लगाई गई कपिला पशु आहार की बोरी

शुक्रवार को पकड़ी गई बोरी को जब शनिवार को विभागीय अफसरों के समक्ष खोला गया तो उसमे लगभग 50 पैकेट गेहू की दरिया के पैकेट मिले। गेहू की दरिया की बोरी के ऊपर कपिला पशु आहार की बोरी लगा दी गयी थी ताकि किसी को शक न हो।

ट्रैफिक रूल्स का पालन करें तो कम हो जाएंगी दुर्घटनाएं : सचान

ट्रैफिक नियमों के बारे में बच्चों को बताते राजेश सचान

बारा। सड़क पर चलते समय, वाहन चलाते समय यदि ट्रैफिक रूल्स का पालन किया जाए तो हादसों में भारी कमी लाई जा सकती है। सड़क पर ट्रैफिक रूल्स के पालन से न सिर्फ खुद के जान की हिफाजत होती है, बल्कि दूसरों की जिंदगी सलामत रहती है। यह बातें बारा सब इंस्पेक्टर राजेश सचान ने यातायात जागरुकता कार्यक्रम में कही।

रणजीत पंडित इंटरमीडिएट कालेज, लोहगरा में आयोजित जागरुकता कार्यक्रम में राजेश सचान ने कहा, सीटबेल्ट का प्रयोग व दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें। हेलमेट एक जीवन रक्षक उपकरण है। हेलमेट और सीटबेल्ट के प्रयोग से दुर्घटना के समय आपके जीवन सुरक्षित रहता है। हादसों के दौरान होने वाली मौतों को भी टाला जा सकता है। हेलमेट और सीटबेल्ट का प्रयोग जीवन को सुरक्षित रखने की 70 फीसदी संभावना को बढ़ा देता है। राजेश सचान ने बच्चों को ट्रैफिक रूल्स के बारे विभिन्न प्रकार की जानकारी दी और सीखी गई बातों को अपने परिजनों व आसपास के लोगों को भी बताने की अपील की।

बारा प्रभारी अनिल कुमार वर्मा के निर्देशन पर रणजीत पंडित इंटर कालेज में आयोजित जागरुकता कार्यक्रम में सब इंस्पेक्टर सतीश साहू, रामाश्रय समेत अन्य पुलिस कर्मियों ने बच्चों को यातायात नियमों के पालन का महत्व समझाया। उपनिरीक्षक सतीश साहू व रामाश्रय ने बताया कि आप सभी की अब नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि अपने अलावा अन्य लोगों को भी यातायात नियमों का पालन करने की प्रेरणा दें।

बस की टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

मेजा। क्षेत्र के मेजारोड स्थित कोहड़ार चौराहे पर शनिवार दोपहर को बस की टक्कर से बाइक सवार अधेड़ गंभीर रूप घायल हो गया, जिसे स्थानीय पुलिस ने इलाज के लिए सीएचसी मेजा भेजा। गौरतलब हो कि कोतवाली क्षेत्र के भटौती कोना निवासी बृजवासी पाठक किसी कार्य से बाइक से मेजारोड बाजार आ रहे थे जैसे ही वह के कोहड़ार चौराहे पर पहुंचे थे कि मिजार्पुर की ओर से आ रही सवारी बस से टक्कर लग गई, जिससे उनकी बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई बृजवासी पाठक भी गंभीर रूप से घायल हो गये। चौराहे पर सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे चौकी इंचार्ज मेजारोड राम भवन वर्मा बस को कब्जे में लेते हुए घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेजा इलाज के लिए भेज दिया।

आमने-सामने टक्कर में बाइक सवार दो लोग घायल, गंभीर

उरुवा। स्कूल से घर जा रहे बाइक सवार युवक सामने से आ रही बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें बाइक पर सवार दो युवक बुरी तरह घायल हो गए। जिन्हें घटना स्थल पर मौजूद रहे लोगों ने दोनों घायलों को एम्बुलेंस बुलाकर इलाज के लिए सीएचसी रामनगर पहुंचाया। जहां पर इलाज के दौरान दोनों बाइक सवार घायलों की हालत बिगड़ती देख अस्पताल के डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। मिजार्पुर जिले के जिगना थाना क्षेत्र स्थित लछिया पुर गांव निवासी 19 वर्षीय रोहित तथा 20 वर्षीय मनीष बिंद बाइक पर सवार होकर उरुवा स्थित स्कूल से शनिवार की शाम अपने घर जा रहे थे। जैसे ही बाइक सवार उरुवा चौराहे के पास पहुंचे सामने से आ रही बाइक से जा टकराए। जिन्हें घटनास्थल पर मौजूद रहे लोगों ने आनन-फानन में एंबुलेंस बुलाकर इलाज के लिए सीएचसी रामनगर पहुंचाया। आमने सामने टक्कर में दूसरा बाइक सवार भी मामूली रूप से घायल हो गया,जो तत्काल बाइक स्टार्ट कर अपने घर चला गया।

थानाध्यक्ष ने छात्रों को सुरक्षा का पढ़ाया पाठ

छात्रों को यातायात नियमों के बारे में जानकारी देते थानाध्यक्ष अरविन्द कुमार

माण्डा। माण्डा थानाध्यक्ष अरविंद कुमार गौतम ने अभिराजी इण्टर कालेज माण्डा में बच्चों को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाया। बच्चों को किस प्रकार से रोड पर चलना चाहिए यह बताते हुए यातायात नियमों का पालन करना हम सबका दायित्व है और छात्रों को इस विषय पर जागरूक होने की आवश्यकता है। बाइक से यात्रा के समय सभी को हेलमेट लगाना अनिवार्य है यदि यात्रा कर रहे हैं तो बिना हेलमेट की यात्रा दुर्घटना को दावत देती है। निरीक्षक ने कहां की वाहन को नियंत्रित गति में चलाना चाहिए किसी भी प्रकार से अनियंत्रित नहीं होना चाहिए मोड पर हार्न अवश्य बजाना चाहिए जिससे हम दुर्घटना से बच सकते हैं । शराब पीकर के वाहन नहीं चलाना चाहिए। सड़क पर ट्रैफिक नियमों का पालन करने एवं वाहनों को ओवरटेक न करने की भी सलाह दी ।इसके अलावा नारी सुरक्षा के विषय में बच्चियों को जानकारी प्रदान की और हेल्पलाइन के विषय में अवगत कराया जिससे किसी भी समय किसी भी अवस्था में हेल्पलाइन डेस्क चौबीस घंटे चालू रहता है उसका आवश्यकता पर प्रयोग करने की सलाह दी। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापकगण व एसएसआई राम केवल यादव छात्रों की भारी संख्या में उपस्थिति रही।

समाधान दिवस में आई पांच शिकायतें, निस्तारण शून्य

माण्डा। माण्डा थाना में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन हुआ। अध्यक्षता तहसीलदार मेजा डा विशाल शर्मा ने की जिसमें पांच प्रार्थना पत्र आये जिसपे मौके पर एक का भी निस्तारण नहीं हो पाया सभी मामले राजस्व से सम्बंधित थे लेखपाल को जांच के निर्देश दिये गये और चौकी से सम्बंधित मामलों को चौकी इंचार्ज को दे दिया गया। थाना दिवस पर थानाध्यक्ष माण्डा अरविंद कुमार गौतम, निरीक्षक सुभाष यादव, एसएसआई रामकेवल केवल यादव मौजूद रहें।

यूनाइटेड मेडिसिटी ने रामनगर में लगाया निःशुल्क मेडिकल कैम्प

निःशुल्क मेडिकल कैम्प में लोगों की जाँच करते डॉक्टर

मेजा। क्षेत्र के ग्राम पंचायत रामनगर के पंचायत भवन पर यूनाइटेड मेडिसिटी के द्वारा निःशुल्क मेडिकल कैंप लगाया गया । मेडिकल कैम्प में गांव के सैकड़ों की संख्या में लोगों ने अपना ब्लड शुगर,बीपी एवं अन्य जांच कराकर निःशुल्क दवा प्राप्त किया। इस दौरान लोगों ने चिकित्सकों से परामर्श भी प्राप्त किया।

कैम्प में डॉ आशीष द्विवेदी,डॉ चितवन नर्सिंग स्टाफ की टीम दिव्या सिंह, रूपा देवी, नरेंद्र द्विवेदी फार्मासिस्ट कृष्णा मौर्य रहे। कार्यक्रम में प्रधान प्रतिनिधि नीरज सिंह यादव, विजय राज सिंह, राजेश पाल, रामजी पटेल, दिलीप मिश्रा, बीके पाल, ईश्वर चंद्र धनगर, अंकित, अखिलेश शुक्ला, विशंभर नाथ, संजय केसरी, इमाम अली योगेंद्र नारायण शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

सूचना

प्रमाणित किया जाता है कि मैं अर्शिया बानो पुत्री मुम्ताज अहमद ने अपना नाम बदल कर अर्शिया राशिद शेख पत्नी राशिद शेख रख लिया है। मुझे **अर्शिया राशिद शेख नि. ग्राम रसूलपुर निन्दूरा, थाना हथिगवां, कुंडा- प्रतापगढ़** के नाम से जाना व पहचाना जाए।

आवश्यकता है

एस.आर. सिंह. आर.बी. सिंह महाविद्यालय
मोतिहॉ, हण्डिया प्रयागराज
बी0एड0 संकाय सहायक आचार्य हेतु
(1) शिक्षा के परिपेक्ष्य- 03 पद, (2) शिक्षण विषय- गणित-01 पद, विज्ञान-01 पद, भाषा-01 पद
(3) स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा-01 पद, (4) ललित कला - 01 पद, (5) निष्पादन कला (संगीत, नृत्य, रंगमंच) - 01 पद
परास्नातक स्तर कला संकाय एम0ए0 पाठ्यक्रम हेतु
हिन्दी - 01 पद
परास्नातक स्तर कला संकाय एम0ए0 पाठ्यक्रम हेतु
समाज शास्त्र - 01 पद
परास्नातक कला संकाय एम0ए0 पाठ्यक्रम हेतु
प्रा0 भा0 इतिहास - 01 पद
स्नातक स्तर कला संकाय बी0ए0 हिन्दी साहित्य-01 पद
स्नातक स्तर कला संकाय बी0ए0 गृह विज्ञान-01 पद
स्नातक स्तर कला संकाय बी0ए0 समाज शास्त्र-01 पद
स्नातक स्तर कला संकाय बी0ए0 शिक्षा शास्त्र-01 पद
स्नातक स्तर- विज्ञान संकाय बी0एस0सी
जन्तु विज्ञान - 01 पद
स्नातक स्तर- वाणिज्य संकाय बी0काम - 01 पद
योग्यता एवं वेतनमान एन0सी0टी0ई/राज्य सरकार/विश्वविद्यालय के मानकानुसार। आवेदन की अंतिम तिथि विज्ञापन के 15 दिन के अन्दर।
प्रबंधक-राम बहादुर सिंह (मो0: 8853264243)

स्टेशन पर खाद्य सामग्रियों का निरीक्षण करते उमरे महाप्रबंधक

प्रयागराज

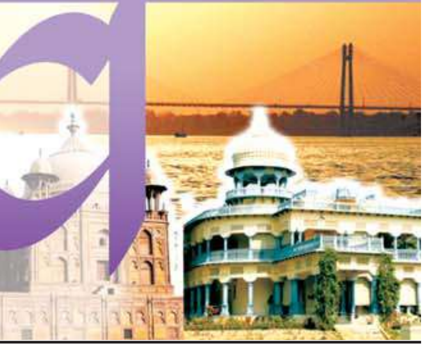

मौसम

अधिकतम :	35.00
न्यूनतम :	25.00
सूर्योदय :	05.31
सूर्यास्त :	06.45

आरपी रेस्टोरेंट के उत्कर्ष बैंक्वेट हॉल का भव्य उदघाटन

फाफामऊ। बाई पास फाफामऊ स्थित आरपी रेस्टोरेंट नव निर्मित उत्कर्ष बैंक्वेट हॉल का हनिवार को भव्य उदघाटन हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथ रहे एमएलसी लक्ष्मण आचार्य फूलपुर सांसद केसरी देवी पटेल तथा प्रायगराज की महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी ने सयुक्त रूप से किया। उद्घाटन समारोह में वक्ताओं ने कहा कि प्रयागराज जिले के गंगापार में ऐसा मात्र एक ऐसा रेस्टोरेंट है जहां होटल के साथ किसी भी शुभ कार्यों पर प्रयोग करने के लिए बैंक्वेट हॉल बनाया गया है। उद्घाटन समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष वी के सिंह, शहर उतरी विधायक हर्ष वर्धन बाजपेई, फाफामऊ विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी, ब्लॉक प्रमुख पप्पू गौतम, डॉ. कृतिका अग्रवाल, श्याम प्रकाश पांडेय, शैलेंद्र मौर्य, अभिषेक सिंह सोनू रहे। आने वाले अतिथियों का स्वागत रेस्टोरेंट के निदेशक निर्दोष सिंह उर्फ गोलू, धीरज सिंह और संतोष सिंह ने किया।

प्राथमिक विद्यालयों से ही बच्चों को योग एवं संस्कृति की दी जाये शिक्षा : आनंदीबेन पटेल

कार्यक्रम

देश के चहुमुखी विकास में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका

तीन दिवसीय अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करतीं महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

प्रयागराज। राज्यपाल, आनंदीबेन पटेल शनिवार को ज्वालादेवी इण्टर कालेज में विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुई। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती का वंदन करते हुए दीप प्रज्जवलन कर किया। इस अवसर पर वहां उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव में आप सभी के मध्य पहुंचकर मुझे अपार प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। मुझे खुशी है कि भारतीय संस्कृति के गौरव से नयी पीढ़ी को परिचित कराने के लिए विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान हर वर्ष विद्यालय स्तर से लेकर अखिल भारतीय स्तर तक चार वर्गों में संस्कृति ज्ञान प्रश्न मंच का आयोजन करता है। उन्होंने कहा कि विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान ने 22 लाख से ज्यादा बच्चों को राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार करने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने कहा कि बच्चों को प्राइमरी स्कूल से ही योग शिक्षा, संस्कृति का ज्ञान दिया जाना चाहिए। बच्चों के विकास के लिए उनको अच्छे संस्कार दिए जाने चाहिए। हर बच्चों में कोई न कोई प्रतिभा होती है। इस तरह के प्रोग्राम के माध्यम से बच्चों के अंदर छिपी उनकी प्रतिभाओं को और निखारा जा सकता है। उन्होंने कहा कि विद्या भारती के विद्यालयों में अनुशासन होता है तथा यहां पर बहुत ही सुंदर प्रार्थनाएं करायी जाती है, जिससे बच्चों में अनुशासन के साथ ही अपनी संस्कृति के प्रति प्रेमभावना जागृत होती है। उन्होंने कहा कि हर देश अपनी शिक्षा व्यवस्था को अपने सांस्कृतिक एवं जीवन मूल्यों के साथ जोड़कर राष्ट्र निर्माण के लक्ष्यों के अनुसार सुधार करते हुए चलता है। मकसद ये होता है कि देश की शिक्षा व्यवस्था अपनी वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को उज्जवल और सुरक्षित करें। मा0 राज्यपाल महोदया ने कहा कि नई शिक्षा नीति भी इसी सोच पर आधारित है। शिक्षा नीति इक्कीसवीं सदी के भारत की नींव तैयार करने वाली है। इस नीति की सबसे बड़ी विशेषता एक मजबूत अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा देना है। मा0 राज्यपाल महोदया ने कहा कि जब वे गुजराज की शिक्षा मंत्री थी, तब मा0 प्रधानमंत्री जी वहां के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने प्राइमरी स्कूलों से ही बच्चों को योग की शिक्षा देने को कहा। उस समय हमारे पास योग से प्रशिक्षित टीचरों की कमी थी। हमने विद्या भारती से टीचरों की टेजनिंग कराकर प्राइमरी स्कूलों में योग की शिक्षा देना शुरू कराया। मा0 राज्यपाल महोदया ने कहा बच्चों के ज्ञानवर्धन के लिए पुस्तकालय बहुत ही आवश्यक है। पुस्तकालयों में भारत की आजादी से सम्बंधित पुस्तकों को रखा जाये, जिससे कि हमारी युवा पीढ़ी को इस बात की जानकारी हो कि भारत को आजाद कराने में किन महापुरूषों का क्या योगदान रहा था साथ ही आजादी से सम्बंधित नाटकों को तैयार कर बच्चों को अवश्य दिखाया जाना चाहिए, जिससे आज की युवा पीढ़ी चरित्रवान, देशप्रेमी और देश को आगे ले जाने वाली बने।

मा0 राज्यपाल महोदया ने कहा कि आज का यह आयोजन हमें अपनी महान संस्कृति, उदात्त जीवन मूल्य और गौरवपूर्ण इतिहास, आदर्श पुरूषों तथा राष्ट्र नायकों की जीवन गाथा और अपनी श्रेष्ठ परम्पराओं से युवा पीढ़ी को अवगत कराने के लिए बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगा, क्योंकि हमारे युवा ही हमारी संस्कृति के संवाहक है। उन्होंने इस प्रकार के आयोजन के लिए विद्या भारती को बधाई देते हुए कहा कि दूसरे स्कूलों में भी इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन होना चाहिए। इस तरह के आयोजनों से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। भारतीय संस्कृति का यह महोत्सव देश के प्रयासों को तथा भारत के विचारों को दुनिया तक पहुंचाने का माध्यम बने, ये हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। मुझे विश्वास है कि इस भारतीय संस्कृति के आदर्शों पर चलते हुए एक नया भारत बनायेंगे और बेहतर दुनिया का सपना साकार करेंगे। मा0 राज्यपाल महोदया ने विद्यालय प्रांगण में लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर मा0 महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान कुरूक्षेत्र के अध्यक्ष मा0 श्री यतीन्द्र जी सहित अन्य लोगो ने भी कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में विद्या भारतीय अखिल भारती शिक्षा संस्थान के सह संगठन मंत्री डॉ0 ललित बिहारी गोस्वामी, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ0 वी0के0 सिंह, मा0 विधायक शहर उत्तरी डॉ0 हर्षवर्धन वाजपेयी, मा0 विधायक शहर पश्चिमी सिद्धार्थनाथ सिंह, विधायक करछना पीयूष रंजन निषाद सहित अन्य मा0 जन प्रतिनिधिगणों के अलावा विद्या भारती के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण व काफी संख्या में स्कूली बच्चें उपस्थित रहे।

संक्षेप

असहायों के सहयोग से बड़ी कोई सेवा नही : रेवती रमण

कोरांव। असहायों एवम कमजोर लोगो की सेवा से बड़ा कोई धर्म और सेवा नही है समाज के हर सछम व्यक्ति को इस तरह के लोगो के लिए आगे आना चाहिए उक्त बातें कोरांव के गुरुद्वारा प्रांगण में पूर्व राज्यसभा सांसद कुँवर रेवती रमण सिंह ने गरीब बच्चो को वस्त्र वितरण करने के दौरान कही । गुरुद्वारा में पहुँच कर पूर्व सांसद ने मत्था टेका । गुरु सिंह सभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में रेवती रमण सिंह ने कहा कि हम सभी को गुरु नानक जी के आदर्शों पर चलने की जरूरत है उनकी शिक्षाओं का अनुकरण करते हुए हम लोग अपना जीवन बेहतर बना सकते है । गुरुद्वारा प्रांगण में सिक्ख धर्म के लोगो ने लंगर का आयोजन किया था जहां बड़ी संख्या में लोगो ने प्रसाद ग्रहण किया । सिक्ख समुदाय के लोगो द्वारा सैकड़ो गरीब बच्चो को वस्त्र का वितरण कराया गया। इस दौरान प्रमुख रूप से त्रिलोक सिंह खनूजा तनप्रीत सिंह अमरीक सिंह रिंकू सिंह बबलू सरदार ओम प्रकाश केशरी राजकुमार केशरी अवध नारायण तिवारी राजू चौबे प्रमोद पयासी राजेश पांडेय दिनेश कुमार सिंह बाबा सिंह रामदेव निडर सहित तमाम अन्य लोग मौजूद रहे। पूर्व राज्ससभा सांसद गुरुद्वारा में कार्यक्रम के बाद तराव गांव में देवेंद्र कुमार द्विवेदी पड़रिया में रामबली द्विवेदी के अलावा सेमरिहा गांव में पहुच कर शोक संवेदना जाहिर की ।

संविधान दिवस पर संविधान मेला 26 को

प्रयागराज। संविधान के अनुच्छेद–17 अस्पृश्यता व छूआछूत मुक्त भारत देश बनाने, संविधान के अनुच्छेद–15 जातिविहीन भारत देश का निर्माण करने व संविधान के अनुच्छेद 39 (ख) जमीन और उद्योगों के राष्ट्रीयकरण के साथ साथ संविधान के अनुच्छेद–13 रूढ़िवादी प्रथा को समाप्त करते हुये वैज्ञानिक सोच पर आधारित समाज निर्माण करने हेतु संविधान दिवस (26 नवम्बर 1949) की 73 वीं वर्षगांठ पर हाईकोर्ट स्थित डा. अम्बेडकर मूर्ति स्थल पर दिनांक 26 नवम्बर 2022 को पूर्वाह्न 11 बजे से संविधान मेला व संविधान महोत्सव–2022 का आयोजन डा. अम्बेडकर क्लब, डा. अम्बेडकर वेलफेयर एसोसिएशन (दावा), देवपती मेमोरियल ट्रस्ट और प्रबुद्ध फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

सत्ता विना संघर्ष के नहीं मिलती : आईपी रामबृज

प्रयागराज। 26 नवम्बर को संविधान मेला के मुख्य संयोजक डा. अम्बेडकर वेलफेयर एसोसिएशन (दावा) के अध्यक्ष उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आईपी रामबृज ने बताया कि पच्चासी प्रतिशत बहुजन समाज जब तक अपने अधिकारों का उपयोग संगठित होकर सत्ता हासिल करने के लिए नहीं करेगा तब तक अप्रत्यक्ष रूप से अंधविश्वास, पाखण्ड और कुरीतियों के मकड़जाल रूपी गुलामी की व्यवस्था से बाहर नहीं निकल पायेगा। इसलिए बहुजन समाज को सत्ता प्राप्ति के लिए संघर्ष करना होगा और इस हेतु जो भी सामाजिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक रूप से संघर्ष कर रही संस्थाएं व संगठन है उनका साथ देना होगा। अगर साथ नहीं दे सकते तो उनकी संघर्षमय राहों में टीका टिप्पड़ी या टांग खिंचाई करके बाधा न बने क्योंकि ऐसी संस्थाएँ व संगठन अप्रत्यक्ष रूप से बहुजनों के हिस्से व उनके मान, सम्मान व स्वाभिमान के साथ साथ उनके हक अधिकारों के लिये संघर्ष कर रहे है। दावा अध्यक्ष ने बहुजन समाज के सेवारत एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों, कर्मचारियों से अनुरोध किया कि सेवा के साथ साथ जो अधिकारी, कर्मचारी अपने परिवार के साथ व्यस्त है उनका समाज के व उनके अनुज जो आज हासिये पर है वे अपने अनुज व समाज के लिये वक्त नहीं निकाल पा रहे है। समाज का कोई व्यक्ति यदि उन्हें निःस्वार्थ भाव से मुख्यधारा में लाने के लिए उन्हें अंधविश्वास, पाखण्ड और कुरीतियों से मुक्त कराकर विज्ञानवाद और डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर द्वारा प्रदत्त संविधानिक अधिकारों के विषय मे कैडर के माध्यम से जागरूक कर रहा है तो उसकी टांग खिंचाई के बजाय उसकी हर प्रकार से मदद करनी चाहिये।

व्यापार मंडल अध्यक्ष का मनाया जन्मदिन

प्रयागराज। महिला व्यापार मंडल जिला अध्यक्ष रोशनी अग्रवाल का जन्मदिवस शनिवार को जिला कार्यालय पृथ्वी गार्डन पर मनाया गया जिसमे की चेयरमैन मनीष कुमार गुप्ता , जिलाध्यक्ष सुशांत केसरवानी ,जिला प्रभारी राजकुमार केसरवानी,उपाध्यक्ष सुशील जयसवाल सुशील शुक्ला प्रमुख रूप से उपस्थित रहे आज जन्मदिवस पर महिला जिलाध्यक्ष रोशनी अग्रवाल ने डेंगू से हो रही मौत को देखते हुवे किसी भी प्रकार का माला पहिनने और उपहार लेने से मना कर दिया और उन्होंने इस जन्मदिवस को सादगी से मनाते हुवे सभी का धन्यवाद दिया।

भाजपा किसान मोर्चा का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सहसों। भाजपा किसान मोर्चा का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम छत्रपति शिवाजी डिग्री कॉलेज सहसों में आयोजित हुआ जिसके प्रथम सत्र की अध्यक्षता भाजपा गंगापार जिला उपाध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह पटेल ने किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भाजपा जिलाध्यक्ष गंगा पार अश्विनी द्विवेदी ने 'भारतीय जनता पार्टी के इतिहास एवं विकास' के बारे में उपस्थित लोगों को विस्तार से बताया। द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता फूलपुर विधायक प्रवीण पटेल ने 'हमारा विचार और परिवार' विषय के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। तृतीय सत्र की अध्यक्षता काशी क्षेत्रीय महामंत्री मा.संतोष पटेल जी व वक्ता फाफामऊ विधायक मा. गुरु प्रसाद मौर्य जी रहे। चौथे व अंतिम समापन सत्र की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी गंगापार के महामंत्री पंडित जीत लाल त्रिपाठी व वक्ता के रूप में भाजपा किसान मोर्चा के काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष बाल कृष्ण पांडेय रहे। समापन सत्र में फूलपुर की यशस्वी सांसद केशरी देवी पटेल जी भी उपस्थित रहीं। पूरे कार्यक्रम की सफल योजना भाजपा किसान मोर्चा गंगापार के अध्यक्ष लक्ष्मीकान्त उपाध्याय के नेतृत्व में बनायी गई। इस मौके पर सभी पच्चीस मण्डल अध्यक्ष गण,महामन्त्री गण सहित जिले के सभी पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

बाइक ने मारी टक्कर बुजुर्ग की हालत गंभीर

माण्डा। मांडा क्षेत्र के आंधी में बाइक सवार ने टक्कर मार दी जिसमें रामचंद्र उपाध्याय पुत्र स्व स्वर्गीय आसाराम उपाध्याय जो कि प्लांटून कमांडर से एक वर्ष पहले रिटायर हुए थे रात लगभग 7:30 बजे बाइक सवार सिद्धार्थ सिंह निवासी नेवढिया थाना मेजा ने टक्कर मार दी जिसमें रामचंद्र का पैर दो जगहों से टूट गया व सर सर फट गया जिसको नजदीकी अस्पताल ले जाया गया लेकिन गंभीर अवस्था में होने के कारण शहर रेफर कर दिया गया। मौके पर दिघिया चौकी इंचार्ज आशीष सिंह ने बाइक को कब्जे में ले लिए हैं तहरीर प्राप्त होने पर कार्यवाही की जायेगी।

यातायात अभियान के क्रम में लगातार किया जा रहा जागरूक

थरवई। शनिवार को थाना थरवई प्रभारी निरीक्षक लोकेन्द्र त्रिपाठी द्वारा थाना क्षेत्र थरवई गोमती नंबर 40 निकट रेलवे क्रॉसिंग को पार करने वाले लोगों को रोककर अनावश्यक तरीके से फाटक को क्रॉस न करें नजर हटी दुर्घटना घटी के मन्त्र को याद कराया जिससे अप्रिय घटनाओं से बचा जा सके साथ ही रेलवे फाटक क्रॉस करने वाले आम जन मानस को यातायात सम्बंधित नियमों के बारे जागरूक करते हुए वाहनों को चलाते समय हेलमेट लगाकर ही ड्राइव करें के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु पुलिस टीम द्वारा पैदल गस्त करते हुए संदिग्ध वाहनों व संदिग्धों पर विशेष नजर रही वहीं कई वाहनों का ई चालान भी किया गया।

उमरे महाप्रबन्धक ने किया प्रयागराज छिवकी एवं नैनी स्टेशन का निरीक्षण

निरीक्षण

महाप्रबंधक ने अधिकारियों के साथ की बैठक

निरीक्षण करते उमरे महाप्रबंधक

प्रयागराज। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे, सतीश कुमार ने शनिवार को प्रयागराज छिवकी एवं नैनी स्टेशन क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान श्री कुमार ने प्रयागराज छिवकी एक बिल्डिंग, प्रयागराज छिवकी स्टेशन, यार्ड, गुड्स शेड, लेवल क्रासिंग गेट आदि का गहनता से निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक महोदय ने प्लेटफॉर्म पर यात्रियों को विक्रय हेतु खाद्य सामग्री की गुणवत्ता का भी जायजा लिया। आगे बढ़ते हुए क्रम में महाप्रबंधक महोदय द्वारा नैनी जंक्शन रेलवे स्टेशन का भी निरीक्षण किया गया तथा वहां उपलब्ध यात्री सुविधाओं एवं परिचालन व्यवस्थाओं का गहनता से निरीक्षण किया गया।

इस अवसर पर प्रयागराज मंडल के संकल्प सभागार में महाप्रबंधक महोदय की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया इस अवसर पर उपस्थित सभी शाखा अधिकारियों को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक महोदय ने कहा कि हम सभी को इनोवेटिव होना चाहिए और नियमों के तहत अपने आप को लिमिट नहीं करना चाहिए। अपने इनोवेटिव तरीकों को आगे बढ़ाने के प्रयास सदैव करते रहना चाहिए। बैठक के क्रम में महाप्रबंधक महोदय ने माल गाड़ियों की औसत स्पीड, लोडिंग परफॉर्मेंस, नॉन फेयर रेवेन्यू, कैटल रन ओवर, डिरेलमेंट, लेवल क्रॉसिंग, मंडल में चल रहे विभिन्न आधारभूत संरचना के कार्यों, स्वच्छता, यात्रियों से जुड़ी मूलभूत सुविधाओं सहित सभी विभागों से संबंधित गहन जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने समस्याओं के जड़ तक जाने और उन्हें दूर करने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने कहा कि वह वस्तु स्थिति को जानने के लिए समय समय पर औचक निरीक्षण करते रहेंगे और उन्हें ग्राउंड लेवल पर वास्तव में सुधार चाहिए न कि कागज पर। उन्होंने कर्मचारियों के समय से प्रमोशन और कर्मचारी कल्याण पर विशेष जोर दिया।

बैठक के प्रारंभ में सर्वप्रथम मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज मंडल मोहित चंद्रा ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रयागराज मंडल के बारे में विस्तृत जानकारी महाप्रबंधक महोदय को दी। बैठक के अंत में महाप्रबंधक महोदय ने मंडल रेल प्रबंधक के मार्गदर्शन में कार्य कर रही टीम को उत्तम प्रदर्शन के लिए बधाई दी और आगे भी इसी प्रकार के प्रदर्शन की आशा व्यक्त की। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक सामान्य प्रशासन श्री संजय सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक परिचालन अजय कुमार राय सहित मंडल के सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रयागराज महापौर की कुर्सी पर फिर एक बार खिलेगा कमल : नन्दी

प्रयागराज। नगर निकाय चुनाव 2022 की तैयारियों को लेकर पजावा रामलीला मैदान में आयोजित भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों व देवतुल्य कार्यकताओं की बैठक में उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी सम्मिलित हुए। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मण आचार्य ने की।

बैठक में सभी ने एक स्वर में वार्डों में बूथ स्तर पर कार्य करने एवं सभी प्रत्याशियों को विजयी बनाने का संकल्प लिया। निर्णय लिया गया कि पार्टी से जिसे भी टिकट मिले उसके लिए दिन रात कार्य करते हुए 100 में 100 सभी वार्डों में भाजपा प्रत्याशियों को विजयी बनाकर मिनी सदन में भेजना है। वहीं प्रयागराज में महापौर की कुर्सी पर फिर एक बार कमल खिलाना है। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मण आचार्य, माननीय सांसद श्रीमती केशरी देवी पटेल, माननीय सांसद श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी, प्रयागराज की महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नन्दी, माननीय विधायक शहर पश्चिमी सिद्धार्थनाथ सिंह, माननीय विधायक शहर उत्तरी हर्षवर्धन बाजपेयी, प्रदेश मंत्री श्रीमती अनामिका चौधरी, भाजपा प्रयागराज महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी, महानगर मंत्री कुंज बिहारी मिश्रा, महानगर उपाध्यक्ष अनिल केसरवानी जी एवं देवतुल्य कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

शिक्षा से बच्चों का होता है समुचित विकास : एडीजी प्रेम प्रकाश

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्राएं

समारोह

स्कूल ही एक ऐसा स्टेज होता है जहां से बच्चों को सीखने का मौका मिलता है और बड़ा होकर इंसान कुछ नही सीख पाता है : एडीजी

फाफामऊ। शांतिपुरम स्थित गुरुकुल मांटेसरी स्कूल मे वार्षिक समारोह दूसरे दिन स्कूल परिसर में धूमधाम से मनाया गया। वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में स्कूल के नन्हें मुन्हें बच्चों ने जमकर धमाल मचाया। वार्षिक उत्सव के मुख्य अतिथि एडीजी जोन प्रयागराज प्रेम प्रकाश रहें। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि ने एडीजी प्रेम प्रकाश ने कहा कि बच्चों को समुचित विकास विद्यालय से ही होता है। स्कूल ही एक ऐसा स्टेज होता है जहां से बच्चों को सीखने का मौका मिलता है और बड़ा होकर इंसान कुछ नही सीख पाता है। बच्चों के मां बाप भी परिवार में ऐसा माहौल दे कि बच्चें माहौल को और मां बाप से बिना कुछ बताए ही सीखते है। कार्यक्रम में विशिष्ट एसएसपी प्रयागराज शैलेंद्र पांडेय ने भी संबोधित किया। छोटे बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के नृत्य कठपुतली नृत्य, प्रेम चंद्र की कहानी, बूढ़ी काकी, कॉमेडी शो मदर्स डे एटीएल, स्काउट एंड गाइड, आदि अनूठी प्रस्तुति देकर लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि एडीजी प्रेम प्रकाश ने स्कूल में सत्र 2022 में अव्वल स्थान पाने वालों बच्चों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के चेयरमैन रिटायर डीआईजी कृपा शंकर सिंह ने किया। स्कूल के प्रधानाचार्य सर्वेश कुमार शर्मा ने विद्यालय की उपलब्धियां गिनाई। स्कूल के निदेशक वीरेंद्र सिंह सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। वार्षिक उत्सव समारोह में जिलाधिकारी प्रयागराज संजय कुमार खत्री, आरएएफ 101 बटालियन के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम, जिलाधिकारी नई दिल्ली अभिषेक कुमार सिंह, पीडीए के बीसी अरविंद सिंह चौहान, नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग, डीआईओएस पीएन सिंह, प्रबंधक प्रमिला सिंह, क्षितिज विक्रम सिंह, अलका अग्रवाल सहित भारी संख्या में छात्र और अभिभावक उपस्थित रहें।

व्यापारी नेता अखिलेश मिश्रा बने वरिष्ठ महामंत्री

अखिलेश मिश्रा

प्रयागराज। व्यापार मंडल के चेयरमैन मनीष कुमार गुप्ता की संस्तुति पर जिलाध्यक्ष सुशांत कुमार केसरवानी ने मेजा व्यापार मंडल के अध्यक्ष अखिलेश मिश्रा को जिला वरिष्ठ महामंत्री नियुक्त किया सुशांत केसरवानी ने बताया कि अखिलेश मिश्रा यमुनापार ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के भी अध्यक्ष है इनका व्यापारी राजनीत में लंबा इतिहास है इनके द्वारा लगातार व्यापारी हितों को लेकर संघर्ष किया जाता रहा है साथ ही साथ अभी तक श्री अखिलेश मिश्रा *अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला महामंत्री पद पर भी कार्य कर रहे थे जहां से इन्होंने इस्तीफा दे कर प्रयागराज व्यापार मंडल में पद ग्रहण किया है । इस अवसर पर मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा की पुरे जिले में आज प्रयागराज व्यापार मंडल ही निस्वार्थ व्यापारियों की सेवा कर रहा है इस संगठन से जुड़ कर पुरे जिले की समस्त बाजारों में मजबूत संगठन बनाया जाएगा श्री अखिलेश मिश्रा को बधाई देने वालो में संरक्षक राम जी केसरवानी, वरिष्ठ सलाहकार आनंद जी टंडन जिला प्रभारी राजकुमार केसरवानी, कृष्ण मोहन गुप्ता, सुरेश चौरसिया, जिला उपाध्यक्ष प्रशांत पांडे, बबलू केसरवानी जारी,अरविंद केसवानी लेडिहारी, दीप चंद्र जसरा, संजय अग्रहरी हंडिया, रंजीत केसरवानी शिवगढ़, अश्वनी जैन कोहडार, प्रमोद पटेल लालतारा, सुशील जयसवाल, रोशनी अग्रवाल, जूही श्रीवास्तव मुसाब खान अमन केसरवानी अन्नु केसरवानी शुभम शर्मा सुनीता चोपड़ा, शिखा खन्ना,उज्जवल टंडन आदि प्रमुख रूप से रहे।

छेड़खानी का विरोध करने पर महिला पर चापड़ से हमला

प्रयागराज। शहर के शिवकुटी मुहल्ले में एक महिला पर चापड़ से जानलेवा हमला कर दिया गया। गंभीर हालत में उसे स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन) में भर्ती कराया गया है। मुहल्ले के ही चार लोगों पर हमले का आरोप लगाया गया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। शिवकुटी मुहल्ले की रहने वाली एक महिला पर मुहल्ले के ही कुछ युवकों ने चापड़ से हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गई। शोरगुल सुनकर आरोपी भाग खड़े हुए। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और उसे एसआरएन में भर्ती कराया। महिला ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया कि मुहल्ले के ही चार लोगों के खिलाफ उसने कुछ समय पहले छेड़खानी का मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमा वापस लेने के लिए आरोपी उस पर हमेशा दबाव डाल रहे थे। ऐसा न करने पर उसके ऊपर जानलेवा हमला किया गया है।

प्रयागराज पुलिस की तरफ से चलाया गया यातायात जागरूकता अभियान

जागरूकता

नैनी के कई स्कूल में जागरूकता अभियान नैनी पुलिस ने चलाया

छात्र–छात्राओं को यातायात के नियमों के बारे में जानकारी देते हुए

प्रयागराज। नैनी पुलिस अधीक्षक यमुनापार सौरभ दीक्षित एवं क्षेत्राधिकारी करछना अजीत सिंह चौहान एवं नैनी थाना प्रभारी बृजेश सिंह एवं एस एस आई अजय कुमार सिंह और थाना नैनी की ओर से चलाए जा रहे यातायात माह के तहत आज गंगोत्री नगर चौकी इंचार्ज उपेंद्र तिवारी अपने क्षेत्र सेम स्टार स्कूल में /एवं नैनी छिवकी चौकी इंचार्ज संदीप यादव अपने क्षेत्र सरस्वती शिक्षा निकेतन स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान थाना नैनी महिला उपनिरीक्षक शालिनी सिंह ने छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया और यातायात नियमों के बारे में बताया रेड सिग्नल पर रुकना और दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करने, ट्रिपल राइडिग न करें, और निर्धारित गति में वाहन चलाने और फोर व्हीलर गाड़ी में सीट बेल्ट का प्रयोग करें और शराब का सेवन करके वाहन न चलाने को लेकर प्रेरित किया। तथा बिना लाइसेंस गाड़ी ना चलाएं क्योंकि आपका जीवन आपके परिवार के लिए बहुमूल्य है जिसके प्रति आपको आपके परिवार को रोड पर गाड़ी चलाते समय हमेशा ध्यान रखने योग्य नियमो के बारे मे जानकारी दी गई । प्रयागराज पुलिस हमेशा आपके साथ हर समय हर घड़ी इस मौके पर आरक्षी अभिषेक अवस्थी एवं नैनी थाना एसपीओ यूथ टीम प्रभारी एवं संचालक आशीष जायसवाल और अपनी टीम के साथ सौरभ नाथ प्रभात सिंह अंकित सिंह शुभम तिवारी नरेंद्र तिवारी पंकज यादव अंकित कनौजिया आकाश तिवारी सुशील शर्मा मौजूद रहे।

संक्षेप

विद्यालय में बूथ बनाने पर आपत्ति

कौशाम्बी। नगर पालिका के चुनाव के लिए समदा प्राथमिक विद्यालय को बूथ बनाया गया है। इसकी जानकारी होने पर इस बूथ में शामिल किए गए गांव के लोगों ने आपत्ति जताई है और नजदीक के किसी गांव में बूथ बनाने की मांग की है। नगर पालिका चुनाव के लिए समदा प्राथमिक विद्यालय को बूथ बनाया गया है। अब यहां फरीदपुर तरीपर गांव के लोग मतदान के लिए आएंगे। इसकी जानकारी होते ही इन गांवों के लोग खफा हो गए। उनका कहना है कि समदा अतिसंवेदनशील श्रेणी में शामिल है। यहां शांतिभंग की आशंका रहती है। इसको देखते हुए अधिकारी फरीदपुर को बूथ बनाएं ताकि चुनाव में शांति बनी रहे।

साथियों के साथ मिल अधेड़ की पिटाई

कौशाम्बी। कोतवाली के कादिराबाद गांव में शुक्रवार की शाम गंगा प्रसाद का पड़ोसी से पुराने विवाद को लेकर कहासुनी हो गई। इसके बाद पड़ोसी ने साथियों के साथ मिल अधेड़ को पीट दिया। ग्रामीणों के बीच-बचाव करने पर आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित ज्ञानेन्द्र समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

खस्ताहाल सड़क, आवागमन में दिक्कत

कौशाम्बी। नारा गांव से बभनपुरवा गांव को जाने वाली सड़क इन दिनों पूरी तरह से गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। सड़क पर गड्ढे हो गए हैं। इससे रात में साइकिल व बाइक सवार गिरकर चोटिल होते रहते है। आरोप है शिकायत के बाद भी सड़क की मरम्मत नहीं कराई जा रही है। लोगों ने स्थानीय प्रशासन से सड़क की मरम्मत की मांग की है।

विवाहिता से दुराचार का प्रयास

कौशाम्बी। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की विवाहिता शुक्रवार की शाम घर पर अकेली थी। बताया कि इसी दौरान मोहल्ले का युवक साथी के साथ पहुंचा। घर में अकेली देख उसके साथ दुराचार का प्रयास किया। विवाहिता के शोर मचाने पर आरोपितों ने उसकी पिटाई कर दी। इसके बाद धमकी देते हुए भाग निकले। देर शाम घर लौटे परिजनों को पीड़िता ने आपबीती बताई। शनिवार को पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

डेंगू का बढ़ता प्रकोप, खत्म हो रही हंसती खेलती जिंदगियां

डेंगू का कहर

चायल के वार्ड नंबर सात के सभासद ने भी शनिवार को लिया अंतिम सांस

डेंगू बुखार से पीड़ित होने पर परिजन प्रयागराज में करा रहे थे इलाज

सभासद की मौत के बाद गमजदा परिजन

चायल, कौशाम्बी। पिछले तकरीबन एक पखवारे पहले से पांव पसार चुका डेंगू बुखार खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। इस दौरान तमाम हंसती खेलती जिंदगियां मौत के काल में समाती जा रही हैं। शनिवार को भी चायल के एक सभासद ने प्रयागराज स्थित अस्पताल में अंतिम सांस लिया। पिछले कई दिनों से डेंगू बुखार का इलाज चल रहा था। ऐसे में आए दिन रही मौतों को लेकर जिले का आवागमन दहशत में दिखाई दे रहा है।

जिक्र करें तो चायल के वार्ड नंबर सात अजमतगंज के सभासद व चायल कस्बा निवासी राम आसरे कुशवाहा पुत्र सुंदर (45) तकरीबन एक सप्ताह पहले डेंगू की चपेट में आ गए। परिवार के लोग पहले उनका इलाज स्थानीय अस्पताल में कराया। हालांकि जब स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो अस्पताल के चिकित्सकों ने प्रयागराज ले जाने की सलाह दे दी। कहा जा रहा है कि सभासद रामआसरे का इलाज प्रयागराज में होने लगा, इसके बावजूद भी उनकी हालत में सुधार नहीं आया। शनिवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सबसे बड़ी बात उनके भाई राम सिंह की भी हालत गंभीर बनी है। उधर जैसे ही परिवार वालों को रामआसरे की मौत की खबर मिली कि मातम छा गया। इस तरह से आए दिन चायल सर्किल में भी डेंगू बुखार से हुई कई मौतों का गवाह बन चुका है। हालांकि क्षेत्रीय लोगों की बातों पर यकीन करें उनका आरोप है कि पहले से यदि अफसर गांवों में दवाओं का छिड़काव करा दिए होते तो शायद डेंगू बुखार इतना तेजी से पांव नहीं जमा पाता। इतना ही नहीं जिम्मेदारों की अनदेखी भरे रवैये के चलते गांव नगर में तैनात सफाई कर्मचारी भी अपने कार्यों को अंजाम न देकर सिर्फ खानापूर्ति करते हैं। शायद यही वजह है कि इन दिनों डेंगू बुखार से गांव हो या फिर कस्बा चहुंओर त्राहि का माहौल बना हुआ है। बहरहाल कुछ भी हो स्वास्थ्य विभाग डेंगू बुखार को लेकर जहां अलर्ट है वहीं गांव हो या फिर नगर दवाओं के छिड़काव के अलावा वहां पैनी निगाह भी रखे हुए है।

बुखार से पीड़ित छात्रा की हुई मौत

दु:खद

डेंगू बुखार की पुष्टि से इंकार कर रहा विभाग

दारानगर, टेढ़ीमोड़। कड़ा धाम थाना क्षेत्र के दारानगर कस्बे में बीमारी के चलते छात्रा ने दम तोड़ दिया। कस्बे के लोगों ने डेंगू की आशंका जाहिर की है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग डेंगू की पुष्टि होने से इंकार कर रहा है।

नगर पंचायत दारानगर कड़ा धाम के दारानगर कस्बा निवासी मानसी मौर्य कक्षा सात की छात्रा थी। परिजनों के मुताबिक दो दिन से उसे बुखार आ रहा था। जिसका उपचार कराया जा रहा था, शुक्रवार शाम को सुबह उसकी मौत हो गई है। बेटी की मौत के बाद घर में कोहराम मच गया। परिवार व मोहले वालों में डेंगू बुखार होने की चर्चा की जा रही है। जबकि कड़ा सीएचसी अधीक्षक डॉ मोहम्मद साउथ का कहना है। मृतक छात्रा में डेंगू की पुष्टि नहीं हुई है।

लापरवाही : जुर्माना की जद में आए सेक्रेटरी

कौशाम्बी। सिराथू ब्लॉक के शमसाबाद में तैनात रहे सेक्रेटरी के खिलाफ राज्य सूचना आयुक्त ने 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। साथ ही निर्देश दिया है कि सेक्रेटरी के वेतन से अर्थदंड की रकम वसूली जाए। कड़ा ब्लॉक के शमसाबाद में तैनात रहे सेक्रेटरी मनोज कुमार सोनी से गांव के ही एक व्यक्ति ने आरटीआई के तहत सूचना मांगी थी। सेक्रेटरी मनोज कुमार सोनी से आवेदक लगातार सूचना मांगता रहाए लेकिन सूचना नहीं दी गई। आवेदक ने अपील की। अफसरों लगातार निर्देश देते रहेए लेकिन सेक्रेटरी ने जानकारी नहीं दी। इसी बीच सेक्रेटरी का ट्रांसफर कोखराज ग्राम पंचायत में हो गया। आवेदक ने राज्य सूचना आयुक्त के यहां अपील की। मामले में जिम्मेदारों को तलब किया गया। इसको बाद भी सूचना देने में टालमटोल किया। इससे नाराज राज्य सूचना आयुक्त नरेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने सेक्रेटरी मनोज कुमार सोनी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। साथ ही निर्देश दिया कि सेक्रेटरी के वेतन से अर्थदंड की वसूली की जाए।

ओवरलोड की समस्या का समाधान न हुआ तो होगा आंदोलन : अजय सोनी

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी ने जिले भर में चल रही ओवरलोड की समस्या को लेकर जिला प्रशासन द्वारा समुचित कार्यवाही किए जाने की मांग की है अन्यथा जिला मुख्यालय मंझनपुर में आंदोलन करने की बात कही है। पार्टी नेता अजय सोनी ने इस संबंध में परिवहन विभाग, खनन विभाग, पुलिस प्रशासन समेत जिला प्रशासन को ओवरलोड की समस्या के समाधान के लिए समुचित कार्यवाही करने की मांग की है नही तो ओवरलोड की समस्या को लेकर आंदोलन करने की बात कही है।

अजय सोनी ने इस संबंध में बताया कि समूचे जनपद में बालू ढुलाई में ओवरलोड से सड़कें असमय जर्जर हो रही हैं और सड़क दुर्घटनाओं में लोग घायल हो रहे हैं। इतना ही नहीं बल्कि ओवरलोड के चलते कई बार लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है। अजय सोनी के मुताबिक पुलिस प्रशासन और परिवहन विभाग के जिम्मेदारों की मिलीभगत से जिले की कई सड़को से प्रतिदिन सैकड़ों ओवरलोड वाहन गुजरते हैं और उनपर कोई कार्यवाही नही होती। जबकि कई बार इस मामले में वीडियो भी वायरल हो चुका है। अभी हाल ही में उदहिन के पास नारा मोड़ पर टैंकर और ओवरलोड ट्रक की टक्कर में टैंकर चालक चुटहिल हुआ था और टैंकर एवं ट्रक के परखच्चे उड़ गए थे। साथ ही घण्टे भर से ज्यादा जाम लगने से आवागमन ठप्प रहा था और लोग परेशान थे। अजय सोनी के मुताबिक जिले की कई सड़को का यही हाल है और लोग बालू लदे ओवरलोड वाहन के चलते घायल और मर रहे हैं। साथ ही साथ सड़कें तय समय से पहले जर्जर हो रही हैं और संबंधित विभाग एवं प्रशासन खामोश है। अजय सोनी ने इस संबंध में जल्द ही ठोस कार्यवाही न होने पर जिला मुख्यालय मंझनपुर में धरना प्रदर्शन करने एवं प्रदेश सरकार को ज्ञापन भेजने की बात कही है।

अपराधी, लापरवाह पुलिस अधिकारी बदलेंगे अपनी कार्यशैली : एसपी

कार्यभार

शीतला दर्शन के बाद एसपी ने पुलिस कार्यालय में लिया जार्च

पुलिस कार्यालय में जवानों की सलामी लेते व अफसरों से परिचय प्राप्त करते नवागत एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव

कौशाम्बी। नवागत कप्तान ने दोआबा की कमान शनिवार को सभाल लिए। इस दौरान उन्होने कहा कि अपराधियों के खिलाफ अभियान चला कर कारवाई किया जायेगा। मठाधीश थानेदारों पर भी कारवाई किया जायेगा। सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य किया जायेगा। निकाय चुनाव को भी शांतिपूर्ण सम्पन्न कराया जायेगा।

पुलिस कप्तान हेमराज मीणा का शुक्रवार की रात लगभग दस बजे स्थानांतरण वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबा के पद पर हुआ। बृजेश कुमार श्रीवास्वत कानपुर में अपर पुलिस उपायुक्त के पद पर कानपुर में कमिश्नरेट से कौशाम्बी स्थानांतरण कौशाम्बी हुआ। शानिवार को बृजेश कुमार श्रीवास्तव कानपुर से कौशाम्बी के लिए रवाना हुए। वह सीधा कड़ाधाम स्थित मां शीतला के मंदिर पहुचे। जहा पर उन्होंने मां शीतला के दर्शन किए। इसके बाद वह कौशाम्बी के मंझनपुर मुख्यालय स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुचे। जहा पर उन्होंने गार्ड आफ आनर की सलामी लिया। इसके बाद पुलिस कप्तान ने अपर पुलिस कप्तान समर बहादुर सीओ सिटी योगेन्द्र कृष्ण नारायण, सीओ सिराथू डा. केजी सिंह व सीओ चायल तथा अतिरिक्त सीओ से परिचय प्राप्त किए। इसके बाद वह पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पहुच कर जिले की कमान सभाल लिए। जिले की कमान सभालते ही पुलिस कप्तान ने जिले भर के थानेदारों व चौकी प्रभारियों के साथ बैठक किए। बैठक के दौरान उन्होने सभी थानेदारों व चौकी प्रभारियों से परिचय प्राप्त किए। परिचय के बाद उन्होने सभी थानेदारों व चौकी प्रभारियों से कहा कि सरकार की मंशा के अनुसार कार्य करना है। गुण्डो और माफियों के खिलाफ अभियान चला कर कारखाई किया जाय। उन्होने यह भी कहा कि काफी दिनों से थानों की कुर्सियों को तोड रहे मठाधीश थानेदारों पर भी कारवाई किया जायेगा। उन्होने कहा कि ऐसे भी थानेदारों के खिलाफ कारखाई किया जायेगा, जो जिले में एक या दो चौकियों में रहेए और उनकी लगातार शिकायते मिलती रहीए इसके बावजूद उनको थानों की कमान सौंपा गया है। ऐसे अनुभव विहिन थानेदारों को पैदल कर दिया जायेगा। बहरहाल कुछ भी हो कौशाम्बी में पुलिस कप्तान ने कमान सभालते ही जिस प्रकार से तेवर दिखाया है, इससे साफ जाहिर हो रहा है, कि कई थानेदारों की कुर्सी खतरे में पड गई है।

देवीगंज बाजार का दो दिवसीय मेला सम्पन्न

मेला

आकर्षक झाकियां से सजा दिखाई दे रहा था मेला क्षेत्र

राम लक्ष्मण की झांकी का स्वागत करते लोग

कौशाम्बी। नगर पंचायत दारानगर कड़ाधाम के अंतर्गत देवीगंज बाजार में आयोजित होने वाला दो दिवसीय मेला शुक्रवार की रात सकुशल सम्पन्न हो गया। मेले के प्रथम दिन गुरवार को जहां भक्तिमय कार्यक्रम ने दर्शकों का मन मोहा वहीं दूसरे दिन शुक्रवार को आकर्षक चौकियों ने खूब वाहवाही बटोरी। दो दिवसीय मेले के दौरान पूरा कस्बा दूधिया रोशनी से जगमग रहा। मेले में सजे मीना बाजार में महिलाओं व बच्चों ने जमकर खरीदारी की साथ ही झूले का भी खूब आनन्द लिया। मेला कमेटी के संरक्षक वरिष्ठ भाजपा नेता अरुण केशरवानी ने श्री शिव चंडी हनुमान मंदिर में पूजा आरती करके मेले की शुरुवात की। मेले में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री मतेश चन्द्र सोनकर व विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के वरिष्ठ प्रांतीय महामंत्री रमेश अग्रहरि, जिला अध्यक्ष प्रवेश केशरवानी, युवा अध्यक्ष अरविंद केशरवानी व समाजसेवी पंकज केशरवानी मौजूद रहे। मेला कमेटी के सदस्यों द्वारा आए हुए अतिथियों को अंगवस्त्र व माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया। दो दिवसीय मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थानाध्यक्ष कड़ाधाम अभिलाष तिवारी सजग रहे। पुलिस बल मेला क्षेत्र में जगह-जगह तैनात रही। इस मौके पर मेला कमेटी के प्रमुख संरक्षक नियाज अहमद सिद्दीकी, अध्यक्ष रमेश साहू, प्रबन्धक रमेशचंद्र सोनकर, महामंत्री उमेश पटेल, कोषाध्यक्ष मोनू मोदनवाल, प्रकाशपाल, नीरज साहू, अंकित साहू, डॉ पीके सिंह, श्यामू अग्रहरि, सुमित साहू आदि लोग मौजूद रहे।

नवागत कप्तान शीतला दरबार में टेका मत्था

कौशाम्बी। शासन ने द्वाबा के पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल किया है। यहां कप्तान रहे हेमराज मीणा को हटाकर बृजेश कुमार श्रीवास्तव को तैनाती दी है। हालांकि नवागत एसपी शनिवार को चार्ज नहीं लिए लेकिन जिले में प्रवेश करने के बाद सबसे पहले वह भगवती शीतला का आशीर्वाद लेने पहुंचे। बता दें कि एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव शक्तिपीठ कड़ाधाम पहुंचे, जहां पर मन्दिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष उदय पांडेय व अन्य पदाधिकारियों ने उनको विधि विधान से पूजा कराया। इस मौके पर कड़ाधाम थानाध्यक्ष अभिलाष तिवारी, पूर्व महामंत्री पंडा समाज मोनू जवान, उपाध्यक्ष त्यागी महराज, उपमंत्री अमित कुमार व अन्य पंडा समाज के सम्मानित लोग मौजूद रहे।

मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में सपना ने मारी बाजी, राज्य के लिए चयनित

सपना पाल

कौशाम्बी। प्रयागराज जिले में शनिवार को हुई मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में कौशाम्बी जिले से दर्जनों बच्चों ने प्रतिभाग किया था। कुश्ती प्रतियोगिता में हनुमान इंटर कॉलेज अजुहा की छात्रा सपना पाल ने अव्वल आकर अपना चयन प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता के लिए कराया है। इसकी जानकारी होते ही कॉलेज एवं छात्रा के परिजनों में खुशी की लहर दौड़ गई। शिक्षकों एवं साथी छात्राओं ने सपना को प्रदेश स्तर पर चयनित होने के लिए बधाई एवं उसमें अव्वल आने के लिए शुभकामनाएं दी हैं। सिराथू तहसील के मेड़ीपुर मजरा कनवार गांव निवासी देवशरण पाल किसान हैं। उनकी बेटी सपना अजुहा कस्बे के हनुमान इंटर कॉलेज में कक्षा 12वीं की छात्रा है। वह कुश्ती में रूचि रखती है। पिछले दिनों स्पोर्ट्स स्टेडियम टेवा में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता कराई गई। इसमें कुश्ती प्रतियोगिता में सपना पाल ने जीतकर अपना चयन मंडल स्तर पर शनिवार को प्रयागराज में होने वाली प्रतियोगिता के लिए चयनित कराया। शनिवार को प्रयागराज में मंडल स्तरीय प्रतियोगिता हुई। इसमें भी सपना ने कुश्ती जीतकर अपना चयन प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता के लिए कराया है। प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित होने की जानकारी जैसे ही हनुमान इंटर कॉलेज अजुहा के अध्यापक सुनील कुमार पाल समेत अन्य शिक्षकों और सपना के परिजनों को हुई तो उनमें खुशी की लहर दौड़ गई। सपना का कहना है कि वह पुलिस विभाग में अधिकारी देश के नागरिकों की सेवा करना चाहती है।

सड़क हादसे में घायल की इलाज के दौरान मौत

कौशाम्बी। करारी के म्योहर के समीप आठ नवंबर को डंपर ने बाइक सवार को टक्कर मार दिया था। हादसे में युवक को गंभीर चोटें आई थी। उसे एसआरएन अस्पताल में भर्ती किया गयाए जहां उसने शनिवार को दम तोड़ दिया।

करारी के जाफरपुर महावा निवासी सौरभ पुत्र श्यामलाल प्रयागराज के झलवा में स्थित एक निजी अस्पताल में काम करता था। आठ नवंबर की रात को वह वापस गांव आ रहा था। रात में जैसे ही वह बाइक से म्योहर के समीप पहुंचा। डंपर ने उसे टक्कर मार दिया। हादसे में उसे गंभीर चोटें आई थी। जिला अस्पताल से उसे एसआरएन अस्पताल प्रयागराज रेफर किया गया था। जहां इलाज के दौरान शनिवार को सौरभ ने दम तोड़ दिया। इससे परिजनों में हाहाकार मचा हुआ है।

शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी आयोजित

कौशाम्बी। भरवारी स्थित कौशांबी प्रेसीडेंसी स्कूल एंड कॉलेज भरवारी एवं कौशांबी प्रेसीडेंसी स्कूल एंड कॉलेज भीटी में शनिवार को शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इस दौरान छात्रों के अभिभावकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

कौशांबी प्रेसीडेंसी स्कूल एंड कॉलेज भरवारी एवं कौशांबी प्रेसीडेंसी स्कूल एंड कॉलेज भीटी में नर्सरी के छात्र एवं छात्राओं के लिए एक बड़ा दिन था क्योंकि बच्चों के परीक्षा परिणाम का दिन था जिसे देखकर के बच्चे बहुत खुश और रोमांचित दिखे। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के चेयरमैन पूर्व विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता ने मां सरस्वती की पूजा अर्चना वंदना के साथ किया। आए हुए स्कूल के समस्त अभिभावकों का अभिवादन किया और शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी के माध्यम से अपने अभिभाषण में कहा कि शिक्षक समाज का आईना होता है और एक शिक्षित समाज की परिकल्पना केवल शिक्षक के द्वारा ही संभव होती है, यदि छात्र एवं छात्राओं को सफल होना है सफलता केवल कठिन परिश्रम और समर्पण के माध्यम से ही प्राप्त हो सकती है। सतत अभ्यास कठिन परिश्रम और समर्पण की भावना यदि किसी भी छात्र छात्रा के अंदर है सफलता उसके कदम चूमेगी। श्री गुप्ता ने कहा कि जिस प्रकार पहाड़ों से टूटकर पत्थर जब नदियों में गिरता है और लगातार नदियों के प्रवाह से पत्थर शालिग्राम देवता के रूप में समाज में पूजा जाता है जो पत्थर हथौड़ी की मार सह लेता है वही पत्थर मंदिरों में पूजे जाते है, अर्थात कहने का तात्पर्य है की सफलता के लिए सतत कठिन परिश्रम ही एकमात्र रास्ता है अभिभावक श्री गुप्ता के बातों को बहुत ही ध्यानपूर्वक सुनते रहे और मनन करते रहे और उनकी बातें इतनी प्रेरणादायक रही कि सामने उपस्थित दर्शक दीर्घा में जो भी अभिभावक थे उनकी आंखों में अश्रु की धारा थी और सभी एक स्वर में कह रहे थे कि आपके इस प्रकार के प्रेरणादाई भाषणों से अगर कोई भी आपके विचारों को अपने जीवन में उतार लेगा निश्चित तौर पर वह सफलता की नई ऊंचाइयों को छुएगा शिक्षा एक सेतु का कार्य करती है जोकि समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने का कार्य करती है साथ ही साथ किसी भी देश की आर्थिक व्यवस्था सामाजिक व्यवस्था में इसकी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है इस कार्यक्रम में संस्थान की डायरेक्टर श्रीमती सीमा पवार जी ने कहा कि शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन बच्चों के जीवन में आने वाली पढ़ाई संबंधी समस्याओं को दूर करना है और शिक्षक और अभिभावकों के बीच में सामंजस्य बैठाने का काम है इसके माध्यम से कोई भी अगर प्रॉब्लम आती है समस्याएं आती है उसका निराकरण इसी के माध्यम से संभव हो सकता है कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य रत्नाकर शर्मा, प्रकाश,सुशील त्रिपाठी, दीपक खरवार ऋषि कपूर शाह, मधुबन पटेल, हैदर अब्बास, रजत राम, प्रदीप कुशवाहा, नारायण तिवारी, केके सिंह आदि शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

नगरीय क्षेत्र के लिए नई पीएचसी का होगा संचालन

कौशाम्बी। भरवारी और मंझनपुर को नगर पालिका बनाया दिया गया है। नगर पालिका क्षेत्र के लोगों के लिए अब स्वास्थ्य विभाग नगरीय पीएचसी खोलने की तैयारी कर रहा है। फिलहाल यह पीएचसी अभी किराए के भवन में चलेगी। किराए के भवन की तलाश भी स्वास्थ्य विभाग ने शुरू कर दी है। नगर पालिका क्षेत्र के लोगों को सेहत की देखभाल के लिए स्वास्थ्य विभाग दो नई पीएचसी खोलने जा रहा है। यह अस्पताल नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के नाम से जाने जाएंगे। इन अस्पतालों में ओपीडी से लेकर अन्य सुविधाएं होंगी। सीएमओ डॉप सुष्पेंद्र कुमार ने अस्पताल खोलने की तैयारी शुरू कर दी गई है। भरवारी में पुलिस चौकी के समीप और मंझनपुर में ओसा के समीप नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोले जाएंगे। फिलहाल यह अस्पताल किराए के भवन में खुलेंगे। भवनों की तलाश की जा रही है। वर्ष 2023 मार्च तक इन अस्पतालों को चालू करने की प्रक्रिया तेज हो गई है।

पड़ोसियों ने महिलाओं को पीटा, शिकायत

कौशाम्बी। सैनी थाना क्षेत्र के ननसैनी गांव में शनिवार की सुबह पड़ोसियों ने विवाहिता व उसकी बहन को लाठी-डंडे से पीट दिया। बेहोश होने पर आरोपित भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिलाओं को अस्पताल में भर्ती करा दिया है। पुलिस ने पीड़ित परिवार से तहरीर लेकर मामले की तहकीकात शुरू कर दी है। ननसैनी निवासी श्रीराम मजदूर है। बताया कि शनिवार की सुबह वह देवीगंज गया था। घर पर उसकी पत्नी सुमन व साली सैना घर पर अकेली थी। इसी दौरान पड़ोसी परिजनों के साथ उसके घर पर आ गया। घर में मौजूद पत्नी व साली को लाठी से पीटकर लहूलुहान कर दिया। महिलाओं को बेहोश देख आरोपित भाग निकले। मोहल्ले के लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने घायल महिलाओं को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराते हुए पीड़ित से तहरीर लेकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

चायल नगर पंचायत के रैनबसेरा का हाल बेहाल

तालाब में तब्दील नगर पंचायत का रैन बसेरा अनदेखी का शिकार

चायल, कौशांबी। अतिथियों को ठहरने के लिए बेहतर सुविधा हो इसके लिए शासन ने चायल नगर पंचायत अंतर्गत मोटी रकम खर्च कर रैन बसेरा का निर्माण कराया। लेकिन अनदेखी के चलते यह रैन बसेरा इन दिनों तालाब में तब्दील होता नजर आ रहा है। ऐसे में क्षेत्र के बुद्धिजीवियों की बातों पर यकीन करें तो कहा जा रहा है कि सरकार के धन का दुरुपयोग हो रहा है। जबकि यदि नगर पंचायत के रजिस्टर में रैन बसेरा का हालात देख लिया जाए, तो वह पूरी तरह एकदम फिट है। हालांकि बुद्धिजीवियों ने इस ओर जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराया है।

संक्षेप

महिला की पिटाई में दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा

लालगंज। सब्जी का पैसा मांगने पर महिला की पिटाई में दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। लालगंज कोतवाली के जैनपुर निवासी गीता देवी कोरी पत्नी विजय कोरी ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि गांव के पवन कुमार पुत्र शंभू नाथ व लक्ष्मण पुत्र गजराज ने बीती आठ नवंबर को शाम साढ़े सात बजे सब्जी का पैसा मांगने पर उसे जमकर मारापीटा। आरोपियों ने सब्जी की दुकान के पास रखे सामान भी क्षतिग्रस्त कर दिया। पीडिता की शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मारपीट, जानलेवा धमकी व तोड़फोड़ के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। कोतवाल कमलेश कुमार पाल ने बताया कि तहरीर मिली है, मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ जांच की जा रही है।

निधन पर शोक जताया

प्रतापगढ़। बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी की बैठक भंगवा चुंगी स्थिति कृष्णा लाज में हुई। जिसमें ग्रुप के सहयोगी सोशल एक्टिविस्ट सर्वेद गुप्ता की माता के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। दो मिनट का मौन रखकर आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। अश्वनी केसरवानी, राजकुमार मोदनवाल, वीके तिवारी, मोहम्मद अनीश, अनुज शुक्ला सहित कई साथियों ने शोक जताया है।

छात्रों से भरी ऑटो पलटी, ग्यारह घायल, दो गंभीर

हादसा

संगम चैराहे पर हुई दुर्घटना, हादसे के बाद घटनास्थल से लेकर अस्पताल तक मची अफरातफरी

हादसे के बाद मौके से भाग निकला ऑटो चालक

लालगंज में हुए हादसे के बाद अस्पताल में घायल छात्र व हादसे के बाद क्षतिग्रस्त आटो

लालगंज। नर्सिंग की छात्राओं को लेकर आ रही तेज रफ्तार आॅटो अनियंत्रित होकर पलट गयी। हादसे में ग्यारह छात्र-छात्राएं घायल हो गयी। दो छात्राओं की हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। छात्राओं के अस्पताल पहुंचने पर अफरातफरी देखने को मिली। जानकारी पर पुलिस व छात्राओं के बिलखते परिजन भी पहुंच गये।

लालगंज स्थित सरस्वती विद्या मंदिर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में नर्सिंग की छात्र-छात्राएं अवकाश के बाद घर जाने के लिए आटो से निकली थी। बताया जाता है कि आटो में क्षमता के अधिक छात्र बैठे थे। इस बीच तेज गति आटो संगम चैराहा के समीप सामने बाइक आ जाने से अनियंत्रित हो गयी। अनियंत्रित आटो रोड किनारे खडी एक कार से टकराते हुए पलट गयी। हादसे में देउम पश्चिम निवासी रूबी (22), रानीगंज निवासी अभिषेक केसरवानी (22), मो. अलीम (22) निवासी रेहुआ लालगंज, कैथौला के सक्षम सिंह (24), शिवगढ़ की सरिता सरोज (22), किठावर की सुषमा देवी (22), भोर्इ का पुरवा की रोशनी सरोज (22), टिकैतिनपुर की पूजा सरोज (23), आजाद नगर के अंजली गौतम (24), रानीगंज की कोमल पटेल (23) व विद्या देवी (22) घायल हो गये। घटना की जानकारी पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. अमित कुमार सिंह व शिक्षक आननफानन मे मौके पर पहुंचे और घायल छात्राओं को स्थानीय लोगों की मदद से उपचार के लिए लालगंज ट्रामा सेण्टर पहुंचवाया। लहूलुहान दर्जन भर छात्रों के अचानक ट्रामा सेंटर पहुंचने पर अफरातफरी मच गयी। चिकित्सको व स्वास्थ्यकर्मियों ने घायलों को उपचार के लिए भर्ती किया। प्राथमिक उपचार के साथ ही गंभीर रूप से घायल छात्रो का एक्स-रे कराया गया। सूचना पर लालगंज कोतवाली की फोर्स के साथ अस्पताल पहुंचे और घटना के बाबत जानकारी ली। छात्राओं ने बताया कि हादसे के बाद आटो चालक मौके से भाग निकला। उधर घटना मे गंभीर रूप से घायल छात्रा सरिता व कोमल को जिला अस्पताल रेफर किया गया है अन्य घायल छात्रों का ट्रामा सेंटर मे उपचार जारी है। इस बारे में क्षेत्राधिकारी रामसूरत सोनकर ने बताया कि आरोपी आटो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेजा जाएगा। चिकित्सकों से बातचीत कर घायल छात्रों के समुचित इलाज की व्यवस्था करायी गयी है।

क्षय रोग के बारे में ग्रामीणों को किया गया जागरूक

लालगंज। सांगीपुर विकासखण्ड के पूरे रांकी गांव में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के तत्वाधान में टीबी को लेकर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। टीबी यूनिट इंचार्ज अनुभव शुक्ला ने ग्रामीणो को टीवी से निजात व बचाव को लेकर जरूरी जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों को टीवी रोग के लक्षणो को लेकर भी जागरूक किया। उन्होने बताया कि सांगीपुर सीएचसी मे राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत निशुल्क जांच होगी। जिन रोगियों मे टीवी की पुष्टि होगी उन्हें निक्षय पोषण योजना के तहत सरकार की ओर से पांच सौ रुपए पोषण हेतु प्रदान किया जाएगा।

गर्भवती को पड़ोसियों ने पीटकर किया घायल

पट्टी। दवा लेकर घर पहुंची गर्भवती को पड़ोसियों ने लाठी-डंडे से पीटकर घायल कर दिया। छोटे-छोटे बच्चों को लेकर विवाहिता थाने पहुंची और गंभीर आरोपों की तहरीर दी है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के जलालपुर गांव की रहने वाली नीला देवी पत्नी विनोद कुमार पांडे ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि शनिवार की दोपहर करीब 12 बजे दवा लेकर वह पट्टी से घर पहुंची तो विपक्षी एक राय होकर उसे लाठी डंडे से पीटने लगे। जिससे उसके गर्भ में पल रहे बच्चे को भी चोटें आई हैं। घायल महिला पट्टी कोतवाली पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है। घायल महिला को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है।

ब्लॉक स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

क्रीड़ा प्रतियोगिता में मंचासीन अतिथिगण

पट्टी। नगर के समीप तरदहा में ब्लॉक स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राजेंद्र प्रताप सिंह मोती सिंह ने मौजूद लोगों को संबोधित किया। शिक्षा विभाग की तरफ से आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह मोती सिंह का सबसे पहले पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। दीप प्रज्वलन तथा मां सरस्वती वंदना के बाद आए हुए अतिथियों का अभिनंदन किया गया। बीरपुर खुर्द की छात्राओं जान्हवी आंचल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। खेल का उद्घाटन पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह ने ध्वज फहराकर किया। छात्र छात्राओं को सामूहिक गार्ड ऑफ ऑनर तथा पीटी कराई गई। लोगों को संबोधित करते हुए मोती सिंह ने कहा कि आज के समय में खेलों का महत्व हमारे जीवन में बहुत अधिक है सभी को खेलों को बढ़ावा देना चाहिए। मुख्य रूप से विशिष्ट अतिथि राकेश कुमार सिंह (पप्पू सिंह,) खंड शिक्षा अधिकारी पट्टी गुलाब चंद्र, अजय जायसवाल, पन्ना लाल यादव , कौशलेंद्र, संजय सिंह, पप्पू गुप्ता बालमुकुंद ओझा, सर्वेश कुमार मिश्रा, राम महेश पांडे, महेंद्र दुबे, नगर अध्यक्ष खेदन लाल जायसवाल, राजेश दुबे, विपिन सिंह, पूर्व नगर अध्यक्ष जुग्गी लाल जायसवाल, रामआसरे शुक्ला, परशुराम ओझा, विनोद पांडे,राम चरित्र वर्मा, बुदुल सिंह, विपिन सिंह ,सौरभ सिंह, शिवप्रसाद सिंह ,अनिल तिवारी, अशोक श्रीवास्तव, राजा अर्जुन प्रताप सिंह, अवधेश सिंह,राजू सिंह, अशोक जायसवाल,लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सर्वेश मिश्रा ने किया।

प्रमोद तिवारी ने सौंपी लालगंज नगरीय क्षेत्र को करोड़ों की विकास योजनाओं की सौगात

लोकार्पण

नगर पंचायत कार्यालय भवन, पार्क तथा विक्टोरिया लाईट समेत इण्टरलाकिंग, मार्गो, पेयजल परियोजनाओं का भव्य लोकार्पण

नगर पंचायत द्वारा निर्मित कराए गए पार्क का लोकार्पण करते सांसद प्रमोद तिवारी

लालगंज। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने शनिवार को स्वयं तथा क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना की ओर से लालगंज नगर पंचायत में लाखों की लागत से नव निर्मित आई लव लालगंज पार्क तथा नगर के अत्याधुनिक विद्युत प्रकाश व्यवस्था के तहत विक्टोरिया लाइट की भव्य समारोह में नगरवासियों को बडी सौगात सौपी। वहीं राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी तथा एमएलसी उमेश द्विवेदी ने कार्यक्रम स्थल से ही नगर पंचायत के नवनिर्मित कार्यालय भवन समेत विकास से जुड़ी अन्य विविध परियोजनाओं का भी एकमुश्त लोकार्पण किया। रंग बिरंगे फव्वारायुक्त खूबसूरत पार्क व आकर्षक विक्टोरिया लाइट की सौगात मिलने पर कार्यक्रम में मौजूद बड़ी संख्या मे नगरवासियों के चेहरे खिल उठे। शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी की मौजूदगी में प्रमोद तिवारी ने नेशनल हाइवे लखनऊ वाराणसी पर स्थित ट्रामा सेण्टर के सामने पार्क का लोकार्पण करते हुए कहा कि इस हरे भरे सुसज्जित पार्क के निर्मित हो जाने से लालगंज नगर में जनसुविधा तथा विकास का वातावरण भी सुदृढ़ होगा। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना का मजबूत प्रयास है कि लालगंज को हर जरूरी प्रशासनिक सेवा का केंद्र बनाए जाने के साथ यहां शिक्षा तथा स्वास्थ्य एवं पेयजल व मार्गो का सुसज्जीकृत ढांचा इसे दूरगामी उज्ज्वल विकास के केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके। उन्होनें नगर पंचायत अध्यक्ष अनीता द्विवेदी के द्वारा भी नगरीय विकास को योजनाबद्ध प्रभावी बनाए जाने मे किये जा रहे अथक प्रयासों की भी जमकर सराहना की। प्रमोद तिवारी ने कहा कि लालगंज को आदर्श नगर पंचायत का भव्य स्वरूप देने के लिए उनके द्वारा भी मिशन को लगातार मजबूती प्रदान की जाती रहेगी। सांसद प्रमोद तिवारी ने नगर के लोगों से यहां शांति तथा विकास के इस खूबसूरत वातावरण को मजबूती देने के लिए रचनात्मक सहयोग जारी रखने का आहवान किया। विशिष्ट अतिथि शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी ने अपने संबोधन में लालगंज नगर के विकास में मिलजुल कर योगदान ही यहां के विकास की सर्वश्रेष्ठता है। अध्यक्षता करते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष अनीता द्विवेदी ने कार्यदायी संस्था द्वारा निर्मित कराए गए पार्क की बहुउददेश्यीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होनें नगरीय विकास की योजनाओं को यहां क्रियान्वित कराए जाने के लिए क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना के योगदान को अहम ठहराया। कार्यक्रम का संयोजन चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी व संचालन अधिवक्ता ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। आभार प्रदर्शन अधिशाषी अधिकारी पदमजा मिश्रा ने किया। इसके पूर्व नगर में कई योजनाओं के शुभारंभ को लेकर यहां पहुंचे सांसद प्रमोद तिवारी का बड़े हनुमान जी मंदिर के समीप व विभिन्न विद्यालयों के सामने भी लोगों द्वारा जोरदार स्वागत देखने को मिला। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह पंकज, सभासद करूणाशंकर द्विवेदी, सभासद सोनू शुक्ला, छोटेलाल सरोज, शैलेन्द्र मिश्र, विकास मिश्र आदि रहे।

राजीव गांधी के कातिलों को आजाद करना दुर्भाग्यपूर्ण : प्रमोद तिवारी

प्रतापगढ़। भाजपा के केन्द्रीय शासन काल में गैरभाजपा सरकारों के साथ राज्यपालों द्वारा अपने संवैधानिक दायरों से बाहर आचरण किया जा रहा है, यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। उक्त बातें शहर के राजा प्रताप बहादुर पार्क में मीरा हॉस्पिटल का उद्घाटन करने पहुंचे राज्यसभा प्रमोद तिवारी ने कही। कहा कि जब से भाजपा की सरकार आयी है केरल, तमिलनाडु, दिल्ली व झारखण्ड सहित गैर भाजपा सरकारों को बीजेपी के इशारे पर वहां राज्यपालों द्वारा निर्वाचित सरकारों को अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन नहीं करने दिया जा रहा है। उन्होनें कहा कि प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति को चाहिए कि संविधान की रक्षा के लिए प्रदेश के राज्यपालों को ऐसी नसीहत दें कि वह निर्वाचित प्रदेश सरकारों को अस्थिर न कर सकें और अनावश्यक बयानबाजी न करें, जिससे निर्वाचित सरकारें जनहित में निर्बाध रूप से कार्य कर सकें। वहीं भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की निर्मम हत्या को लेकर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उनके कातिलो को आजाद करने के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। श्री तिवारी ने कहा कि राजीव गांधी के नेतृत्व में भारत ने कम्प्यूटर युग में कदम रखा था। उन्होने कहा कि राजीव गांधी का कसूर सिर्फ इतना था कि उन्होनें तमिलनाडु और श्रीलंका के जाफना सहित कुछ हिस्सों को मिलाकर एक पृथक राष्ट्र बनने का विरोध किया था। इसी के चलते देश की एकता व अखण्डता की रक्षा करते हुए राजीव गांधी ने सर्वोच्च बलिदान भी दिया था। डा. नीरज त्रिपाठी, पं. श्याम किशोर शुक्ल, जिलाध्यक्ष डा. लालजी त्रिपाठी,मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ल, कपिल द्विवेदी, डा. प्रशांत देव शुक्ल,दानिश माबूद, इरफान अली, महेन्द्र शुक्ल आदि रहे। इसके पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर कार्यकताओं ने स्वागत किया। वहीं हॉस्पिटल के संचालक समाजसेवी हलीम खान ने बताया कि मीरा हॉस्पिटल अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं से सुसज्जित है। आईसीयू, वेंटीलेटर, दूरबीन विधि से ऑपरेशन, डायलेसिस जैसी सुविधाओं के साथ चैबीस घंटे की आकस्मिक चिकित्सा सेवा मिलेगी। डा.ए.सी त्रिपाठी, डा. प्रज्ञा पाण्डेय, डा. वाई सिंह आदि उपस्थित रहे।

स्कूल में छात्र-छात्राओं ने लगाई प्रदर्शनी

पट्टी। सी एस पब्लिक स्कूल में विद्यालय के होनहार छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शनी लगाई । इस प्रदर्शनी के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया जिसकी सराहना प्रदर्शनी में उपस्थित लोगों ने की। पट्टी इलाके के मगरौरा स्थित चंपा सिंह मेमोरियल पब्लिक स्कूल के होनहार छात्र छात्राओं ने विज्ञान वर्ग, पर्यावरण, स्टेडियम, किसान का घर, विद्यालय भवन, हाईवे सिक्स लेन, समेत अलग-अलग वर्ग की प्रदर्शनी लगाई। इस प्रदर्शनी को तैयार करने में बच्चों का सहयोग है विद्यालय के शिक्षकों द्वारा भी किया गया। विद्यालय के प्रबंधक विवेक सिंह के संरक्षण में इस प्रदर्शनी को तैयार करने में हफ्ते भर से बच्चे लगे थे। जिसको देखने के लिए बच्चों के अभिभावक व इलाके के तमाम संभ्रांत लोग पहुंचे और बच्चों की कृतियों को देखकर वह उनकी प्रशंसा करते हुए नजर आए। प्रदर्शनी को तैयार करने में केसरी नंदन, दिलशाद, ऋषभ, सलमान, अंकुश, लव कुश, दीक्षा मान्य समेत तमाम बच्चों ने प्रतिभाग किया। बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए विद्यालय के प्रिंसिपल मरियम टी वर्गिस, श्रवण, सोहेल, मधु समेत शिक्षिकाओं ने अपना योगदान प्रदान किया।

थाना समाधान दिवस में आयीं ग्यारह शिकायतें दो का निस्तारण

लालगंज। स्थानीय कोतवाली में थाना समाधान दिवस का शनिवार को आयोजित किया गया। कोतवाल कमलेश पाल के संयोजन मे आयोजित थाना समाधान दिवस मे ग्यारह फरियादियों ने शिकायतें दर्ज करायीं। इनमें से दो शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। शिकायतों मे राजस्व से सम्बन्धित प्रार्थना पत्र सर्वाधिक रहे। कोतवाल ने समस्याओं की सुनवाई करते हुए फरियादियों को त्वरित राय दिये जाने के लिए राजस्व व पुलिसकर्मियों को मिलकर काम करने की नसीहत दी। इस मौके पर राजेश कुमार, अनीस कुमार यादव, योगेन्द्र सिंह, शिशिर पटेल, केशव प्रसाद, प्रेमवीर सिंह, महेश चैधरी आदि मौजूद रहे।

मोटे अनाज का प्रयोग न करना बना रहा रोगी : प्रो.मनीष

मुख्य अतिथि का अभिनन्दन करते प्राचार्य एवं उपस्थित छात्र – छात्राएं

संगोष्ठी

पीबीपीजी कालेज में मोटे अनाज का प्रयोग और महत्ता विषय पर आयोजित हुई संगोष्ठी

प्रतापगढ़। प्रताप बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रतापगढ़ सिटी के वनस्पति विज्ञान विभाग में मोटे अनाज का प्रयोग और महत्ता विषय पर संगोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे कुलभास्कर आश्रम प्रयागरज के प्रो.मनीष कुमार ने मोटे अनाज की महत्ता के बारे में छात्र छात्राओं को विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि भारत देश में हरित क्रांति के बाद मोटे अनाज की उपलब्धता कम हो गई। चावल,गेहूं उत्पादन की कृषि में प्रधानता रही, जिसके कारण लोग संतुलित भोजन में चावल, गेहूं की मात्रा ज्यादा से ज्यादा लेने लगे और मोटे अनाज जौ, बाजरा का उपयोग न्यून मात्रा में होने लगा। जिसके कारण लोग डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियों का शिकार होने लगे मोटे अनाजों में बाजरा में 7 प्रतिशत वसा पाया जाता है, जो मनुष्य के शरीर में पौष्टिकता प्रदान करता है।अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो.अमित कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि प्राचीन काल से ही भारत देश कृषि प्रधान देश रहा है और प्राचीन काल में कृषि उत्पादन क्षमता तो कम थी लेकिन मोटे अनाज जौ,बाजरा, चना आदि का उत्पादन बड़े पैमाने पर होता था,यही मुख्य आहार था जिसके कारण लोगों को पौष्टिक भोजन आसानी से मिल जाता था और लोग निरोगी जीवन व्यतीत करते थे। संचालन विभागाध्यक्ष वर्षा जायसवाल ने किया। प्रो. ब्रह्मानंद प्रताप सिंह, डॉ धर्मेंद्र प्रताप सिंह, रांची सिंह, नन्हे मौर्य, दीपक कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

समारोह पूर्वक बुजुर्गों को किया सम्मानित

प्रतापगढ़। नवसृजित नगर पंचायत हीरागंज में भाजपा नेता अभय प्रताप सिंह पप्पन ने शनिवार को बुजुर्गों को समारोह आयोजित सम्मानित किया। कार्यक्रम में पधारे भारतीय जनता पार्टी के प्रतापगढ़ जिला अध्यक्ष हरिओम मिश्रा को पुष्पमाला अर्पित कर अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा नेता पप्पन सिंह जुझारु एवं कर्मठशील नेता है। सदैव जरूरतमंदों की मदद के लिए उपलब्ध रहते हैं। वार्ड संयोजक श्याम सुंदर लाल, छोटेलाल, हीरालाल,ओम प्रकाश,दारा सिंह, नागेश बहादुर सिंह, बलभद्र पाल राजेंद्र प्रसाद, अशर्फी लाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र तिवारी, मंडल अध्यक्ष अमरजीत सिंह को सम्मानित किया। वहीं क्षेत्र की बुजुर्ग महिलाओं को सम्मानित किया गया।

भगवान राम और भाई भरत के आदर्शो से लें प्रेरणा : कमलनयन दास

भक्तों को रामलीला का प्रसंग सुनाते कमल नयन दास

प्रतापगढ़। अयोध्या से चल कर चित्रकूट जाने वाली श्री भरत यात्रा का शुक्रवार को शनिदेव धाम पर पहुंचने धाम के महंत मंगलाचरण महराज की अगुवाई में जोरदार स्वागत किया। इस दौरान पूरा वातावरण जय श्रीराम के जयकारे से गूंज उठा।

भरत यात्रा की अगुवाई कर रहे कमल नयन दास ने कहा कि आज समाज में विषमताएं व्याप्त है। जमीन के टुकड़े के लिए भाई - भाई का दुश्मन बन रहा है। हम सभी को प्रभु श्रीराम के जीवन का अनुकरण करना चाहिए। प्रभु श्री राम के आदर्श से प्रेरणा मिलती है। अयोध्या जैसे संपन्न राज्य को पिता की आज्ञा पर राज्याभिषेक के अवसर पर राष्ट्र रक्षा के लिए त्याग दिया और वन को प्रस्थान कर गए। एक भाई भरत जी है जो मिले हुए राज्य को अपने बड़े भाई श्री राम के चरणों में समर्पित दिया। श्रीराम और भरत से प्रेरणा लेकर समाज में व्याप्त विषमताओं को दूर किया जा सकता है। कमल नयन दास ने कहा कि राष्ट्र से बड़ा कोई नहीं है। अगर देश सुरक्षित रहेगा तो हम सब भी सुरक्षित रहेंगे। अभी हाल में अफगानिस्तान को देखा है। देश को आजाद होने के बाद आबादी के हिसाब से पाकिस्तान को जमीन भी ज्यादा दी गई, मगर आज उनकी हरकतों से आज पूरा देश परेशान है। सामान नागरिक संहिता बहुत जरूरी है। इस अवसहर पर विमल दास महराज, राम शरण दास, आस्था व्यास , कौशलेंद्र सिंह, भगवान सिंह सहित 260 भरत यात्री मौजूद रहे। भरत यात्रा के संस्थापक प्रभुदत्त ब्रह्मचारी रहे। उनके बाद मणिराम छावनी के महंत नृत्यगोपाल दास जी महाराज देखरेख करते रहे। यह पचासवीं भरत यात्रा है। 10 नवंबर को मणिराम छावनी से शुरू होकर नंदी ग्राम, भरत कुंड, सीता कुंड सुल्तानपुर, शनिदेव धाम, श्रृंगवेरपुर धाम, प्रयागराज, रामघाट होते हुए चित्रकूट पहुंचेगी। 13 नवम्बर को कामद गिरि परिक्रमा के बाद भरत मिलाप होगा। 14 को चित्रकूट से वापस अयोध्या लौटेगी।

ट्रैक दोहरीकरण के चलते साढ़े तीन घंटा ब्लाक रहा रेल मार्ग

मरम्मत कार्य

चिलबिला में काशीविश्वनाथ, अंतू में पंजाबमेल, प्रतापगढ़ में पद्मावत और मिश्रौली में खड़ी रही इंटर सिटी एक्सप्रेस

प्रतापगढ़। अंतू से जगेशरगंज के बीच ट्रैक दोहरीकरण का कार्य चल रहा है। जगेशरगंज में ट्रैक बिछाए जाने का कार्य शनिवार को चल रहा था। इसके चलते कार्यदायी संस्था ने दोपहर ढाई बजे से शाम छह बजे तक ब्लाक ले रखा था। इसके चलते पांच ट्रेनें अलग-अलग स्टेशन पर रोक ली गई थी। इससे यात्रियों को परेशान होना पड़ा।

लखनऊ-प्रतापगढ़ रेल मार्ग पर स्थित अंतू से प्रतापगढ़ के बीच दिसंबर तक ट्रैक दोहरीकरण का कार्य पूर्ण करना है। कार्यदायी संस्था ने शनिवार को अंतू से जगेशरगंज स्टेशन के बीच ट्रैक दोहरीकरण का कार्य कराया। इस दौरान दोपहर ढाई बजे से शाम छह बजे तक ब्लाक ले रखा था। ब्लाक के चलते वाराणसी से नई दिल्ली को जाने वाली काशीविश्वनाथ एक्सप्रेस को चिलबिला जंक्शन तो पद्मावत एक्सप्रेस को प्रतापगढ़, पंजाबमेल को अंतू और इंटरसिटी एक्सप्रेस को मिश्रौली और एक मालगाड़ी प्रतापगढ़ जंक्शन पर तो दूसरी अमेठी में खड़ी रही। इससे यात्रियों को परेशान होना पड़ा। ब्लाक खत्म होने के बाद पहले इंटरसिटी को चलाया गया। इसके बाद पंजाबमेल को प्रतापगढ़ लाया गया। फिर कहीं जाकर पद्मावत एक्सप्रेस को आगे बढ़ाया गया। एसएस जगेशरगंज रंजीत मिश्र ने बताया कि ब्लाक के चलते ट्रेनों का ठहराव करना पड़ा। अंतू से जगेशरगंज के बीच ट्रैक दोहरीकरण का कार्य पूर्ण हो गया है।

अद प्रदेश अध्यक्ष की पत्नी की मनी पुण्यतिथि

प्रतापगढ़। नगर के पूरे ईश्वरनाथ में शनिवार को अपना दल एस के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार पाल की पत्नी समाजसेविका दिवंगत राज कुमारी पाल की चैथी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किया गया। श्रद्धांजलि सभा में अपना दल एस के नेताओं के अलावा तमाम लोगों ने दिवंगत प्रधान राज कुमारी पाल के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।श्रद्धांजलि सभा में आये जरूरतमन्दो को अपना दल एस के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार पाल ने कंबल वितरित किया।राज कुमार पाल ने कहा कि राज कुमारी पाल का जीवन जरूरतमंदों को समर्पित रहा। आज मैं जो कुछ भी हूँ वह पत्नी की प्रेरणा हैं। श्रद्धांजलि सभा में अधिवक्ता परमानंद मिश्र,अशोक कुमार पाल, कुंदन पाल, पूर्व ग्राम प्रधान प्रियंका पाल,हरि मंगल पाल,अधिवक्ता शिवेश शुक्ल, ओम प्रकाश पटेल, श्याम जी मौर्य,राम बहादुर, संदीप, जवाहर पाल,नन्हे पाल, सुनील पटेल प्रधान,राम सिंह यादव,राम बरन वर्मा आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला।

अज्ञात चालक व लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने का केस

लालगंज। कोतवाली के पूरे टीकाराम निवासी हरिहर प्रसाद के पुत्र संदीप कुमार ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि शनिवार की सुबह सरस्वती इण्टर कालेज के समीप उसकी बाइक में अज्ञात मैजिक डाला ने टक्कर मार दी। हादसे मे बाइक क्षतिग्रस्त हो गयी और संदीप भी चुटहिल हो गया। पीडित की शिकायत पर अज्ञात चालक के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

जनसंपादकीय

पृथ्वी की रक्षा हमारा धर्म

पृथ्वी का अस्तित्व संकट में है। पर्यावरण विश्व बेचैनी है। भारत में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण चिंताजनक है। प्रातः टहलने वाले लोग प्रदूषित वायु में सांस लेने को बाध्य हैं। काफी लम्बे समय से अक्टूबर नवम्बर के महीनों में भारत के बड़े हिस्सों में वायु प्रदूषण बढ़ जाता है। पराली जलाने सहित इस प्रदूषण के अनेक कारण हैं। क्षिति, जल, पावक, गगन व समीर अव्यवस्थित हो रहे हैं। तुलसीदास ने रामचरितमानस में पृथ्वी संकट का उल्लेख किया है। लिखा है, अतिशय देखि धरम के हानी/परम सभीत धरा अकुलानी - धर्म की ग्लानि को बढ़ते देखकर पृथ्वी भयग्रस्त हुई। देवों के पास पहुंची। अपना दुःख सुनाया - निज संताप सुनाइस रोई। - पृथ्वी ने रोकर अपना कष्ट बताया। शंकर ने पार्वती को बताया कि वहां बहुत देवता थे। मैं भी उनमें एक था। तुलसी के अनुसार आकाशवाणी हुई, हे धरती धैर्य रखो। मैं स्वयं सूर्यवंश में आऊंगा और तुमको भार मुक्त करूंगा। प्रसंग रामजन्म के कारण बताता है। आज भी पृथ्वी का संकट ऐसा ही है। उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव में बारहों महीने बर्फ जमी रहती है। बर्फ पिघल रही है। इस क्षेत्र में परमाणु खनिज तेल गैस भारी मात्रा में है। यहां के खनिज और तेल गैस को पाने के लिए अनेक बड़े देश लालायित हैं। लेकिन पर्यावरण की मूल समस्या को चिंता नहीं करते। बर्फ पिघलने से समुद्र तल ऊपर उठेगा। दुनिया खतरे में होगी। महानगरों का अराजक विस्तार हो रहा है। यहां शुद्ध वायु शुद्ध पेयजल नहीं है। नगर विस्तार की नीति पर्यावरण हितैषी नहीं है। सन् 2005 में संयुक्त राष्ट्र का सहस्त्राब्दी पर्यावरण आकलन - मिलेनियम इको सिस्टम एसेसमेंट आया था। इस अनुमान के आधार पर पृथ्वी के प्राकृतिक घटक अव्यवस्थित हो गए। ये अनुमान 17 वर्ष पुराना है। इसके पहले सन् 2000 में पेरिस के अर्थ चार्टर कमीशन ने पृथ्वी और पर्यावरण संरक्षण के 22 सूत्र निकाले थे।

भारत प्राचीन काल में पर्यावरण संरक्षण का संवेदनशील भूखण्ड था। ऋग्वैदिककाल के पूर्वजों ने पृथ्वी और जल को माता कहा था। उन्होंने पृथ्वी को माता और आकाश को पिता बताया था। जल का मुख्य स्रोत वर्षा होती हैं। वैदिक समाज में जलवृष्टि के कई देवता है। इन्द्र थे, वरुण थे। पर्जन्य भी वर्षा के देवता हैं। पर्जन्य जलचक्र के देव हैं। ऋग्वेद (1.164) में कहते हैं, सत्कर्मों से समुद्र का जल ऊपर जाता है। वाणी जल को कंपन देती है। पर्जन्य वर्षा लाते हैं। भूमि प्रसन्न होती है। यहां सत्कर्म की महत्ता है। सत्कर्म सांस्कृतिक कर्म हैं। सत्कर्मों से समुद्र का जल आकाश जाता है। वर्षा पर्जन्य की कृपा है। आधुनिक सन्दर्भ में पर्जन्य इकोलॉजिकल साईकल - पर्यावरण चक्र हैं। पर्जन्य देव पृथ्वी, जल, वायु, नदी, वनस्पति और सभी प्राणियों के संरक्षण से प्रसन्न होते हैं। पर्यावरण संरक्षण के सभी घटकों का संरक्षण वैदिककाल में राष्ट्रीय कर्तव्य था। गीता में कृष्ण अर्जुन को बताते हैं, अन्न से प्राणी हैं। अन्न वर्षा से होता है। वर्षा यज्ञ से होती है। यज्ञ सत्कर्मों से होता है। गीता में भी पर्यावरण के लिए सत्कर्म की महत्ता है। आधुनिक मनुष्य ने वैदिक संस्कृति और सत्कर्मों की उपेक्षा की है। पृथ्वी गृह पर जीवन का संकट बढ़ रहा है। नगरों में वायु प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण कार्बन उत्सर्जन करने वाले वाहन हैं। वायुमण्डल में कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी जानलेवा गैसें हैं। वाहनों के धुआंधार प्रयोग का हतोत्साहन और विद्युत चलित वाहनों का प्रयोग बढ़ना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण पृथ्वी माता की प्राण रक्षा का आधार है। इसको लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक बार बैठकें हुई हैं। सम्प्रति संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में मिस्र के शर्म अल शेख नगर में पिछले रविवार से बैठक चल रही है। यह सम्मेलन लगभग दो सप्ताह चलेगा। इसके पहले स्कॉटलैंड के ग्लासगो में भी सम्मेलन हुआ था। ब्राजील के रिओ डी जेनेरिओ नगर में पहला पृथ्वी सम्मेलन हुआ था। ऐसे सारे सम्मेलनों के प्रस्ताव बेनतीजा रहे हैं आधुनिक औद्योगिक सभ्यता ने विश्व मानवता को संकट में डाला है। 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने टिकाऊ विकास - सस्टेनेबुल डेवलपमेंट के 17 सूत्र तय किये थे। इनमें पर्यावरण एक महत्वपूर्ण सूत्र है। भारत ने भी इन लक्ष्यों पर हस्ताक्षर किए थे। भारत ने टिकाऊ विकास के लक्ष्यों पर काम भी किया है। भारत में महत्वपूर्ण शहर नदियों के किनारे ही हैं। महानगरों का कचरा नदियों में जाता है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के निकट से बहने वाली यमुना जल प्रदूषण के कारण काली पड़ गई हैं। हाथ भी नहीं धोए जा सकते। नदियों के तट पर बसे महानगर विषैले पानी को स्वच्छ करने के लिए आधुनिक संयंत्र लगाने से बचते हैं। कहीं कहीं भूगर्भ जल में तमाम विषैले पदार्थ निकले हैं। उत्तर प्रदेश के कानपुर व उन्नाव जिले व शहर के आस पास भूगर्भ जल में फ्लोराइड और सीसा जैसे तत्व पाए गए हैं। यह तत्व मानव जीवन को खतरा हैं। एयर कंडीशन से निकलने वाली वायु प्रदूषित होती है। कोरोना काल में लॉक डाउन के से वायु प्रदूषण की गुणवत्ता उच्च कोटि की हो गई थी। सहारनपुर से हिमालय का दिखाई देना आश्चर्यजनक है।

पृथ्वी का अस्तित्व बचाने को लेकर विश्व बेचैनी है। माता पृथ्वी व्यथित हैं। अशांत हैं। भूस्खलन और भूकंप बढ़े हैं। पिछले सप्ताह बुधवार को उत्तर भारत में भूकंप के बड़े झटके महसूस किए गए थे। वायु भी अशांत है। वायु की बेचैनी आंधी और तूफानों में व्यक्त होती है। जल भी अशांत हैं। बाढ़ अतिवृष्टि अनावृष्टि की स्थितियां बढ़ी हैं। वन उपवन और वनस्पतियां भी अशांत हैं। जैव विविधता घटी है। पक्षी किस पेड़ पर घर बनाएं। यजुर्वेद (36.17) के ऋषि ने लगभग 4000 वर्ष पहले पर्यावरण के सभी घटकों की शांति की प्रार्थनाएं की थी। - पृथ्वी शांत हो। अंतरिक्ष शांत हों। औषधियां वनस्पतियां शांत हों। सर्वत्र शांति ही शांति हो। शांति भी हमको शांति दें। प्रार्थना भारत के मंगल अवसरों पर शांति मंत्र के नाम से दोहराई जाती है। अस्तित्व असाधारण प्राकृतिक संरचना है। पृथ्वी अस्तित्व का भाग है। यह प्राणियों व वनस्पतियों के जीवन का आधार है। जल और वायु पृथ्वी के जीवन पर प्रभाव डालते हैं। मैक्डानल ने वैदिक मिथोलॉजी में पृथ्वी पर टिप्पणी की थी, ऋग्वेद के अनुसार वह पर्वतों का भार वहन करती हैं। वन और वृक्षों का आधार है। इसी से वर्षा होती है। अमेरिकी विद्वान ब्लूमफील्ड ने अथर्ववेद् के भूमि सूक्त की प्रशंसा की थी -पृथ्वी जीवों और वनस्पतियों का आधार है। यह पृथ्वी सम्पूर्ण संसार की धारक है। हम पृथ्वी को कष्ट न दें। यह माता हैं। वायु सबका जीवन हैं। प्राण हैं। वायु से आयु है। ऋग्वेद (1.90.6) में वायु को प्रत्यक्ष ब्रह्म कहा है। त्वमेव प्रत्यक्ष ब्रह्मसि। कठोपिषद् में वायु ही सभी रूपों में प्रवेश कर रूप रूप प्रतिरूप होती है। पृथ्वी में जल प्रवाह हैं। ऋग्वेद के ऋषि ने जल को बहुवचन जल माताएं कहा है। इन्हीं माताओं से प्रकृति की शक्तियों का जन्म हुआ है। जल, वायु, आकाश, पृथ्वी व अग्नि भारतीय चिंतन के पांच महाभूत हैं। इन्हें स्वस्थ रखना हम सबका कर्तव्य है। पर्यावरण प्रदूषण से माता पृथ्वी की रक्षा हम सबका राष्ट्रधर्म है।

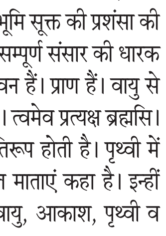

हृदयनारायण दीक्षित
लेखक उप्र विधानसभा के अध्यक्ष रहे हैं

हृषिकेश सुलभ ने गरीब मुस्लिम समाज की कठिनाइयों की गहरी पड़ताल की है

'दातापीर' एक सहज, सफल उपन्यास

सम्मान

शकील सिद्दीकी

एक जनप्रतिबद्ध कथाकार अपने चारों तरफ के परिवेश के प्रति किस हद तक संवेदनशील व जागरूक हो सकता है उसमें विन्यस्त सामाजिक विडम्बनाओं-द्वन्द्वों से उसकी कितनी आत्मीय निकटता हो सकती है हृषिकेश सुलभ का इसी वर्ष राजकमल से प्रकाशित उपन्यास दातापीर इसका ताजा और मजबूत उदाहरण है। इन विशिष्टताओं के साथ यह उपन्यास इस बहु-प्रचलित धारणा को भी ध्वस्त करता है कि श्रेष्ठ कथाकृति कल्पना एवम यथार्थ के उत्कृष्ट समन्वय से ही संभव हो सकती है। दातापीर इस दावे को भोथरा साबित करता है कि उपन्यास का कथ्य यथार्थ के खांटीपन, उसके चित्रण की आवेगमयता, उसकी अन्तर्वस्तु के नितान्त विश्वसनीय खरापन उसमें कल्पना के लिए बहुत कम गुंजाइश छोड़ता है। फिर भी कल्पना की भूमिका को सिरे से नकारा नहीं जा सकता। जिस प्रकार रेखा चित्र में प्रस्तुत को भाषा में जीवन्त करते हुए उसमें अपनी ओर से जोड़ने-घटाने की सम्भावना बहुत कम रहती है, दातापीर में भी उपन्यासकार इस ओर लगातार सचेत रहा है। यथार्थ के प्रति ऐसी गहरी संवेदनात्मक संलग्नता कम देखने में आती है।

यही कारण है कि दाता पीर कथा तत्व की तलाश में अन्वेषण की किसी मुहिम से नहीं गुजरता, उसमें प्रस्तुत कठिन दुरूहताओं से टकराता जीवन नितांत स्वाभाविक गति से पर्त-दर-पर्त स्वयं खुलता जाता है। इस प्रक्रिया में बाहरी व भीतरी यथार्थ के चित्रण में किसी प्रकार का टकराव या विरोधाभास की अनुभूति नहीं होती।

'बड़ी आँगन के एक कोने पर नाबादान के पास रखे पत्थर के एक चकोर टुकड़े की पटरी पर बैठी नहा रही थी। प्लास्टिक की बाल्टी से पानी निकाल अपनी देह पर डालती और ठण्ड से सिसकारी भरती। पेटीकोट पहने हुए थी, ऊपर की देह खाली थी।' (पृष्ठ-9) देश में व्याप्त गरीबी का यह ऐसा चित्र है जो अधिकांश देशवासियों के अनुभव का हिस्सा बन चुका है। जिसे देखते ही कोई झट मुँह फेर लेता है, कोई देखता रह जाता है। जैसे कि उपन्यास के प्रमुख पुरूष पात्र सत्तार मियाँ धुएं की गहरी होती पर्त में भी सब कुछ साफ देख लेते हैं, वहीं कोठरी में लेटी बड़ी की बीमार माँ को फेफड़े में धुआं चले जाने के कारण सूखी खाँसी का दौरा पड़ जाता है। सत्तार मियाँ पीर मुहानी (पटना) के दाता पीर कब्रिस्तान की स्थाई पहचान हैं। रसीदन कब्रिस्तान की उनसे भी अधिक स्थाई व जड़ीली निवासी है। अपनी सुविधा के लिए सत्तार मियाँ को घर में बिठा लेती है। उनकी दो जवान बेटियाँ हैं, बड़ी के तो वह आशिक हैं। जबकि छोटी को जाल में फँसाने की तिकड़में करते रहते हैं। किशोर साबिर जो खाल के व्यवसाय में सत्तार का सहयोगी है इस परिवार के स्थाई सदस्यों जैसा है। सत्तार मियाँ को शक है कि वह छोटी पर डोरे डाल रहा है। रसीदन का पोलियग्रस्त बेटा फजलू भी है, जो नशेड़ी होने के बावजूद कब्रें खोदने, मुर्दे दफनाने, कब्र बनाने तथा उनकी देखभाल का का काम करता है। कब्रें खोदना, बनाना रसीदन के परिवार का पुशतैनी पेशा है। असमय पति का निधन हो जाने के कारण परिवार तथा कब्रिस्तान की जिम्मेदारी मजबूत इरादों वाली उस बीमार महिला के कंधों पर आन पड़ी है। जो कब्रें खोदती, बनाती है और उनकी देखभाल भी करती है, जबकि ज्यादातर कब्रिस्तानों के मुख्य द्वार पर 'औरतों का अन्दर आना मना है' की चेतावनी लिखा बोर्ड लटक रहा था। बावजूद इसके स्त्री द्वारा कब्रें खोदने से लेकर मुर्दों को दफ्न करने सम्बन्धी गतिविधियों में एक स्त्री की केन्द्रीय भूमिका को धार्मिक गतिविधियों में पुरूष प्रभुत्व के साहसिक निषेध का ही संकेत माना जाएगा। कब्रिस्तान के परिदृश्य, इसमें जीवन व्यतीत कर रहे परिवारों तथा इससे अलग-अलग कारणों से जुड़े स्त्री-पुरूषों, उनके हितों के टकरावों को सुलभ अत्यंत सजीवता से उभार पाये हैं। जिससे निश्चय ही पठनीयता में इजाफा हुआ तथा अन्तर्वस्तु की विश्वसनीयताएं भी। आगे की कथा के प्रति पाठक की जिज्ञासा गहरी होती है। कुछ विद्वान दातापीर को सामाजिक विकास की दौड़ में पीछे रह गये पसमांदा मुसलमानों के कठिन जीवन संघर्ष पर आधारित कथाकृति के रूप में रेखांकित करते हैं। निश्चय ही कब्रिस्तान सम्बन्धी कामों से जुड़े हुए लोग आमतौर पर पसमांदा तबके से आते हैं। विशेष रूप से गोरकन मतलब कब्र खोदने और उसे बनाने वाले, जिन्हें उपन्यास में मुजाविर कहा गया है। संभव है रसीदन का खानदान मुजाविरों का खानदान हो, हालात ने उन्हें गोरकनी पर मजबूर कर दिया हो। सभी मुजाविर पसमांदा तबके से ताल्लुक रखते हों। यह आवश्यक नहीं है। मजारों की देखभाल, उसकी साफ-सफाई इत्यादि करने वाले को मुजाविर कहा जाता है। वह सामान्य तथा गरीबी की रेखा के नीचे वाले लोग नहीं होते। वे शिक्षा प्राप्त लोग भी हो सकते हैं, बहुधा निम्न मध्यवर्ग से सम्बन्ध रखने वाले। फिर भी सुलभ विविध घटनाओं के माध्यम से कब्रिस्तान के अर्थशास्त्र का पूरा खाका खींच पाने में सफल रहे हैं। यह उस जीवन में गहरे उतरे बिना सम्भव नहीं हो सकता। इस क्रम में पात्रों से उनका सटीक परिचय उनका जीवन्त चित्रण अलग से ध्यान खींचता है।

पीर मुहानी के कब्रिस्तान में हजरत दातापीर मनिहारी का मजार है। मनिहार होने के कारण उनकी मजार पर चूड़ियाँ चढ़ाई जाती हैं। बाद में जिन्हें रसीदन चूड़ी व्यापारी के हाथ बेच लेती है। वैसे ही जैसे लखनऊ की एक मजार पर सिगरेट चढ़ाई जाती है। दातापीर के अतीत में इश्क में नाकामी के कारण उनके फकीर बन जाने की छवियाँ हैं तो रसीदन के ममेरे भाई समदू फकीर का अतीत भी ऐसी ही एक नाकामी की दुखद कथा है। उपन्यास में प्रेम प्रसंगों की अनेक कथाएँ-उपकथाएं हैं। इनमें छोटी बेटी चुन्नी का भी प्रेम प्रसंग है। उसकी राह में भी अनेक बाधाएँ हैं। परन्तु अपनी दृढ़ता से वह बाधाओं को ध्वस्त करती अपना लक्ष्य प्राप्त करने में कामयाब होती है।

यूँ उपन्यास में पितृसत्ता को धता बताते जूवी जैसे चरित्र भी हैं।

उपन्यास में गहरे अवसाद के कई क्षण हैं और पाठक को चकित करने वाले भी। बिहार में दूर तक फैली सूफीवादी परम्परा आध्यात्म की खानकाहों का जाल उसकी विशिष्टताओं तथा इसके प्रसार में प्रेम की भूमिका के बिम्ब निश्चय पाठक को चौंकाते हैं। चौंकाते वह तब भी हैं जब यह कहते हैं कि इश्क में पीर फकीर हो जाना अर्थात इश्क-ए-मजाजी से इश्क-ए-हकीकी हो जाना, यही तो है सूफी परम्परा। इश्क में नाकामी की वजह से सूफीवादी आध्यात्म के निकट आए फकीरों की आशिकों से हमदर्दी भी कुछ पाठकों को चौंका सकती है। समदू फकीर का यह कथन ध्यान खींचता है, 'मुहब्बत बड़ी शै है बाजी ..... सबको नसीब नहीं होती। अल्लाताला की रहमत है इ मुहब्बत। नसीबों वाली है लड़की।'

दरअस्ल रसीदन की छोटी बेटी के कसाई लड़के से इश्क को लेकर वह चिन्तित है और बेटी को सही राह पर लाने के लिए वह ममेरे भाई समदू फकीर की मदद चाहती है।

उपन्यास को रोचक व महत्वपूर्ण बनाने में साबिर की बड़ी भूमिका है। वह अली बख़्श ओर मदीहा बानो के इश्क की निशानी है। मशहूर शहनाई वादक फहीम बख़्श व गुलाम बख़्श उसके मामा हैं। वह स्वयं अमीना के इश्क में गिरफ़्तार है। एक दिन मामाओं की याद सताने पर वह उनसे मिलने सुल्तानगंज चला जाता है। बेऔलाद मामा उससे अपने साथ रहने तथा शहनाई वादन में रूचि लेने की इच्छा प्रकट करते हैं। वह उनकी इच्छा को ठुकरा नहीं पाता और अमीना से इश्क की आग को मन्द करते हुए उनके साथ रहने का फैसला करता है। इस मोड़ पर जहाँ सुलभ संगीत, विशेष रूप से शहनाई-संगीत के प्रति अपनी जानकारी तथा भाषा पर अचूक पकड़ से चमत्कृत करते हैं, वही प्रेम संवेदना पर भौतिकतावादी आकांक्षाओं की विजय के बिम्ब भी उभारते हैं।

'साबिर अली बख़्श ने जब बंदिश के बोलों 'मंगल करन सुन्दर गजगामिनी, निरमल गात हरिकर दामिनी' को शहनाई पर बजाया तो सभागार में तालियों की गूंज भर गई। जिस समय इन बोलों को अपनी शहनाई से निकालकर लोगों का दीवाना बना रहे थे साबिर अली बख़्श, फजलू अपनी कोठरी में अंतिम सांसे ले रहा था। फजलू व साबिर की घनिष्ठ मित्रता ने अलग-अलग नशों के कई स्वाद साथ चखे थे। उधर फजलू की बहन अमीना और साबिर की दिल चीर देने वाली बेवफाई, स्थाई अलगाव के मारक अवसाद के घने दुख के कातर अनुभव से गुजर रही थी। उसकी घुटती हुई चीत्कार तो सुनाई पड़ जाती है, लेकिन जूबी जैसी लड़कियाँ भी हैं, जिनकी चीत्कारें कण्ठ के भीतर ही घुट-घुट कर निःस्वर हो जाने को अभिशप्त हुईं। फिर भी अनचाहे निकाह के समय नहीं कहकर स्त्री प्रतिरोध का एक प्रतिमान तो रच ही दिया।

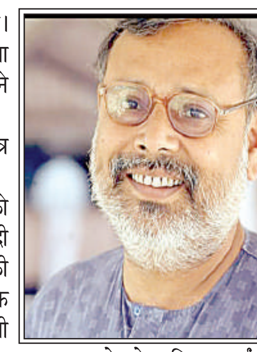

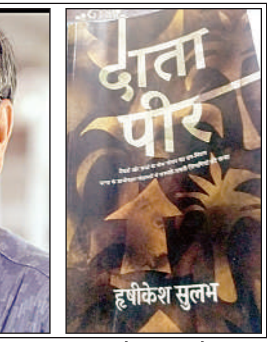

दातापीर हिन्दी उपन्यास परम्परा में कथ्य एवं प्रस्तुति के स्तर पर असाधारण अभिवृद्धि के लिए याद किया जाएगा। साझी संस्कृति, साझे जीवन संघर्ष एवम् खाँटी मुस्लिम समाज के कमजोर तबकों की जीवनगत कठिन जद्दोजहद पर केन्द्रित हिन्दी में अनेक उपन्यास लिखे गये हैं।

सुलभ ने पतित मान लिए गये संघर्षशील जनों की परस्पर संवाद की खिचड़ी भाषा को जिस सजगता से गिरफ़्त में लिया है, वह उनके कौशल का कायल करती हैं। उसमें शुरफा की गुफ़्तगू के दरम्यान बोले जाने वाले अल्फाज हैं, गुऱबा की बातचीत में इस्तेमाल होने वाले नुकीले-खुरदुरे शब्द भी। जिसके उदाहरण राही और अब्दुल बिस्मिल्लाह के उपन्यासों में भी मिल जाते हैं। ध्यान इस तरफ भी जाता है कि राजनैतिक मुहावरेबाजी तथा विचारधारात्मकता से बचते हुए भी वह पीर मुहानी जैसे दारूण हालात के प्रति प्रशासनिक व्यवस्था की असंवेदनशीलता निरंकुश अनदेखी का प्रतिचित्र उभार पाने में सफल होते हैं।

दातापीर कथ्य की महाकाव्यात्मकता, प्रवाहमयी चित्रात्मक भाषा में कई सारी विविधताओं के साथ समूचे जीवन की प्रभावशाली अभिव्यक्ति को सम्भव करता है। कथातत्व का कुशल संयोजन गहरे उतरकर पर्तों के पीछे छिपे जीवन को उघाड़ पाने का उत्साह। एक अभावग्रस्त परिवार की संघर्षशीलनता के माध्यम से एक प्राचीन ऐतिहासिक शहर की रंगा-रंगी, उसकी त्रासद वंचनाओं, कोनों-खदरों-गलियों व कब्रिस्तानों में कराहती जिन्दगियों के उतार-चढ़ाव का भूरे स्याह रंगों में जीवन्त चित्रांकन उपन्यास को यादगार बनाता है। आगे बढ़ते हुए एक नये अनुभवलोक के हल्के गहरे रंग सांस्कृतिक साझेपन के बिम्ब उभारते चलते हैं। विपरीत हालात से नित नये टकराव लेते, उसमें भविष्य की सम्भवानाएं तलाश करते निरीह जनों के प्रति उपन्यासकार की आत्मीयता, उसे जबरन हरा दिए गये लोगों के पक्ष में ला खड़ा करती है। इस पक्षधरता, भारतीय स्त्री की जीवट जिजीविषा, प्रखर प्रतिरोधी चेतना के कारण भी उपन्यास दातावीर लम्बे समय तक याद किया जाता रहेगा।

(लेखक कथाकार हैं, संपर्क -09839123525)

कथाक्रम सम्मान और लोकतांत्रिक विमर्श

प्रसंगवश

कँवल भारती

हिंदी में बहुत सारे, मैं समझता हूँ असंख्य, मंच और संस्थान हैं, लेकिन सच कहूँ, तो उनमें लोकतांत्रिक मंचों की संख्या उँगलियों पर गिनने लायक भी नहीं है. मैं अभी तक अपने साहित्यिक जीवन में केवल चार मंचों और व्यक्तियों से प्रभावित हुआ हूँ, जिन्होंने पूरी ईमानदारी से अपने लेखन, संपादन और आयोजन में अपना लोकतांत्रिक विवेक साबित किया है. ये हैं राजेन्द्र यादव, रमणिका गुप्ता, शैलेन्द्र सागर और विभूतिनारायण राय. अगर हम सामाजिक श्रेणी में विभाजन करें, तो इनमें राजेन्द्र यादव को छोड़कर, जो ओबीसी थे, शेष में कोई भी दलित नहीं है. रमणिका गुप्ता, शैलेन्द्र सागर और विभूतिनारायण राय तीनों अपर कास्ट के हैं. लेकिन चारों में गजब का लोकतांत्रिक विवेक है. मैंने रत्तीभर भी जातिवाद इनमें नहीं देखा. मगर इनमें से जिसने भी दलित विमर्श चलाया, उसे हिंदी के हर ब्राह्मण मठाधीश ने जातिवादी कहा. सबसे ज्यादा कुख्यात हुए राजेन्द्र यादव. मगर यह राजेन्द्र यादव ही थे, जो ओबीसी की उमा भारती से यह पूछने की हिम्मत दिखा सकते थे कि तुम्हारे मुंह में यह किसकी जुबान है? वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति जैसा विद्रोही लेख भी राजेन्द्र यादव ही लिख सकते थे, जिसमें वे कहते हैं कि किसी विभाग में अगर सारे ब्राह्मण-ठाकुर भरे हुए हैं, तो यह जातिवाद नहीं है, पर अगर अखिलेश यादव ने किसी विभाग में यादव भर दिए, तो यह जातिवाद है. यह राजेन्द्र यादव ही थे, जिन्होंने हंस में दलित और स्त्री विमर्श को स्थान दिया, और ऐसा-वैसा स्थान नहीं, बल्कि उसे साहित्य की मुख्यधारा बनाने के लिए स्थान दिया. मैं समझता हूँ कि जितना दलित साहित्य हंस में छपा, उतना रमणिका गुप्ता की पत्रिका युद्धरत आम आदमी के सिवा किसी में नहीं छपा. और रमणिका गुप्ता ने तो दलितों को नहीं, आदिवासी साहित्य को भी हिंदी में लाने का क्रान्तिकारी काम किया था. उन्होंने भारतीय भाषाओं के दलित-आदिवासी साहित्य को हिंदी में छापने के लिए अपने यहाँ अनुवाद विभाग खोल लिया था. उन्होंने तेलगु, मलयालम, कन्नड़, पंजाबी, बंगाली, असमिया, मराठी, गुजराती भाषाओं का दलित साहित्य, और हो, संथाल, खडिया आदि भाषाओं का आदिवासी साहित्य भी अनुवाद करके हिंदी में प्रकाशित किया. यह छोटा काम नहीं था, बल्कि वह महान काम था, जो अपर कास्ट के किसी अन्य ने लेखक ने नहीं किया.

विभूतिनारायण राय पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने अपने कुलपति-काल में महात्मा गाँधी हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में सबसे पहले दलित साहित्य पाठ्यक्रम में लगवाया था. स्वामी अछूतानन्द रचनावली को हिंदी में लाने का श्रेय उन्हीं को जाता है. उन्होंने मुझे फोन करके यह काम करने का दायित्व सौंपा था, और बड़ा काम यह कि उस रचनावली को उन्होंने अपने विश्वविद्यालय की ओर से छपवाया था. किसी भी अन्य विश्वविद्यालय ने इस तरह का दलित साहित्य छापने का काम नहीं किया. अगर वह अन्य कुलपतियों की तरह जातिवादी होते, तो हरगिज यह काम नहीं करते.

अब मैं शैलेन्द्र सागर के कथाक्रम पर आता हूँ. साहित्य में उनके लोकतांत्रिक विवेक का मैं कायल हूँ. वह अपने पिता आनंद सागर की स्मृति में प्रत्येक वर्ष एक कथाकार का सम्मान करते हैं. पहला ही सम्मान उन्होंने संजीव को दिया. जाति देखकर नहीं, काम देखकर. संजीव ब्राह्मण नहीं हैं? हिंदी के लगभग सभी मंचों के सम्मान जहां अपर कास्ट के लिए आरक्षित हैं, वहाँ तीन मंच ऐसे हैं, जो हमेशा लोकतान्त्रिक विवेक से चले, जातिवादी अहंकार से नहीं. एक हंस, दूसरा रमणिका फाउंडेशन और तीसरा कथाक्रम. इन तीनों मंचों ने जाति को कभी महत्व नहीं दिया. अगर मैं यह कहूँ, कि सबसे ज्यादा दलित-ओबीसी के लेखक इन्हीं तीन मंचों से प्रकाशित और सम्मानित हुए, तो इसमें कुछ भी अतिशयोक्ति नहीं है.

इन तीन मंचों के अलावा सबके अपने जातिवादी एजेंडे हैं. नामवर सिंह का भी जातिवादी एजेंडा था, जिसे उन्होंने, जिस पद पर भी रहे, खूब निभाया—आलोचना में भी, नौकरियां देने में भी और पुस्तकों की खरीद में भी. भरमार है हिंदी में ऐसे अलोकतांत्रिक मंचों और मठों की. इन मठों को स्त्री-विमर्श से कोई फर्क नहीं पड़ता, उसे वे अपने घर की ही समस्या मानते हैं. पर, दलित विमर्श से उन्हें बहुत फर्क पड़ता है, क्योंकि उससे वे सिर से पांव तक हिल जाते हैं. उनका वर्चस्ववादी वजूद उससे कटघरे में खड़ा हो जाता है, और उनके सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की जड़ों में मट्ठा पड़ जाता है. इसलिए दलित विमर्श से वे भागते हैं. ऐसा नहीं है कि वे परिवर्तन-विरोधी हैं, वे परिवर्तन-विरोधी नहीं हैं, बल्कि प्रगतिशीलता का दम्भ भरते हैं. लेकिन वे उसी सीमा तक प्रगति और परिवर्तन पसंद करते हैं, जिस सीमा तक उनके वर्चस्ववाद अर्थात जातिवाद पर आंच न आए. अगर आपमें मूल्यांकन करने की इच्छा-शक्ति है, तो उनके लेखों और विमर्शों पर जरा गौर से नजर डालकर देखें, उनके शब्द-शब्द में उनका वर्चस्ववाद समुद्र की लहरों की तरह हिलोरें लेता हुआ दिखाई देगा.

कथाक्रम-सम्मान से सम्मानित होने वाले कथाकारों पर आप एक नजर डालिए. यह सम्मान आपको किसी वर्ग विशेष के लिए आरक्षित दृष्टि से दिया गया दिखाई नहीं देगा. संजीव से लेकर ओमप्रकाश वाल्मीकि, शिवमूर्ति, असगर वजाहत, भगवान दास मोरवाल, प्रियंवद, मधु कांकरिया, महेश कटारे, अब्दुल बिस्मिल्लाह, स्वयं प्रकाश, तेजिन्दर, जयनन्दन, नासिरा शर्मा, अखिलेश, राकेश कुमार सिंह, जया जादवानी, मनोज रूपड़ा, एस. आर. हरनोट, और नवीन जोशी तक एक नाम भी ऐसा नहीं है, जिसे जातिवादी चयन कहकर आप आलोचना कर सकें. ये सभी नाम कथा-जगत के चर्चित और सशक्त हस्ताक्षर हैं.

शैलेन्द्र सागर का कथाक्रम आयोजन सिर्फ सम्मान के लिए ही चर्चित नहीं है, बल्कि हिंदी में लोकतांत्रिक विमर्श के लिए भी चर्चित है. शैलेन्द्र जी 1990 से 2020 तक कथाक्रम की ओर से 28 बहसें करा चुके हैं, क्योंकि कुछ कारणों से 1992, 1993 और 1994 में कथाक्रम का आयोजन नहीं हो सका था. इनमें पठनीयता का संकट, उपभोक्ता संस्कृति, प्रतिबद्धता और कला की चुनौती, आलोचना के सरोकार, व्यवस्था के विद्रूप, प्रेमचन्द से आज तक के गाँव, बदलते सरोकार, साहित्य की आजादी, वर्तमान समाज, भविष्य का समाज, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, वर्तमान प्रश्न और रचनाकारों की भूमिका, असहमति के स्वर और लोकतंत्र, भूमंडलीकरण, संस्कृति का संकट, सोशल मीडिया, सत्ता और साहित्य, भीड़तन्त्र बनाम लोकतंत्र, नए भारत का नया राष्ट्रवाद तथा कथा-साहित्य में आंचलिकता की प्रासंगिकता जैसे बेहद जरूरी लोकतांत्रिक विषयों पर जबर्दस्त बहस इन आयोजनों में हुई है. यही नहीं, शैलेन्द्र जी ने उन विमर्शों को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया, जिसे हिंदी के वर्चस्ववादी मठ और मंच जातिवादी बताकर उपेक्षित करते हैं. उन्होंने वर्ष 2000 में दलित विमर्श को चर्चा के केन्द्र में रखा, 2001 में स्त्री अस्मिता पर चर्चा करवाई और 2002 में साम्प्रदायिकता की चुनौतियां विषय पर विचारोत्तेजक बहस करवाई. ये तीनों विमर्श लोकतंत्र के लिहाज से आज भी सबसे प्रासंगिक विषय हैं. हिंदी के वर्चस्ववादी मंचों पर ये विषय आज भी वर्जित हैं. स्त्री विमर्श को तो खैर आज की मठवादी लेखिकाओं ने ही गैर-जरूरी करार देकर छोड़ दिया है. साम्प्रदायिकता वामपंथी विमर्श का आज भी प्रिय विषय है, मगर उसकी दृष्टि में यह हिंदू-मुस्लिम दंगा और घृणा से ज्यादा कुछ नहीं है. इसमें वह मुलिम कट्टरवाद का भी समर्थक बन जाता है. किन्तु कथाक्रम में इस पर इससे आगे की बहस हुई थी. साम्प्रदायिकता का मतलब बहुसंख्यक वर्ग का यह विश्वास है कि उसे अल्पसंख्यकों पर शासन करने का दैवी अधिकार प्राप्त है. बहुसंख्यकों द्वारा अल्पसंख्यकों के अधिकारों का दमन ही साम्प्रदायिकता है. कथाक्रम ने यह बहस ऐसे नाजुक दौर में कराई थी, जब गुजरात में राज्य-सत्ता के बल पर अल्पसंख्यकों का सरेआम नरसंहार हुआ था.

दलित विमर्श का मतलब दलितों के हित की बात करना भर नहीं है, बल्कि उस पूरी व्यवस्था पर आघात करना है, जो एक पूरी मनुष्य-आबादी को जन्म के आधार पर ऊंच और नीच में विभाजित करने के लिए जिम्मेदार है. उस अमानवीय व्यवस्था को सही और संसार की सर्वश्रेष्ठ व्यवस्था मानने वाले लोग दलितों को कभी भी बराबर का दर्जा नहीं दे सकते, वे इस पर लोकतांत्रिक विवेक से विचार करना ही नहीं चाहते, क्योंकि वे इसी व्यवस्था के बल पर लोकतंत्र में भी देश के शासन-प्रशासन और संसाधनों पर अपना वर्चस्व कायम किए हुए हैं. शैलेन्द्र सागर ने कथाक्रम के मंच से न केवल इस विषय पर लोकतांत्रिक बहस चलाई, बल्कि मुद्रा राक्षस के अतिथि संपादन में कथाक्रम पत्रिका का उसी वर्ष दलित-साहित्य विशेषांक भी निकाला.

मैं 2019 के कथाक्रम-विमर्श का भी जिक्र करना चाहूँगा, जो नए भारत का नया राष्ट्रवाद विषय पर किया गया था. सब जानते हैं कि 2019 में सत्ता ने जो एक नया राष्ट्रवाद उभारा था, उसने पूरे देश की फिजा में अल्पसंख्यक खासकर मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नफरत का उन्माद भर दिया था. इस नए राष्ट्रवाद ने आक्रामक हिंदू राष्ट्रवाद के रूप में धर्मनिरपेक्षतावादी लोकतंत्र के समर्थकों के विरुद्ध कितना घातक माहौल पैदा कर दिया था, कि जो भी विरोध करता, उसी को इन राष्ट्रवादियों द्वारा देश-द्रोही घोषित कर दिया जाता था. यह माहौल आज भी खत्म नहीं हुआ है. ऐसे माहौल में इस नए राष्ट्रवाद पर चर्चा वही करा सकता था, जो अपने कर्म में लोकतान्त्रिक विवेक के मूल्य को महत्व देता है. यह लोकतान्त्रिक विवेक तब बनता है, जब सच को सच कहने का साहस पैदा होता है. शैलेन्द्र सागर में यह साहस है.

कथाक्रम को मैं एक अवसर के रूप में भी याद करता हूँ. राजेन्द्र यादव, नामवर सिंह, मुद्रा राक्षस, काशीनाथ सिंह, मैत्रेयी पुष्पा, शिवमूर्ति, दूधनाथ सिंह, नासिरा शर्मा, गिरिराज किशोर, जया जादवानी, शशिभूषण द्विवेदी, अदम गौंडवी, अखिलेश, सुशील सिद्धार्थ, राकेश, रजनी गुप्त, वीरेंद्र सारंग, भगवान दास मोरवाल को पहली बार देखने और उनसे मिलने का सुअवसर भी मुझे कथाक्रम ने ही दिया.

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं, संपर्क 09412871013)

हृषिकेश सुलभ का दातापीर: कब्रिस्तान में कतरा-कतरा जिंदगी

एक मूल्यांकन

प्रज्ञा पांडेय

राजकमल प्रकाशन से प्रकाशित वरिष्ठ लेखक हृषीकेश सुलभ जी का उपन्यास दाता पीर, पीर मुहानी नाम के एक मोहल्ले और उसके पास बने कब्रिस्तान में रहकर मुजाविरी करने वाले एक परिवार को केंद्र में रखकर बुना गया है लेकिन केन्द्रित कथा भी अपने साथ कई उपकथायें लेकर निकलती है जिनकी अपनी अपनी त्रासद जीवन-यात्राएँ हैं. तमाम छोटी-छोटी बातों को सांस की तरह जोड़ती हुई इस कथा में पाठक के दाखिल होने के साथ ये कथाएं कथानक के वर्तमान की तरह बनती और बुनती जातीं हैं. यह उपन्यास कई धड़कती जिंदगियों का अतीत भी वर्तमान की तरह जीता है. इस उपन्यास में एक पुरातन प्रेम-कथा भी है जिसका किरदार एक मनिहार है और जो घर घर जाकर चूड़ियाँ पहनाता है. बाद में मनिहार दाता पीर कहलाते हैं.उनकी मजार पीर मुहानी के कब्रिस्तान के पास बनी मस्जिद के पीछे बनी है . दाता पीर की मजार पर चूड़ियाँ चढ़ाकर लड़कियाँ और औरतें मन्नतें मानतीं हैं. हजरत दाता पीर मनिहारी की सघन प्रेम कथा कतरा-कतरा से बूँद बूँद होकर पूरे उपन्यास पर फैली हुई है .. दाता पीर मनिहार थे जो घर-घर घूमकर बड़े-बड़े घरों में जाकर औरतों और लड़कियों को रंग-रंगीली चूड़ियाँ पहनाते थे. इतना ही नहीं, वे बहुत सजीले नौजवान भी हैं और उतना ही रस भरा उनका गला भी . .....अंगुठिया केशों की लम्बी-लम्बी लटें और आँखों में सुरमा लगाते थे. अपने हुनर से औरतों की भूख प्यास हर लेने वाले इस मनिहारी के कंठ से जब बन्ना और सहाना के बोल फूटते, हवा के झोंके झांझ की तरह बजते ... सैय्याँ रे बिदेसी घर आजा रे,हो सावन में आजा रे .मन की तलैया सूखी पड़ी है एक दो बूँद बरसा जा रे. वे किसी के प्रेम में पड़ गए और जब उनको मालूम हुआ कि उनकी माशूका की तो शादी हो रही तो वे कुछ पागल से हो गए और उन्होंने वह जगह ही छोड़ दी. भटकते हुए वे कटिहार के मनिहारी चले गए. अरबी में लिखी किताब में उन्होंने पढ़ा कि अगर किसी पराई औरत से मोहब्बत हो जाए और कोई उपाय न सूझता हो तो उस इलाके को ही छोड़ दोह्न इस तरह दाता पीर भटकते हुए पीर मुहानी के इसी कब्रिस्तान में एक फकीर की तरह पहुंचे और दाता पीर बन गए . बरसों बरस पहले घटी उस बात को कोई ठीक से नहीं जानता. दाता पीर का असली नाम भी कोई नहीं जानता. पाठक अनेक किरदारों के बीच दाता पीर मनिहार की कथा को चातक की तरह ढूंढता है.

हमारी जिंदगियों में कब्रिस्तान शब्द उदास से स्याह सन्नाटे की तरह तटस्थ रहता है लेकिन लेखक लिखते हैं-सर्द रात थी.कुहासा अभी घना नहीं हुआ था.कब्रिस्तान में गिरती चाँदनी कुहासे की झीनी चादर से छनकर सफेद फूलों की तरह कब्रों पर बरस रही थी.हवा चाँदनी के इन फूलों को उड़ा रही थी .कब्रों पर लहराती घास से चाँदनी के ये फूल उलझते और फिर रक्स करते हुए इस कब्र से उस कब्र पर पहुंचते . शीत, हवा, कुहासा और चाँदनी के फूलों का रक्स,कब्रिस्तान किसी विशाल रंगमंच में बदल गया था. दरअसल यह पूरा उपन्यास ही रंगमंच लगता है.

कब्रिस्तान में रहने वाली रसीदन उसकी दो बेटियां, अपाहिज बेटा फजलू, लम्पट सत्तार मियां, साबिर और समद, बिलकिस बानो और जुबिन और अनेक किरदार जो भीड़ की तरह नहीं शिनाख्त की तरह उपन्यास में मौजूद हैं. इनकी कथा में कितना दर्द है यह हम रफ़्ता रफ्ता इन्हें पढ़ते हुए जान पाते हैं. सत्तार मियां अमीना की देह देख कर लार टपकाते हैं. अमीना उनको भाव नहीं देती लेकिन लोलुप सत्तार मियां बकरे का गोस भिजवा देते हैं. अमीना बकरे का गोस पकाती है ..सत्तार मियां इस उम्मीद में हैं कि रसीदन की बेटी शायद किसी दिन मान जायेगी. गरीबी और मजबूरियों का नाजायज लाभ लेने वाले सत्तार मियां रसीदन को बर्दाश्त नहीं लेकिन सत्तार मियां बकरे की खाल का व्यापार करते हैं और पैसों से मजबूत हैं. वही रसीदन जो अपने पति नासिर के मरने के बाद मुसीबतों से घिर गई थी और सत्तार मियाँ को अपने घर में बिठा लिया था और एक दिन उनके कुकर्म देख मारकर घर से भगा दिया था. सत्तार मियां का लम्पट चरित्र पुरुष समाज के चेहरे से बेमुरव्वत नकाब हटाता है.

चुन्नी अमीना की छोटी बहन उसके ठीक उलट है . एकदम व्यवहारिक होकर निर्णय लेने वाली और रसीदन को फूटी आँख न सुहाने वाली. धुएं सी सुलगती अमीना की जिन्दगानी और साबिर मियां की शहनाई शुरू से आखीर तक उपन्यास की रीढ़ की तरह मौजूद है. इस उपन्यास में दरगाहें और मजारें हैं, बड़ी अहाते वाली ईदगाह, मस्जिदें उनके गुम्बद, पुराने खँडहर और इमारतें हैं. रसीदन समदू फकीर से मिलने शाह की दरगाह आई है और गली में घुसते ही जब उसे कब्रिस्तान दिखाई देता है तब उसी समय हृषिकेश सुलभ बहुत निपुणता से पाठक को इतिहास के भूले बिसरे पन्नों में लेकर चले जाते हैं. ऐसा इस उपन्यास में कई बार होता है . कई पुरानी इमारतें सदियों पुरानी दास्तान बन जातीं हैं. जैसे उजाले में चलते चलते पाठक अचानक किसी पुराने अँधेरे पुल के नीचे से निकलने लगता है और फिर वापस उजाले के रास्ते में आ जाते हैं.

शाह अरजाँ की मजार का जिक्र करते हुए लेखक लिखते हैं- शाह अरजाँ की मजार के ऊपर एक बड़ा सा गुम्बद बना था जिसे उनके उत्तराधिकारी वंश के एक सज्जादानशीं ने उन्नीसवीं शताब्दी में बनवाया था. दरगाह की दीवारें सुनहरे रंग में रंगी हुईं थीं. गुम्बद सफेद थी और उसके निचले हिस्से पर लाल और सुनहले रंग की पत्तियां बनीं हुईं थीं. शाह अरजां के अनुयायी अरजांशाही कहे जाते थे .

कहीं कब्रिस्तान तो कहीं अंग्रेजों का कब्रिस्तानिया भी, जो आजादी के बाद वीरान पडा है और जहाँ कालू मियां की दुकान है . उनकी गद्दी मारिया नाम की किसी अंग्रेज लड़की की कब्र पर है और वे रोज सुबह पहली चाय की प्याली मारिया के नाम गिरा देते हैं. इस तरह के मानवीय रिश्तों के बीच समूचेपन से टूटते दरकते रिश्तों का एक गुमनाम काफिला निकलता है यहाँ .आतिफ खान की छः बेटियां जिनमें से जिबह होती चुप्पी की तरह एक जूबी.. एकबारगी लगता है सब कुछ रुक गया है . लेकिन रुकता कुछ नहीं.

कब्रिस्तान के सन्नाटे के बीच यहाँ मौसिकी की भी एक दुनिया है . साबिर कब्रों की उस दुनिया से अपना अतीत खोजने निकलता है. शहनाई वादक गुलामबख्श और साबिर के अब्बा की शहनाई अतीत के गहरे अँधेरे को धीरे धीरे छांट देते हैं लेकिन वह अन्धेरा मिटता नहीं सिर्फ अपनी जगह बदलता है. पाठक दूसरे कालखंड में जाकर अमीना का बगलगीर उस अँधेरे को एक बार फिर महसूस करता है .

दाता पीर में कई रागों की चर्चा है. हृषीकेश सुलभ रंगमंच ही नहीं मौसिकी के भी जानकार हैं. 'दाता पीर' में वे अमीर खुसरो के गीतों के माध्यम से बड़ी महारत से जगह जगह दर्द उकेरते हैं .लेखक कहते हैं कि एक बहुत पुरानी बंदिश है -गाँठ री मैं कौन जतन कर खोलूँ .

उथल-पुथल से भरे सचों और विडंबनाओं को हृषीकेश सुलभ जी ने ठहर कर और उसे जीते हुए लिखा है. दर्द को घूँट घूँट पीना और उसमें स्वाद को महसूस कराना यह उत्कृष्ट सृजन का असीम सीमांत है .

अमीना और रसीदन का फजलू के लिए कब्र खोदना और फिर दाता पीर की मजार पर जाकर एक दूसरे से लिपटकर कर रोना. समद का आना और रुक जाना. उपन्यास पूरा हो गया है. जीवन की छटपटाहट के बीच पाठक सृजन की संतुष्टि से भर जाता है.

कब्रें खोदकर गुजर बसर करने वाले लोगों पर यह अपने ढंग का एक अनूठा उपन्यास मालूम पड़ता है जिसमें निम्नवर्गीय मुस्लिम समाज के धड़कते जीवन को बहुत सूक्ष्मता पिरोया गया है .

शब्दों के परिवेश के इतने अनुकूल प्रयोग दाता पीर में जगह-जगह चकित करते हैं. देशज शब्दों में उर्दू का मेल है. कोई खटका नहीं और किसी उतार चढ़ाव से परे उपन्यास की भाषा नदी की धारा की तरह बहती है. यहाँ भाषा एक आश्वस्ति की तरह है. पाठक का यह यकीन पुख्ता होता जाता है कि वह बहेगा भी और डूब भी जाएगा.

इस छोटी सी समीक्षा में दाता पीर के फलक को समेटना बिलकुल भी संभव नहीं हुआ है.

(लेखिका कथाकार हैं, संपर्क 6394419003)

छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लाइसेंसी रिवाल्वर कारतूस बरामद

कामयाबी

अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है पुलिस

कूड़ा फेकने के विवाद को लेकर हुई थी मारपीट

जनसंदेश न्यूज

हत्या के आरोप में पकड़े गये आरोपी

मीरजापुर। अघौली में दो पक्षों के मध्य हुए जमीनी विवाद में एक युवक की मृत्यु की घटना से सम्बन्धित उभय पक्षों से 06 आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त लाइसेंसी रिवाल्वर मय कारतूस बरामद किया।

थाना को0देहात, मीरजापुर के ग्राम अघौली में गुरूवार को विवादित जमीन(प्रकरण एसडीएम कोर्ट एवं सिविल कोर्ट में वाद विचाराधीन) में कूड़ा फेकने के विवाद को लेकर दो पक्षों के मध्य मारपीट व फायरिंग की गयी थी, जिससे धर्मेन्द्र पाण्डेय पुत्र स्व0 रघुबीर प्रसाद पाण्डेय उर्फ लल्लू प्रसाद उम्र करीब-55 वर्ष की मृत्य हो गयी थी। तथा दोनों पक्षों से कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। पुलिस अधीक्षक द्वारा उक्त घटनास्थल का निरीक्षण अपर पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकारी सदर व नगर सहित अन्य अधिकारीगण के साथ किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा घटना को गंभीरता से लेते हुए अपर पुलिस अधीक्षक नगर के नेतृत्व में टीम गठित कर घटना से सम्बन्धित आरोपियों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करते हुए घटना में प्रयुक्त असलहे की बरामदगी के निर्देश दिये गये। उक्त निर्देश के अनुक्रम में को प्रभारी निरीक्षक को0देहात विपिन सिंह मय पुलिस बल द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर थाना को0देहात क्षेत्र से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित उभय पक्षों से कुल 06 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

घटना में प्रयुक्त एक लाइसेंसी रिवाल्वर .32 मय 06 कारतूस (04 खोखा व 02 जिंदा) व दो लकड़ी का डण्डा बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया।

महामना के निर्वाण दिवस पर बीएचयू दक्षिणी परिसर में हंगामा

जनसंदेश न्यूज

मीरजापुर। महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के निर्वाण दिवस पर बीएचयू में जहां तमाम छात्र श्रद्धांजलि कार्यक्रम की तैयारी कर रहे थे। जबकि गुटबंदी के शिकार होकर पिटाई किये जाने से आहत छात्रों ने हंगामा कर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। जिन्हें कार्रवाई का भरोसा देकर शांत कराया गया।

बीएचयू में प्रदर्शन करते छात्र।

गया। जिले के बरकछा में स्थित दक्षिणी परिसर में पढ़ने वाले छात्रों को कागजी कार्रवाई के लिए वाराणसी इलख जाना पड़ता है। बताया जाता है कि बरकछा में पढ़ने वाले छात्र अलग अलग तिथि पर वाराणसी मेन ब्रांच में गए थे। उस दौरान कुछ दबंग छात्रों ने गुटबंदी के चलते उनकी परिसर में ही पिटाई कर दी। किसी को रास्ते में पीटा गया तो कोई सेंट्रल लाइब्रेरी में गुंडई का शिकार बना। करीब एक पखवाड़ा में सात छात्रों के साथ [illegible] के लिए मारपीट की गई। पीड़ितों की शिकायत के बावजूद बीएचयू प्रशासनिक विभाग की चुप्पी के चलते महामना की बगिया में बवाल खड़ा हो गया। हंगामा मचने पर आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था की कमान सम्हालने वाले कर्मी पहुंचे। छात्रों को समझाने का प्रयास किया गया। आंदोलनरत छात्र जिम्मेदार अधिकारी से वार्ता कर अपनी पीड़ा व्यक्त करने की मांग कर रहे थे। तमाम शिक्षकों के समझाने के बाद भी छात्र गुंडा गर्दी करने वाले छात्रों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग पर अड़े थे। हंगामा के बीच नारेबाजी कर अपने आक्रोश का इजहार किया। महामना निर्वाण दिवस पर अन्याय के खिलाफ बगावत व्यवस्था का दावा करने वाले बीएचयू प्रशासन के लिए चुनौती रूप में उभर कर सामने आया है। शिक्षा के मंदिर में ज्ञान की ज्योति जलाने के बजाय गुंडागर्दी करने वाले छात्रों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग कर रहे छात्र आंदोलनरत हैं। विभागीय सूत्रों की मानें तो कुछ छात्र गुट कमजोर छात्रों से बजाय केवल वसूली में लिप्त रहते हैं, जिसके कारण महामना के विश्वविद्यालय में शैक्षणिक माहौल को दूषित किया जाता रहा है। बढ़ते अराजकता के खिलाफ कठोर कार्रवाई किए जाने पर जोर दिया गया है।

अनुप्रिया ने किया क्षेत्र का दौरा

दर्जनों गांवों में शोक संवेदना व शिष्टाचार भेंट कर लोगों का जाना हाल

राज्यमंत्री का स्वागत करतीं महिलायें

राजगढ़। केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने राजगढ़ क्षेत्र के दर्जनों गांवों का दौरा कर लोगों के बीच पहुंचीं। भाजपा मण्डल अध्यक्ष प्रवीण कुमार पाण्डेय के घर शिष्टाचार भेंट करने पहुंचीं और उपस्थित लोगों से कुशल क्षेम पूछा तथा सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी ली। इस दौरान भाजपा नेता एवं समाजसेवी जय प्रकाश सिंह ने बिजली के ट्रांसफार्मर को बदलने में की जा रही हीला-हवाली से सांसद अनुप्रिया पटेल को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मर जलने की सूचना देने के बावजूद विभाग के अधिकारी गंभीरता से नहीं लेते और ट्रांसफार्मर बदलने में महीनों लगा देते हैं जिससे किसानों की खेती बाड़ी प्रभावित हो रही है जिसपर उन्होंने बिजली विभाग के उच्चाधिकारियों से बात कर समस्या को तत्काल दूर करने की बात कही। दूबेपुर गांव निवासी शंकर मौर्या ने सड़क की समस्या से सांसद अनुप्रिया पटेल को अवगत कराया। शंकर मौर्या ने बताया कि मुख्य मार्ग से दूबेपुर, रामपुर 38, चौखड़ा सहित दर्जनों गांवों को जोड़ने वाले मार्ग को रेलवे विभाग ने बंद कर दिया है जिसपर अंडरपास बनाकर आवागमन प्रारंभ कराने की मांग किया।

जिसपर उन्होंने समस्या के संबंध में लिखित जानकारी उपलब्ध कराने की बात कही। इस दौरान आगामी कार्यक्रम के अनुसार जौगढ़, बरगवां, खम्हवां, उस्मानपुर, चड़िया, आदि जगहों पर कहीं शिष्टाचार तो कहीं शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचीं।

एसपी ने चील्ह थाने का किया निरीक्षण

मीरजापुर। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने शनिवार को थाना चील्ह का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना कार्यालय परिसर, साइबर डेस्क, महिला हेल्प डेस्क, जनशिकायत आदि का निरीक्षण कर कार्यालयी अभिलेखों के रख-रखाव का आकलन कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। थाना पर आने वाले फरियादियों के साथ विनम्रता पूर्ण व्यवहार करते हुए उनकी समस्या सुनकर समय से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक निर्देश दिये गये। इसी क्रम में थाना परिसर में रखे वाहनों, बैरक, मेस आदि की साफ-सफाई हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। थाना क्षेत्रांतर्गत बाजार, मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, कस्बों आदि जगहों पर पैदल गश्त करने एवं सतर्क दृष्टि रखने तथा रात्रि गश्त करते हुए नियमित रूप से चेकिंग करने, कराने आदि के सम्बन्ध में सभी सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे अमरेंद्र वर्मा एवं थानाध्यक्ष चील्ह सहित पुलिस के अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण मौजूद रहे।

उपजिलाधिकारी ने सहज जनसेवा केंद्र किया सीज

एक का चालान

लेखपाल को निलम्बित करने का दिया निर्देश

जनसंदेश न्यूज

निरीक्षण करते एसडीएम चुनार।

अहरौरा। स्थानीय लोगों की शिकायत की प्रधानमंत्री आवास के नाम पर एक जन सहज सेवा केंद्र के संचालक द्वारा लेखपाल कर्मियों की मिलीभगत से मनमाने ढंग से पैसा लेकर गलत कार्य किया जा रहा है इस शिकायत के आधार पर बनाए गए वीडियो को संज्ञान में लेते हुए एडीएम वित्त एवं राजस्व शिवप्रसाद शुक्ला के निर्देश पर उप जिलाधिकारी चुनार नीरज प्रसाद पटेल ने सहज सेवा केंद्र को शनिवार को सील कर दिया।

वही सहज सेवा केंद्र के संचालक को गिरफ्तार कर शांति भंग की आशंका में चालान कर दिया गया। जानकारी के अनुसार वाराणसी शक्तिनगर मुख्यमार्ग के किनारे महुली चौराहे के पास चल रहे एक जन सहज सेवा पर स्थानीय लेखपालों की मिली भगत से प्रधानमंत्री आवास में लाभार्थियों को पात्र करने के नाम पर अवैध धन उगाही के जा रही थी। सभासद व सांसद प्रतिनिधि सिद्धार्थ सिंह के शिकायत के आधार पर बनाए गए एक वीडियो को एडीएम शिव प्रसाद शुक्ला को भेजे जाने के बाद श्री शुक्ल के निर्देश पर अहरौरा पहुंचे उप जिलाधिकारी नीरज पटेल ने ऑनलाइन सेंटर एवं सहज जनसेवा केंद्र की दुकान को सीज कर दिया। वही सहज जन सेवा केंद्र का संचालन कर रहे राजू पटेल पुत्र रमाशंकर निवासी सुकृत को हिरासत में लेकर शांति भंग की आशंका में चालान कर दिया गया। वही मौके पर उपस्थित लोगों को उपजिलाधिकारी ने लेखपाल के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई करने का आश्वासन भी दिया।

एडीएम वित्त ने धान क्रय केंद्र का निरीक्षण कर दी सख्त चेतावनी

हकीकत

टोकन रजिस्टर में खेल की हकीकत देखने के लिए पलटा पन्ना

कहा किसानों को दें सुविधा

जनसंदेश न्यूज

क्रय केद्र का निरीक्षण करते एडीएम वित्त।

मीरजापुर। किसानों के धान की उपज सरकारी धान क्रय केंद्रों पर की जा रही खरीददारी की हकीकत देखने के लिए अपर जिलाधिकारी वित्त शिव प्रताप शुक्ला ने मण्डी समिति समेत विभिन्न धान क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान किसानों से वार्ता कर क्रय केन्द्र पर मिल रही सुविधा के बारे में जाना। कहा कि किसी भी प्रकार की धांधली करने का प्रयास करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई किया जायेगा।

क्रय केन्द्र का निरीक्षण करने पहुंचे अपर जिलाधिकारी वित्त ने किसान टोकन रजिस्टर का निरीक्षण किया। सबसे अधिक शिकायत इसी रजिस्टर को लेकर किसानों ने किया था। उनका आरोप था कि रजिस्टर के पन्नों में कुछ जगह खाली रखकर अपनों का नाम दर्ज करके आम किसानों को परेशान किया जा रहा है।

उन्हें आगे आने के बाद भी कई दिन बाद फसल लेकर आने को कहा जा रहा है। धान क्रय केन्द्र पर कृषकों से वार्ता कर अपर जिलाधिकारी वित्त शिव प्रताप शुक्ल ने टोकन के सम्बन्ध में फीडबैक लिया। केन्द्र पर क्रय किए धान की बोरियों का भी वजन कराया। जो मानक के अनुसार सही पाया गया। उन्होंने केंद्र प्रभारियों को हिदायत देते हुए कहा कि किसानों के धान को पूरी पारदर्शिता के साथ खरीद की जाए।

किसी समस्या के उत्पन्न होने पर हर हाल में उसका निस्तारण किया जाए। ताकि किसानों को कोई दिक्कत न होने पाएं। धान केंद्र पर किसी भी स्तर पर लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

निबंध प्रतियोगिता में मुकेश सिंह ने अर्जित किया प्रथम स्थान

सीखड़। नरोत्तम सिंह पदम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मगरहां मीरजापुर में रोवर्स रेंजर्स तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता के संबंध में निबंध, पोस्टर तथा क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। जिसमें मुकेश सिंह ने प्रथम स्थान, राघवेंद्र कुमार सिंह द्वितीय तथा संजय प्रजापति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में अंजली सिंह प्रथम, कुमारी सृष्टि द्वितीय तथा लक्ष्मन तृतीय स्थान पर रहे। क्विज प्रतियोगिता में शिवम गिरी, पंकज यादव तथा कुमारी सृष्टि ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों की घोषणा महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ दिनेश कुमार यादव ने किया। समस्त कार्यक्रम प्राचार्य प्रोफेसर मृणालिनी सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्राचार्य ने इस प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागियों को जनपद स्तरीय होने वाली प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी। समस्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रोवर्स प्रभारी डॉ रामनरेश यादव तथा रेंजर्स प्रभारी डॉ नीलम यादव ने किया।

21955 मामलों का निस्तारण कर वसूला 3 करोड़ 48 लाख 83 हजार का प्रतिकर

मीरजापुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, राष्ट्रीय लोक अदालत में 21955 चिन्हित मामलों का निस्तारण और 11 लाख 59 हजार 232 रुपए न्यायालय ने जुमार्ना वसूल हुआ और मृतकों व घायलों को 3 करोड़ 48 लाख 83 हजार 632 प्रतिकर एवार्ड किया गया।

लोक अदालत का शुभारम्भ करते जिला जज

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दीवानी न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत कार्यक्रम का शुभारम्भ जनपद न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनमोन पाल एवं सभी न्यायिक अधिकारीगण संयुक्त रूप से माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यापर्ण व दीप प्रज्जवलित कर शुभारम्भ किया। जनपद न्यायाधीश अनमोन पाल ने सभी न्यायिक अधिकारीगण के साथ बैठक किए। राष्ट्रीय लोक अदालतें को सफल बनाने के लिए ज्यादा से ज्यादा मुकदमों को निस्तारण करने एवं वादकारियों को व्यापक सहुलियत प्रदान करने का निर्देश दिए। जनपद न्यायाधीश अनमोन पाल ने कुल 01 मामलों का निस्तारण किए और अवार्ड पारित किए। प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय दिवाकर प्रसाद चतुवेर्दी ने 1 प्री-लिटिगेशन वैवाहिक मामलों का निस्तारण किए और न्यायालय में लम्बित 33 पारिवारिक मामलों में सुलह-समझौत कराते हुए पति-पत्नी साथ-साथ रहने के लिए राजीखुशी पर भेजे। अपर जिला जज / एफटीसी लाल बाबू यादव ने 04 मुकदमों का निस्तारण किए और 2,000 रुपया जुमार्ना किए।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रत्नम श्रीवास्तव ने कुल 1951 मुकदमों का निस्तारण और 14 लाख 45 हजार 580 जुमार्ना वसूल किए। राष्ट्रीय लोक अदालत में व०लि० दीपक श्रीवास्तव, वरिष्ठ अधिवक्ता बद्री विशाल, रंजीत कुमार डाटा आपरेट एवं समस्त न्यायिक कर्मचारीगण उपस्थित होकर सहयोग प्रदान किए।

एसपी और एडीएम ने सुनी जनता की समस्यायें

मीरजापुर। शासन के निदेश पर प्रत्येक माह के द्वितीय व चतुर्थ शनिवार जनता की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण हेतु जनपद के समस्त थानों में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा द्वारा अपर जिलाधिकारी व नगर मजिस्ट्रेट के साथ क्रमशः थाना चील्ह व थाना विन्ध्याचल पर उपस्थित रह कर आने वाले आमजन की शिकायतें सुनी गईं तथा निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। इसी क्रम में थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना को0कटरा पर अपर पुलिस अधीक्षक व अपर जिलाधिकारी द्वारा, थाना को0शहर पर उपजिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी नगर द्वारा, थाना को0देहात पर मुख्य विकासाधिकारी द्वारा, थाना कछवां पर क्षेत्राधिकारी सदर व नायब तहसीलदार द्वारा, थाना मड़िहान पर क्षेत्राधिकारी आपरेशन, उपजिलाधिकारी व तहसीलदार द्वारा समस्यायें सुनी गई। इस दौरान थानाध्यक्ष व राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीगण के साथ थाने पर आने वाले आमजन की समस्याएं सुनकर मौके पर निस्तारण कराया गया। शेष मामलों के निस्तारण हेतु राजस्व विभाग व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को रवाना किया गया।

चील्ह में समस्या सुनते एसपी व एडीएम एनजी।

देहात कोतवाली में समस्या सुनते एडीएम वित्त।

थाने पर समस्या सुनते ज्वाईंट मजिस्ट्रेट।

एएसपी नक्सल ने सुनी जनता की समस्यायें

जमालपुर। शनिवार को थाना परिसर में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें एडीशनल एसपी महेश अत्री तथा एसडीएम चुनार न्यायिक विजय नारायण सिंह ने फरियादियों की समस्यायों को सुना गया। थाना दिवस पर कुल सात मामले आए लेकिन मामला पेचीदा होने की वजह से किसी भी समस्या का समाधान नही किया जा सका। पांच मामले राजस्व विभाग से तो दो मामले पुलिस विभाग से संबंधित आए थे जिसके निस्तारण के लिये संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया। इस दौरान थानाध्यक्ष मनोज कुमार, उपनिरीक्षक विद्याभूषण राय एवं राजस्व विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

देहात कोतवाली में एडीएम वित्त शिवप्रताप शुक्ला ने सुनी फरियाद

मीरजापुर। थाना देहात कोतवाली में सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर अपरजिलाधिकारी वित्त शिव प्रताप शुक्ला ने शनिवार को जनता की समस्याओं को सुना। मौके पर से प्राप्त 11 प्रार्थना पत्रों पर 01 निस्तारण का निर्देश दिया। अपर जिलाधिकारी वित्त श्री शुक्ल ने सभी समस्याओं को विनम्रता पूर्वक सुना। और सभी मामलों के लिये सम्बंधित विभाग टीम बनाकर के अधिकारियों को मौके पर जाकर निस्तारण करने का आदेश दिया। बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप और प्रत्येक सप्ताह दिन शनिवार को थाना दिवस का आयोजन किया जाता है। सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वह मौके पर जाकर पीड़ितों की समस्याओं को सुनें और यदि किन्हीं कारणवश संभावना हो तो निर्धारित समय सीमा के अंदर निस्तारण अवश्य किया करें।

मौके पर जाकर करें समस्या का समाधान : ज्वाइंट मजिस्ट्रेट

लालगंज। संपूर्ण समाधान दिवस थाना परिसर में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आईएएस नवनीत सेहरा के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। फरियादियों द्वारा कुल 6 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें 1 का मौके पर निस्तारण किया गया। दिवस में राजस्व एवं पुलिस मामलों में टीम बनाकर निस्तारण करने का निर्देश दिया गया। राष्ट्रीय किसान मोर्चा के पदाधिकारियों ने ज्ञापन देकर सिरसी नहर खोले जाने की मांग किया। किसान मोर्चा के ज्ञापन को संज्ञान में लेते हुए ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नवनीत सेहरा ने किसानों को आश्वस्त किया कि उचित समाधान निकाला जाएगा। वहीं किसानों का प्रतिनिधिमंडल मांग किया कि 10 दिन के लिए नहर खोली जाए। जिससे धान की फसल भी बच जाए और एक पानी रबी की बुआई के लिए उपलब्ध होगा। थाना दिवस में अधिकतर मामले जमीन अतिक्रमण और आपसी विवाद से संबंधित दिए गए। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने जमीन संबंधी प्रकरण पर सख्त निर्देश दिया कि मौके पर पहुंचकर स्थलीय सत्यापन करें। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न करें फरियादियों की समस्या निस्तारण करने में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगा। संपूर्ण समाधान दिवस में थानाध्यक्ष रामनारायन, वरिष्ठ एसआई श्याम जी चौकी इंचार्ज तिलाव चौकी इंचार्ज दुबार कला राजस्व निरीक्षक लेखपाल व तहसील प्रशासन के कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षेप

चौकी इंचार्ज ने युवक को पीटकर किया घायल

चुनार। व्यवसाय को लेकर उपजे दो पक्षों के बीच विवाद में एक पक्ष पर पुलिस द्वारा की गयी बदसलूकी नगर में चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस कार्यशैली को लेकर लोगों में आक्रोश व्याप्त है। पीड़ित ने मामले में कस्बा चौकी इंचार्ज सुखवीर सिंह पर सुलह कराने के नाम पर दस हजार रुपये मांगने व न देने पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। सद्दपुर मोहाना निवासी जाफर खां व परिवार के ही कुछ सदस्यों के बीच व्यवसाय को लेकर विवाद चल रहा है। जिसमें कुछ दिन पूर्व एक पक्ष द्वारा पीड़ित को समझौता के लिए बुलाया गया जहां पहुँचने पर उसे मारपीट कर घायल कर दिया गया जिससे उसके दाहिने हाथ की हथेली में लोहा जड़ित पटरे की लकड़ी टूटकर आरपार हो गया था। बहरहाल पुलिस ने मामले में काफी प्रयास के बाद एनसीआर दर्ज किया। पीड़ित ने बताया कि शुक्रवार की शाम कस्बा चौकी इंचार्ज द्वारा फोनकर चौकी पर बुलाया गया वहां पहुचने के बाद मामले को रफा दफा करने के नाम पर दस हजार रुपये की मांग किया जाने लगा। असमर्थता जताने पर चौकी इंचार्ज द्वारा छापड़ों से मारा गया और हथेली में लगे चोट को अपने हाथों से दबाकर उँगली को ऐठ दिया गया जिससे असहनीय पीड़ा हुई। चौकी इंचार्ज ने कहा कि मामले में समझौता कर लो नही तो अन्य संगीन धाराओं में वांछित कर जेल भेज दूँगा। जिंदगी बर्बाद हो जाएगी। पीड़ित ने यह भी कहा कि सीसीटीवी फुटेज की जांच करा दिया तो कस्बा चौकी इंचार्ज के कारनामों का सच सामने आ जाएगा। पीड़ित ने समाधान दिवस में तहरीर देकर मामले की जांचकर न्याय दिलाने की गुहार लगाया है। पुलिस उपाधीक्षक रामानंद राय से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि मामला मेरे संज्ञान में अभी तक नही आया। यदि आता है तो इसकी जांच कराते हुए कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

376 के आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

अहरौरा। स्थानीय पुलिस ने 376 एवं पास्को के आरोपी को उसके घर के पास से शनिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस संबंध में पुलिस ने बताया कि स्थानीय थाना क्षेत्र के पियरवा पोखरा निवासी एक महिला ने स्थानीय थाने में 4 अगस्त को तहरीर देते हुए आरोप लगाया था कि उसकी नाबालिग पुत्री को अजय कुमार बिंद उम्र 22 वर्ष पुत्र सोमनाथ निवासी खेदन के पूरा थाना अदलहाट ने बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया था और उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी अजय कुमार के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत करते हुए शनिवार को अजय बिंद को उसके घर के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

पुलिस ने पांच का किया चालान

जमालपुर। अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाए गए अभियान के दौरान शनिवार को पुलिस द्वारा विभिन्न मुकदमा से सम्बन्धित कुल पांच नफर वारांटी क्रमशः परदेशी पुत्र हीरालाल 22 वर्ष निवासी सहेवां, मुन्ना पुत्र पखंडू नट 55 वर्ष, शमशेर पुत्र दूल्ला नट 58 वर्ष निवासी पिड़खीर, कैलाश वियार पुत्र राजनाथ उर्फ नाथे 62 वर्ष, इंदल वियार पुत्र कैलाश वियार 32 वर्ष निवासी धारा को गिरफ्तार कर सम्बन्धित धारा में मुकदमा पंजीकृत करते हुए न्यायालय में पेशी हेतु भेजा गया।

डिप्टी आरएमओ ने किया क्रय केद्र का निरीक्षण

जमालपुर। शनिवार को जिला खाद्य विपणन अधिकारी धनंजय सिंह ने क्षेत्र के धान क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया। पहले जमालपुर सहकारी संघ धान क्रय केंद्र तथा ओड़ी साधन सहकारी समिती धान क्रय केंद्र का निरीक्षण करने पहुंच गये। क्रय केंद्रों पर बैनर लगा पाया गया। वहीं बाल पेंटिंग के द्वारा दिवाल पर अधिकारियों का मोबाइल नंबर एवं हेल्प लाइन नंबर के लिए प्रभारी सचिवों को निर्देशित किया।

अति संवेदनशील बूथों का उपजिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

अहरौरा। नगर निकाय चुनाव के दृष्टिगत उप जिलाधिकारी नीरज पटेल एवं नायब तहसीलदार अरुण कुमार यादव ने स्थानीय पुलिस को लेकर नगरपालिका क्षेत्र के अति संवेदनशील मतदेय स्थलों का निरीक्षण किया। नगर के बूढ़ादेई, पूर्व माध्यमिक विद्यालय एवं सत्यान गंज में स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय कन्या पाठशाला पर बने मतदेय स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

एसडीएम मड़िहान ने समस्याओं का किया निस्तारण

राजगढ़। एसडीएम मड़िहान अश्वनी सिंह, सीओ नक्सल अजय राय एवं थानाध्यक्ष राजगढ़ अरुण दुबे, कानूनगो, लेखपाल के उपस्थिति में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें सबसे ज्यादा राजस्व से संबंधित मामले आए, जमीन संबंधित कुल सात मामले आए। इस दौरान किसी भी मामले का निस्तारण नही किया जा सका। जिससे लोगों की समस्याएं जस की तस बनीं हुई हैं। वहीं उपस्थित अधिकारियों ने मामले के निपटारे को लेकर कार्यवाही प्रक्रियाधीन करते हुए इति श्री कर दिया। जबकि शासन की ओर से थाने व तहसील पर संचालित इस कार्यक्रम के दौरान अधिक से अधिक मामलों का निपटारा करने का निर्देश दिया गया है लेकिन ऐसे आयोजनों में भी लोगों को त्वरित न्याय नहीं मिल पा रहा है।

प्रेमी संग भागी युवती शादी कर पहुंची थाने

राजगढ़। थाना क्षेत्र के एक गांव से बालिग युवती प्रेमी संघ घर से एक सप्ताह पहले घर से भाग गई थी। जिनके संबंध में युवती के पिता ने लड़की की खोजबीन करने की तहरीर पुलिस को दी है। लड़की के पिता के तहरीर पर पुलिस ने लड़की को गांव के ही एक युवक के साथ भागे जाने का पता लगा लिया। लड़के के पिता पर पुलिस ने दबाव बनाकर लड़की को हाजिर करने की बात कही, जिसपर शनिवार को लड़के की मां ने लड़की को लेकर राजगढ़ थाने पहुंच गई। लड़की ने मिजार्पुर कोर्ट से शादी का अनुबंध पत्र के माध्यम से आपस में शादी करने की बात पुलिस को बताई। पुलिस ने दोनों के बालिग होने पर दोनो पक्षों के माता पिता को राजगढ़ थाने पर बुला कर विधिक कार्यवाई में जुटी हुई है।

दहेज हत्यारोपी महिला को पुलिस ने भेजा जेल

लालगंज। स्थानीय थाना में गोड़र निवासी मिन्ना कोल द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध बावत की पुत्री की दहेज के लिए हत्या कर देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई थी। जिसके आधार पर थाना लालगंज पर संबंधित धाराओं में मुकदमा कायम करके विवेचना प्रारंभ की गई। मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त को पकड़ कर जेल भेजा गया। शनिवार को उ0नि0 धनन्जय सिंह चौकी प्रभारी लहंगपुर मय टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना लालगंज क्षेत्र से नामजद अभियुक्ता दुर्गावती देवी पत्नी रामदेव निवासी कोठी थाना लालगंज मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्ता के विरूद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया

पुलिस ने तीन वारंटियों किया गिरफ्तार

हलिया। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के ढेढ़ी गांव निवासी किनबुदे, बबलू व गलरिया गांव निवासी आशनी को न्यायालय से वारंट जारी होने पर शनिवार को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर तीनों वारंटियों को उनके घर से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। थानाध्यक्ष अतुल कुमार पटेल ने बताया कि विभिन्न मुकदमों में न्यायालय में पेश नही होने पर न्यायालय द्वारा जारी वारंट के अनुपालन में तीनों वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया गया।

युवक ने खाया विषाक्त पदार्थ

राजगढ़। थाना क्षेत्र दरवान गांव में बीती रात अबूझ हाल में युवक ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ में भर्ती कराया। जहां हालत गंभीर देख जिला अस्पताल मीरजापुर रेफर कर दिया गया। क्षेत्र के दरबान गांव निवासी जितेंद्र 20 वर्ष बीते शुक्रवार की रात अबुझहाल में घर में रखा विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

कोतवाल ने सुनी समस्यायें

चुनार। कोतवाली में आयोजित समाधान दिवस में कोतवाल त्रिवेणी लाल सेन ने फरियाद सुना। करनैलगंज निवासी मोईन खान ने शिकायती प्रार्थना पत्र दिया कि पटटीदार सिराजू खान पुश्तैनी हक हिस्से से बढ़कर आने जाने वाले रास्ते में निर्माण करा लिया है। अवैध रूप से किये गये निर्माण को हटवाये जाने की मांग किया है। कुल नौ प्रार्थना पत्र पड़े जिसमें मौके दो का निस्तारण हुआ।

मीरा पी गई विष का प्याला साथ लिए गिरधर गोपाला

अहरौरा। श्री राधा कृष्ण मंदिर परिसर में चल रहे रासलीला के चौथे दिन बरसाना से चल कर आए रासलीला के कलाकारों द्वारा लीला में भक्तमति मीरा के चरित्र की लीला का मंचन किया गया। जिसमें मीरा ने बाल अवस्था में ही संत के माध्यम से अपने ठाकुर जी को प्राप्त किया। हर कदम कदम पर कष्ट उठाया। अपने गिरधर को अपनाया और भक्ति में ऐसी रंग गई की अपना आधार सर्वोत्तम अपने ठाकुर जी को ही बना लिया जिस भक्ति के मार्ग पर चलकर के समस्त कष्ट दूर हो जातें हैं। मीरा को उनके परिवारिजन के द्वारा कष्ट दिया जा रहा था। उनके देवर राजा महाराणा विक्रम सिंह ने मीराबाई को अत्यधिक प्रताड़ित किया। फिर भी अपने गिरधर गोपाल को मीरा ने नहीं विसराया। वही मीरा की भक्ति इतनी प्रबल हुई की स्वयं प्रभु ने दर्शन दे अपने श्री चरणों में लगाया।

तमिल फिल्म में नजर आ सकते हैं धोनी

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अब सिल्वर स्क्रीन पर अभिनय करने के लिए तैयार हैं। धोनी को जल्द ही आप फिल्मी सेट पर देखेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी तमिल फिल्म जगत में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं। धोनी का प्रोडक्शन बैनर धोनी एंटरटेनमेंट आजकल तमिल में कुछ फिल्म प्रोजेक्ट्स का निर्माण कर रहा है। उनकी प्रोडक्शन कंपनी के बैनर तले दक्षिण की फिल्मों का निर्माण होगा। इसी बीच कुछ रिपोर्टों से पता चला है कि धोनी जल्द ही हिटमेकर लोकेश कनगराज की फिल्म में अभिनय करते दिखेंगे। रिपोर्टों के अनुसार, निर्देशक लोकेश कनगराज धोनी को फिल्म में रखना चाहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डायरेक्टर लोकेश सिनेमैटिक यूनिवर्स उर्फ एलसीयू का एक हिस्सा है, जो कि सर्वोच्च प्रतिभाशाली फिल्म निमार्ता द्वारा स्थापित तमिल सिनेमा फ्रैंचाइजी है हालांकि धोनी तमिल फिल्म में एक सहयोगी कलाकार की भूमिका में नजर आ सकते हैं।

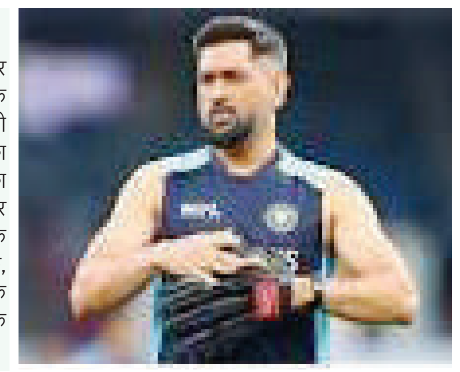

आईसीसी में बीसीसीआई सचिव जय शाह को मिली बड़ी जिम्मेदारी, दूसरी बार आईसीसी चेयरमैन बने बार्कले

प्रत्येक सदस्य ने जय शाह को वित्त एवं वाणिज्यिक मामलों की समिति के प्रमुख के तौर पर स्वीकार कर लिया

लंदन। न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले को शनिवार को सर्वसम्मति से दूसरे कार्यकाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का चेयरमैन चुना गया। बोर्ड बैठक में बार्कले के अलावा बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) सचिव जय शाह को आईसीसी की ताकतवार वित्त एवं वाणिज्यिक मामलों की समिति का प्रमुख चुना गया। बार्कले का कार्यकाल दो वर्ष का होगा। जिम्बाब्वे के तावेंग्वा मुकुहलानी के नाम वापस लेने के बाद बार्कले को निर्विरोध चुना गया। आईसीसी बोर्ड ने बार्कले के पूर्ण समर्थन की पुष्टि की।

बार्कले ने फिर से अपनी नियुक्ति पर कहा, "अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का फिर से चेमरमैन चुना जाना सम्मान की बात है और मैं अपने साथी आईसीसी निदेशकों को उनके समर्थन के लिए शुक्रिया करना चाहूंगा।" बार्कले को नवंबर 2020 में आईसीसी चेयमरैन बनाया गया था। वह इससे पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट के चेमरमैन और 2015 में आईसीसी पुरूष क्रिकेट विश्व कप के निदेशक थे। उन्हें निर्विरोध चुना गया जिसका मतलब है कि 17 सदस्यीय बोर्ड में उन्हें बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) का भी समर्थन प्राप्त था। शाह को आईसीसी की सबसे महत्वपूर्ण समिति की अध्यक्षता की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। यह समिति सभी बड़े वित्तीय नीतिगत फैसले करती है जिसके बाद आईसीसी बोर्ड इन्हें मंजूरी देता है।

आईसीसी सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, "प्रत्येक सदस्य ने जय शाह को वित्त एवं वाणिज्यिक मामलों की समिति के प्रमुख के तौर पर स्वीकार कर लिया। आईसीसी चेयरमैन के अलावा यह समान रूप से ताकतवर उप समिति है।" इस समिति के काम में सदस्य देशों के बीच राजस्व साझा करना शामिल है।

वित्त एवं वाणिज्यिक मामलों की समिति का प्रमुख हमेशा आईसीसी बोर्ड सदस्य होता है और शाह का चुना जाना स्पष्ट करता है कि वह आईसीसी बोर्ड में बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इस समिति के प्रमुख का पद एन श्रीनिवासन के दौर में भारत का हुआ करता था लेकिन शंशाक मनोहर के आईसीसी चेयरमैन के कार्यकाल में बीसीसीआई की ताकत काफी कम हो गयी थी। बल्कि प्रशासकों की समिति के कार्यकाल में ऐसा भी समय आया था जब बीसीसीआई का वित्त एवं वाणिज्यिक मामलों की समिति में कोई भी प्रतिनिधित्व नहीं था। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली पिछले साल तक इस समिति के सदस्य थे। आईसीसी सूत्र ने कहा, "भारत वैश्विक क्रिकेट का व्यावसायिक केंद्र है और 70 प्रतिशत से ज्यादा प्रायोजन इस क्षेत्र से आते हैं। इसलिये जरूरी है कि आईसीसी की वित्त एवं वाणिज्यिक मामलों की समिति की अध्यक्षता हमेशा बीसीसीआई द्वारा ही की जानी चाहिए।"

अभी खेल का अलविदा नहीं कहेंगे विलियमसन

सिडनी। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान केन विलियमसन ने कहा है कि वह अभी खेल को अलविदा नहीं कहेंगे और सभी प्रारुपों में खेलेंगे। विलियमसन विश्व कप में अधिक रन नहीं बना पाये हैं। इससे उनकी टी20 टीम में जगह को लेकर सवाल उठने लगे हैं। उनकी कप्तानी में न्यूजीलैंड लगातार पांचवें सीमित ओवरों के विश्व कप से सेमीफाइनल में पहुंचने के बावजूद विफल रही है। विलियमसन ने कहा, मुझे सभी प्रारूपों में खेलना पसंद है। इतनी क्रिकेट खेली जा रही है लिहाजा सही प्रबंधन जरूरी है। उन्होंने कहा, हमने अलग अलग फाइनल्स खेले और अच्छा प्रदर्शन भी किया। हम जीत सकते थे लेकिन बेहतर टीमों से हारे। एक टूनार्मेंट हारने के बाद आप दूसरे पर ध्यान करते हैं। उन्होंने कहा, मेरा तो यही मानना है। हमारा सफर अच्छा रहा है। हमने अच्छी क्रिकेट खेली है और इसे बरकरार रखना है। पिछले टूनार्मेंट के उप विजेता न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने सात विकेट से हराते हुए तीसरी बार टी20 विश्व कप फाइनल में जगह बनाई। इस पर विलियमसन ने कहा, बेहद निराशाजनक है कि हम पाकिस्तान को कड़ी चुनौती नहीं दे पाए।

चेक गणराज्य की कैटरीना सिनलाकोवा ग्लासगो में अमीरात एरिना में बिली जीन किंग कप टेनिस फाइनल के चौथे दिन संयुक्त राज्य अमेरिका के कोको गॉफ को हराने का जश्न मनाती हुई।

दिल्ली की जीत में धवन व इशांत जबकि मुंबई की जीत में चमके अजिंक्य रहाणे

दिल्ली नेविजय हजारे ट्राफी के शुरूआती मैच में विदर्भ पर पांच विकेट से जीत दर्ज की

नई दिल्ली। अनुभवी खिलाड़ी इशांत शर्मा और शिखर धवन के अहम योगदान से दिल्ली ने शनिवार को विजय हजारे ट्राफी के शुरूआती मैच में विदर्भ पर पांच विकेट से जीत दर्ज की। इशांत ने 24 रन देकर तीन विकेट झटके जिससे दिल्ली ने ग्रुप बी के मैच में टास जीतकर गेंदबाजी का फैसला करने के बाद विदर्भ को 207 रन पर समेट दिया जिसके लिये गणेश सतीश 74 गेंद में 45 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे।

दिल्ली ने यह लक्ष्य 44.5 ओवर में ही हासिल कर लिया जिसमें धवन ने 64 गेंद में 47 रन बनाए जबकि ललित यादव 73 गेंद में 56 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत के लिए केवल वनडे प्रारूप में खेलने वाले धवन इस महीने के अंत में न्यूजीलैंड में तीन मैचों में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करेंगे। उनके अलावा तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए यश धुल 27 गेंदों पर 37 रन बनाए।

वहीं मुंबई और बंगाल के बीच खेले गए मैच में अजिंक्य रहाणे की मुंबई को 8 विकेट से जीत मिली। मुंबई की टीम को जीत के लिए 122 रन का टारगेट मिला था, लेकिन मुंबई ने 30.2 ओवर में 2 विकेट पर 123 रन बनाकर मैच में जीत दर्ज कर ली। मुंबई के लिए इस टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 2 छक्के व 6 चौकों की मदद से नाबाद 59 रन की पारी खेली जबकि पृथ्वी शा ने 26 रन जबकि यशस्वी जयसवाल ने 10 रन की पारी खेली। वहीं इस मैच की पहली पारी में बंगाल की टीम ने 121 रन बनाए थे जिसमें सबसे बड़ी पारी मनोज तिवारी ने खेली औ 47 रन बनाए जबकि अन्य कोई भी बल्लेबाज 12 रन से ज्यादा की पारी नहीं खेल पाया। मुंबई की तरफ से तनुश कोटियान ने 4 विकेट लिए जबकि तुषार देशपांडे और शम्स मुलानी को 2-2 सफलता मिली। *एजेंसी*

टीम के सपोर्ट में खड़े हुए सचिन, कहा- हम वर्ल्ड नंबर वन टीम ऐसे ही नहीं बने

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2022 के दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय टीम को जिस तरह से इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट से हार मिली उसके बाद हर जगह रोहित शर्मा की कप्तानी वाली इस टीम की आलोचना की जा रही है। भारतीय टीम सेमीफाइनल मैच में इंग्लिश टीम के खिलाफ संघर्ष करती हुई बिल्कुल भी नजर नहीं आई और जोस बटलर की कप्तानी में इस टीम ने आसानी से एक बेहद मजबूत भारतीय टीम को परास्त कर दिया। टीम इंडिया की इस हार के बाद को वीरेंद्र सहवाग जैसे पूर्व क्रिकेटर ने यहां तक कह दिया कि वो अगले वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन करने वाले सीनियर खिलाड़ी को नहीं देखना चाहेंगे। वहीं टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने तो टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ के बारे में कहा था कि मैं उनकी काफी इज्जत करता हूं, लेकिन उन्हें बदले जाने की जरूरत है। यही नहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष रमीज राजा ने भारतीय टीम का मजाक बनाते हुए कहा कि बिलियन डालर की टीम टूनार्मेंट से बाहर हो गई जबकि हम फाइनल में पहुंच गए तो वहीं कई अन्य भारतीय व गैर भारतीय पूर्व क्रिकेटर्स ने भी टीम इंडिया के प्रदर्शन पर सवाल खड़े कर दिए, लेकिन इन सारी बातों के बीच टीम इंडिया के पूर्व कप्तान व ओपनर बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भारतीय टीम के साथ खड़े नजर आ रहे हैं।

रुतुराज गायकवाड़ ने नाबाद 124 रन बनाकर अपनी टीम को दिलाई जीत, युवराज सिंह ने बनाए नाबाद 12 रन और लिए एक विकेट

नई दिल्ली। विजय हजारे ट्राफी 2022 के एलीट ग्रुप ई के राउंड 1 के एक मुकाबले में रेलवे ने महाराष्ट्र को 7 विकेट से हरा दिया और इस सीजन की अच्छी शुरूआत की। रेलवे की जीत में टीम के कप्तान व ओपनर बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ की नाबाद शतकीय पारी का बड़ा योगदान रहा और टूनार्मेंट में उनका बेहतरीन फार्म जारी रहा। इस मैच में महाराष्ट्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 218 रन बनाए तो वहीं इसके जवाब में रेलवे ने 38.2 ओवर में 3 विकेट पर 219 रन बनाकर 7 विकेट से मैच को जीत लिया। इस मैच में रेलवे को जीत के लिए 219 रन का आसान लक्ष्य मिला था और इसके जवाब में रेलवे की तरफ से ओपनिंग के लिए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ और राहुल त्रिपाठी आए। दोनों के बीच पहले ही विकेट के लिए 165 रन की बड़ी ही मजबूत साझेदारी हुई और टीम की जीत लगभग यहीं तय हो गई। राहुल को 75 रन पर करन शर्मा ने कैच आउट करवा दिया तो वहीं केदार दाधव एक

रन बनाकर युवराज सिंह की गेंद पर बोल्ड हो गए तो वहीं आजिम काजी 2 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद रुतुराज गायकवाड़ ने अंकित बावने के साथ मिलकर टीम को जीत दिला दीष बवाने ने 10 रन की पारी खेली।

रितुराज गायकवाड़ ने 123 गेंदों पर 7 छक्के व 8 चौकों की मदद से नाबाद 124 रन की पारी खेली और इस टूनार्मेंट में उनका बेहतरीन फार्म जारी रहा। गायकवाड़ ने इस टूनार्मेंट की पिछली छह पारियों में पांचवां शतक लगाया है। इन पारियों में पांच पारियां साल 2021 की है जबकि एक पारी साल 2022 की है जो इस मैच का है। उनकी पिछली छह पारियों के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने इस टूनार्मेंट में कुछ ऐसे रन बनाए हैं।

वहीं इस मैच में पहली पारी में महाराष्ट्र की टीम ने 218 रन बनाए थे जिसमें ओपनर बल्लेबाज शिवम चौधरी ने 46 रन तो वहीं विवेक सिंह ने 32 रन की पारी खेली। मो. सैफ ने टीम के लिए 22 रन का योगदान दिया जबकि अरिंदम घोष ने सिर्फ 5 रन बनाए। इनके अलावा उपेंद्र यादव ने 21 रन, शुभम चौके ने 22 रन व कप्तान करन शर्मा ने 40 रन की पारी खेली। युवराज सिंह ने 14 गेंदों पर नाबाद 12 रन बनाए। *एजेंसी*

आप उनसे उम्मीद करते हैं, जो अच्छा कर सकते हैं, अब उन्हें चिढ़ाइए जिन्होंने मैच गंवा दिया : गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के प्रशंसकों की उम्मीदों को एक बार फिर बहुत बड़ा झटका लगा है। टीम इंडिया सेमीफाइनल में इंग्लैंड के साथ शर्मनाक हार के साथ ही टी20 वर्ल्ड कप मुकाबले से बाहर हो गई है। सन 2007 में टी20 का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम अबतक दूसरे खिताब के लिए तरस रही है। ब्लू आर्मी ने टी20 का पहला खिताब सन 2007 में पाकिस्तान के खिलाफ जोहान्सबर्ग में जीता था। टी20 वर्ल्ड कप 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ मिली शर्मनाक हार के बाद भारतीय टीम के दृष्टिकोण पर कई सारे सवाल खड़े हो रहे हैं। 2007 टी20 वर्ल्ड कप विजेता टीम के खिलाड़ी गौतम गंभीर ने निराशा हाथ लगने के बाद ट्विटर पर एक पोस्ट किया। उन्होंने अपने ट्वीट में टीम इंडिया के प्रशंसकों से कहा आप केवल उनसे उम्मीद करते हैं, जो अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं! इसलिए अब आप उन खिलाड़ियों को चिढ़ाइए। एडिलेड ओवल में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया था। टीम इंडिया की शुरूआत कुछ खास नहीं रही, और सलामी बल्लेबाज केएल राहुल सस्ते में पवेलियन चलते बने। इसके बाद मैदान में विराट कोहली और रोहित शर्मा ने पारी को आगे बढ़ाना शुरू किया। लेकिन यहां कैप्टन रोहित शर्मा भी इंग्लिश गेंदबाजों के सामने जूझते हुए नजर आए।

अगले टी20 वर्ल्ड कप में नहीं होने चाहिए कुछ सीनियर खिलाड़ी, नए लोगों को मिलना चाहिए मौका : सहवाग

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2022 में भारत की हार के बाद वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी टीम के निराशाजनक प्रदर्शन की जमकर निंदा कर रहे हैं। कुछ टीम की बैटिंग पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि कुछ का कहना है कि टी20 जैसे फॉर्मेट में कई सीनियर खिलाड़ी फिट नहीं बैठते। इस बीच भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि वह अगले विश्व कप में मौजूदा टीम के कुछ चेहरे नहीं देखना चाहते हैं। टी20 वर्ल्ड कप का अगला संस्करण 2024 में खेला जाएगा और सहवाग का मानना है कि इस वर्ल्ड कप के लिए भारत को अभी से ही एक युवा टीम तैयार करनी चाहिए। भारतीय पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज ने कहा मैं मानसिकता के बारे में बात नहीं करूंगा, लेकिन मैं निश्चित रूप से खिलाड़ियों में बदलाव देखना चाहता हूं। मैं अगले विश्व कप में कुछ चेहरे नहीं देखना चाहता। यह 2007 टी20 विश्व कप में भी हुआ था। इतने सालों से खेलने वाले दिग्गज खिलाड़ी उस विश्व कप में नहीं गए थे। युवाओं का एक ग्रुप गया और किसी को उनसे कोई उम्मीद नहीं थी और मैं अगले टी20 विश्व कप के लिए इसी तरह की टीम को देखना चाहता हूं, कोई भी उनसे जीतने की उम्मीद नहीं करेगा लेकिन वह टीम भविष्य के लिए होगी। सहवाग ने इस दौरान किसी का नाम तो नहीं लिया, मगर उनका इशारा उन खिलाड़ियों पर है जिनकी उम्र 30 के पार पहुंच गई है। इनमें कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, आर अश्विन, दिनेश कार्तिक समेत कुछ अन्य खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं।

अल्जीयर्स, अल्जीरिया में 2022 फेंसिंग विश्व कप में महिला सेबर व्यक्तिगत फाइनल के दौरान इटली की 6 मिशेला बैटिस्टन (दाएं) स्पेन की लूसिया मार्टिन-पुर्तगाली के खिलाफ मुकाबला करती हुई।

पुर्तगाल के कोच ने की 26 सदस्यीय टीम की घोषणा

लिस्बन । पुर्तगाल के कोच फर्नांडो सैंटोस ने कतर में 2022 फीफा विश्व कप के लिए 26 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसमें दो अनुभवी खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो और पेपे टीम का नेतृत्व जारी रखेंगे। 2006 से टूनार्मेंट के हर सीजन में राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने वाले रोनाल्डो अपने पांचवें विश्व कप में हिस्सा लेंगे। जानकारी के अनुसार बेनफिका के दो युवा खिलाड़ी एंटोनियो सिल्वा और गोंकालो रामोस विश्व कप में डेब्यू कर रहे हैं। आरबी लिपजिग स्ट्राइकर आंद्रे सिल्वा घायल लिवरपूल स्टार डियोगो जोटा की जगह लेंगे। इंग्लिश प्रीमियर लीग में मैनचेस्टर सिटी, मैनचेस्टर यूनाइटेड और वॉल्व्स, पुर्तगाली प्रीमियर लीग में बेनफिका और पोटरे और फ्रेंच लीग 1 के दिग्गज पेरिस सेंट-जर्मेन ने टीम में तीन खिलाड़ियों का योगदान दिया है। सैंटोस ने कहा, मैंने जितने भी खिलाड़ी बुलाए हैं, उनमें जीतने और पुर्तगाल को विश्व चैंपियन बनाने की लत है।

एमिरेट्स एरिना, ग्लासगो, स्कॉटलैंड, में बिली जीन किंग कप फाइनल - 2022 टेनिस मैच के दौरान स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनकिक ने कनाडा की लेयला एनी फर्नांडीज के खिलाफ ग्रुप स्टेज में अपना मैच जीतने का जश्न मनाया।

कानून दमन का हथियार न बने, यह सुनिश्चित करना सभी निर्णय निमार्ताओं की जिम्मेदारी है: सीजेआई चंद्रचूड़

जस्टिस चंद्रचूड़ ने एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा, अदालतों की क्षमता को समझने की जरूरत है, जज का लगातार मूल्यांकन किया जाता है'

नई दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि यह सुनिश्चित करना सभी निर्णय निमार्ताओं की जिम्मेदारी है कि कानून दमन का साधन न बने, बल्कि न्याय का साधन बना रहे।

जस्टिस चंद्रचूड़ ने एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि नागरिकों से अपेक्षाएं रखना बहुत अच्छा है, लेकिन 'हमें सीमाओं के साथ-साथ संस्थानों के रूप में अदालतों की क्षमता को समझने की जरूरत है।' उन्होंने कहा कि कानून न्याय का एक साधन हो सकता है, तो कानून उत्पीड़न का भी साधन हो सकता है। कानून की किताबें आज उत्पीड़न के साधन के रूप में इस्तेमाल की जा सकती हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि मुझे लगता है कि कुंजी वह तरीका है, जिससे हम कानून को संभालते हैं, जिसमें सभी निर्णय लेने वाले शामिल हैं, न कि केवल न्यायाधीश।

उन्होंने कहा, 'जब आपके पास अपने सिस्टम में अनसुनी आवाज सुनने की क्षमता है, तो सिस्टम में अनदेखे चेहरों को देखें और फिर देखें कि कानून और न्याय के बीच संतुलन कहां है तो आप वास्तव में एक न्यायाधीश के रूप में अपना मिशन पूरा कर सकते हैं।' उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया ने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक को पेश किया है क्योंकि एक जज द्वारा कोर्ट रूम में कहे गए हर छोटे शब्द की रीयल-टाइम रिपोर्टिंग होती है और 'एक जज के रूप में आपका लगातार मूल्यांकन किया जाता है।'

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि न्यायाधीश द्वारा अदालत में कहे गए हर शब्द की रीयल-टाइम रिपोर्टिंग होती है। अदालतों में निर्णय लेने की प्रक्रिया संवादात्मक होती है।

सच्चाई को उजागर करने के प्रयास में अदालत में वकीलों और न्यायाधीशों के बीच आपस में बातचीत होती है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि 'हम इंटरनेट और सोशल मीडिया के युग में रहते हैं जो यहां रहने के लिए है। इसलिए, मुझे विश्वास है कि हमें फैशन, री-इंजीनियरिंग, नए समाधान खोजने, फिर से प्रशिक्षित करने, फिर से तैयार करने, यह समझने की कोशिश में अपनी भूमिका पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है कि हम जिस उम्र में रह रहे हैं, उसकी चुनौतियों का सामना कैसे करते हैं।'

राजीव गांधी हत्याकांड में नलिनी समेत पांच दोषी जेल से रिहा

चेन्नई। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या मामले में शनिवार को नलिनी श्रीहरन, उनके पति और तीन अन्य दोषियों को शनिवार शाम तमिलनाडु की जेलों से रिहा कर दिया गया। वेल्लोर में महिलाओं के लिए विशेष जेल से रिहा होने के तुरंत बाद नलिनी वेल्लोर सेंट्रल जेल गई, जहां से उसके पति वी श्रीहरन उर्फ मुरुगन को रिहा कर दिया गया। इस दौरान पति को देखकर नलिनी भावुक हो गईं।

मुरुगन, दोनों श्रीलंकाई नागरिकों के साथ, राज्य के तिरुचिरापल्ली में विशेष शरणार्थी शिविर में रिहाई के बाद पुलिस वाहन में ले जाया गया। यहां पुझल जेल से रिहा हुए दो अन्य लंकाई नागरिकों रॉबर्ट पायस और जयकुमार को तिरुचिरापल्ली के विशेष शरणार्थी शिविर में रखा गया है। इससे पहले मई में रिहा हुए एक अन्य दोषी पेरारिवलन ने अपनी मां अर्पुथम्मल के साथ पुझाल जेल में दोनों की अगवानी की।

बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर बने पैरेंट्स, एक्ट्रेस ने दिया बेटी को जन्म

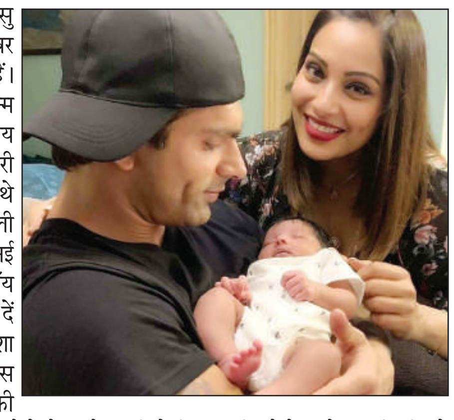

मुंबई। बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर पैरेंट्स बन गए हैं। एक्ट्रेस ने बेटी को जन्म दिया है। काफी समय से दोनों इस खुशखबरी का इंतजार कर रहे थे और अब फाइनली दोनों लाइफ की इस नई जर्नी को साथ में एंजॉय करने वाले हैं। बता दें कि अगस्त में बिपाशा और करण ने एक्ट्रेस की प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी। दोनों ने एक्ट्रेस की बेबी बंप की फोटोज शेयर की थीं जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं। वैसे उससे पहले से बिपाशा की प्रेग्नेंसी की खूब खबरें आ रही थीं, लेकिन एक्ट्रेस ने तब कुछ नहीं कहा। वह कई इवेंट्स और पार्टीज में नहीं जाती थीं। हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू के दौरान बिपाशा ने कहा था कि वह और करण कोविड से पहले बेबी को लेकर प्लानिंग कर रहे थे, लेकिन फिर कोविड के बढ़ते मामलों की वजह से दोनों ने इस आइडिया को तब ड्रॉप कर दिया था। इसके बाद साल 2021 में दोनों ने फिर ट्राई किया और फिर एक्ट्रेस प्रेग्नेंट हो गईं। बिपाशा ने अपनी प्रेग्नेंसी का एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बताया था कि उनकी फिजिकली एक्टिव प्रेग्नेंसी नहीं रही है और उनका रुटीन भी काफी बदल गया था। लेकिन करण इस दौरान काफी सपोर्टिव रहे।

खास खबर

एनएचआरसी ने कहा- किसानों को दोषी नहीं ठहरा सकते, चार राज्य सरकारों की विफलता जिम्मेदार

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने वायु प्रदूषण पर अहम बैठक की। इस दौरान दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों ने भी अपनी बात रखी। सभी का पक्ष सुनने के बाद दिल्ली-एनसीआर में एनसीआर में वायु प्रदूषण को लेकर एनएचआरसी ने कहा कि किसानों को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इसके लिए चार राज्य सरकारों की विफलता जिम्मेदार है। यही वजह है कि पराली जलाने की घटनाएं हो रहीं है।

पायलट समर्थक आचार्य प्रमोद ने राजस्थान की सियासत पर दिया बड़ा बयान, बोले- जल्द होगा नया सवेरा

राजस्थान की सियासत पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में जल्द नया सवेरा होगा। प्रियंका गांधी के करीबी आचार्य प्रमोद ने आज जयपुर में विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी से मुलाकात की। मीडिया से बात करते हुए आचार्य प्रमोद ने इस मुलाकात को गैर सिसायी करार दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान की सियासी हालात पर कांग्रेस आलाकमान की नजर है। कांग्रेस लीडरशिप बहुत जल्द फैसला लेगी। गहलोत समर्थकों के इस्तीफे पर कहा कि हर विधायक कांग्रेस नेतृत्व के फैसले के साथ खड़ा है। जल्द ही इस संबंध में निर्णय लिया जाएगा। बता दें, आचार्य प्रमोद सचिन पायलट समर्थक माने जाते हैं। पायलट को सीएम बनाने की मांग को लेकर बयान देते रहे हैं। आचार्य प्रमोद और स्पीकर जोशी को काफी अहम माना जा रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह सियासी मुलाकात नहीं है। उन्होंने कहा कि स्पीकर भी मानते है कि जो भी फैसला होगा वह हर विधायक स्वीकार करेगा। चाहे वह सीएम गहलोत हो या फिर सचिन पायलट।

आजम खां को सजा से जया प्रदा को मिला सुकून

बोलीं–जो बोया वो काटना भी पड़ता है

वाराणसी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां को हेट स्पीच मामले में तीन साल की सजा मिलने से जहां उनके समर्थक सदमे में हैं तो वहीं फिल्म अभिनेत्री और कभी उनकी करीबी और रामपुर से सांसद रहीं जया प्रदा को सुकून मिला है। शनिवार को वाराणसी पहुंची जया प्रदा ने उनकी मौजूदा स्थिति पर बड़ा बयान दिया। जया ने कहा कि जो बोया वो काटना भी पड़ता है।

बता दें कि अदालत से तीन साल की सजा मिलने के बाद आजम खां की विधानसभा सदस्यता भी चली गई है। उन्हें सुप्रीम कोर्ट से भी कोई राहत नहीं मिली है। आजम लगातार कानूनी पचड़ों में फंसे दिखाई दे रहे हैं। वाराणसी में पत्रकारों ने जब जया प्रदा से आजम खां को लेकर सवाल किया तो शायद पुराने दिनों के उनके जख्म ताजा हो गए। जया प्रदा ने इशारों ही इशारों में आजम के पुराने बयानों की याद दिलाते हुए कहा कि अभद्रता अच्छी बात नहीं है। आजम ने जो बोया है, वही काट रहे हैं।

काशी-तमिल समागम पर बोलीं जया प्रदा

इस दौरान जया प्रदा ने 17 नवंबर से 18 दिसंबर तक आयोजित किए गए काशी तमिल समागम के बारे में कहा कि पीएम मोदी की सोच एक भारत श्रेष्ठ भारत की है। यह कार्यक्रम इसी सोच पर आधारित है। निश्चित ही इसके दूरगामी परिणाम होंगे। ऐसे कार्यक्रमों से उत्तर और दक्षिण के बीच सांस्कृतिक और सामाजिक दूरियां घटेंगी। लोग एक दूसरे को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे।

1950 के दशक की तुलना में आज भारतीय समाज जाति के प्रति ज्यादा जागरूक

नई दिल्ली। आजादी के बाद के दशक की तुलना में आज भारतीय समाज में जाति के प्रति ज्यादा जागरूकता है। यह बात कांग्रेस सांसद और लेखक शशि थरूर ने 'टाटा लिटरेचर फेस्विल' के दौरान कही। 'अंबेडकर की खोई हुई विरासत' विषय पर चर्चा के दौरान थरूर ने कहा, अब हर जाति अपनी पहचान के प्रति सचेत है और यह पहचान का लेबल राजनीतिक लामबंदी के लिए एक प्रतीक बन गया है।₹ कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पुस्तक 'अंबेडकर: अ लाइफ' (डॉ. बी. आर. अंबेडकर की जीवनी) का विमोचन किया। थरूर ने आगे कहा कि अंबेडकर जाति व्यवस्था को पूरी तरह से नष्ट करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि जाति व्यवस्था, राजनीतिक दलों में बहुत ज्यादा व्याप्त है। चर्चा के दौरान श्रोताओं के सवाल के जवाब में कांग्रेस सांसद ने कहा कि जो राजनीतिक दल भेदभाव या छुआछूत के खिलाफ हैं, वे भी जाति के नाम पर वोट मांगते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जाति व्यवस्था खत्म होने से बहुत दूर है। तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने कहा कि अंबेडकर और जवाहर लाल नेहरू

नरेंद्र मोदी स्टेडियम का नाम बदलेगी कांग्रेस: मधुसूदन मिस्त्री बोले- मोदी कभी पटेल नहीं बन सकते, चुनाव में औकात दिख जाएगी

कांग्रेस ने गुजरात चुनाव के लिए अहमदाबाद में पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गुजरात चुनाव के लिए शनिवार को अहमदाबाद में पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। इसमें 10 लाख सरकारी नौकरियां, किसानों की कर्ज माफी और हर महीने 300 यूनिट तक फ्री बिजली देने का वादा किया। कांग्रेस ने अपने मेनिफेस्टो में भारी-भरकम दावे किए, लेकिन इसमें वादों से ज्यादा विवादों की छाया नजर आ रही है।

पार्टी ने अहमदाबाद में नरेंद्र मोदी स्टेडियम का नाम बदलकर सरदार पटेल करने का ऐलान किया। वहीं, बिलकिस बानो गैंगरेप केस के दोषियों की रिहाई रद्द कर उन्हें फिर जेल भेजने की बात भी कही। एक न्यूज चैनल से बात करते हुए पार्टी नेता मधुसूदन मिस्त्री ने तो यह तक कह दिया कि मोदी कभी पटेल नहीं बन सकते। उन्होंने कहा- इस चुनाव में उन्हें औकात दिख जाएगी।

कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में कहा कि सत्ता में आने पर 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी। इनमें महिलाओं को 50% आरक्षण मिलेगा। सरकारी की भर्ती में भ्रष्टाचार और बार-बार पेपर लीक होने की घटनाओं को रोकने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का वादा भी किया गया है। साथ ही बेरोजगारों को 3000 रुपए बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया है।

कांग्रेस ने किसानों की कर्ज माफी करने, हर घर को 300 यूनिट तक फ्री बिजली देने जैसे वादे भी शामिल हैं।

मेनिफेस्टो में किसके लिए क्या है, इसे यहां समझिए...

1. गृहणियों के लिए- कांग्रेस ने वचनपत्र में कहा है कि गृहणियों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर दिए जाएंगे। गैंस सिलेंडर पर बाकी के रुपए सरकार सब्सिडी के रूप में भरेगी।
2. छात्रों के लिए- छात्रों की शिक्षा के लिए विशेष योजनाएं बनाई जाएगी। उच्च शिक्षा की फीस में 20% की कमी की जाएगी। अन्य सेवा शुल्क खत्म किए जाएंगे।
3. किसानों के लिए- किसानों के कर्ज माफ किए जाएंगे। तालाब बनाने के लिए सरकार सब्सिडी देगी। नहर से खेत तक फ्री में पानी पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी।
4. दलित-ओबीसी और अल्पसंख्यकों के लिए- स्थानीय निकाय चुनावों में इन समुदायों को आरक्षण दिया जाएगा। भर्ती प्रक्रिया में भी प्राथमिकता देकर अंत्योदय के सिद्धांतों को लागू किया जाएगा।
5. पंचायत सेवकों के लिए- पंचायतों से छीनी गई शक्तियां उन्हें वापस लौटाई जाएंगी। भ्रष्टाचार की रोकथाम और मनरेगा के लिए समय पर भुगतान को प्राथमिकता दी जाएगी।

6 लाख लोगों से पूछकर बनाया मेनिफेस्टो

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- कांग्रेस हमेशा से मेनिफेस्टो को महत्व देती है। सोनिया गांधी का सख्त निर्देश रहता था कि मेनिफेस्टो को प्रायोरिटी में रखें। उन्होंने कहा- राहुल गांधी ने जो वचन दिए हैं, वो हर हाल में पूरा किया जाएगा। 6 लाख लोगों से पूछकर हमने मेनिफेस्टो बनाया है।

एक और मॉडल ने लगाए साजिद खान पर गंभीर आरोप

कहा- '5 मिनट तक घूरता रहा मेरे प्राइवेट पार्ट',

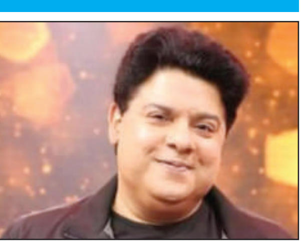

नई दिल्ली। फिल्ममेकर साजिद खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं। उन पर कई एक्ट्रेस और मॉडल ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है और पीड़ितों की यह लिस्ट कम होने की बजाय बढ़ती चली जा रही है। सलोनी चोपड़ा, शर्लिन चोपड़ा, रानी चटर्जी और कनिष्का सोनी के बाद एक और नाम मीडिया में सकुर्लेट हो रहा है, जिसने साजिद खान की गंदी हरकतों पर से पर्दा हटाया है। बिग बॉस के घर में साजिद खान आंख-मिचौली का गेम खेल रहे हैं। पिछले दिनों शो में उनका वायलेंट और गंदा बिहेवियर देखने को मिला था, जब वह गौतम विज को भद्दी-भद्दी गालियां दे रहे थे। साजिद का यह बिहेवियर उन सभी फैंस के लिए शॉकिंग था, जिन्हें शर्लिन चोपड़ा, रानी चटर्जी जैसी मॉडल-अभिनेत्रियों के आरोप झूठे लग रहे थे। लेकिन एक और मॉडल ने साजिद पर गंदी हरकत करने का आरोप लगाया है।

मॉडल और अभिनेत्री रहीं शीला प्रिया सेठ ने एक इंटरव्यू में बताया कि आज से 14 साल पहले यानी 2008 में साजिद ने उनके साथ क्या किया था। तमिल, तेलुगू, मलयालम और अन्य दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम कर चुकीं शीला ने कहा, 'मेरी निर्देशक साजिद से पहली मुलाकात 2008 में हुई थी। जब मैंने उनसे उनकी आने वाली फिल्म में मुझे कास्ट करने के लिए कहा तब उनकी कुछ हरकतों से मैं दंग रह गई।'

नोएडा के बिल्डरों से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के आदेश से बढ़ी फ्लैट खरीदारों की चिंताएं

बकाया राशि का भुगतान के मामलों में बिल्डरों के लिए कम ब्याज दर निर्धारित की गई थी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2020 का अपना वह आदेश वापस ले लिया है, जिसमें नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरणों की बकाया राशि का भुगतान के मामलों में बिल्डरों के लिए कम ब्याज दर निर्धारित की गई थी। इस फैसले से अब फ्लैट खरीदारों में बेचैनी बढ़ गई है। फ्लैट खरीदारों को आशंका है की बिल्डर प्राधिकरण की बकाया रकम देने में आनाकानी करेंगे और इसके चलते अपनी पूरी रकम दे चुके खरीदारों के फ्लैटों की रजिस्ट्री नहीं होगी। अपने फ्लैट की पूरी कीमत चुकाने के बाद भी मालिकाना हक न मिल पाने से खरीदारों में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। फ्लैट ऑनर्स महासंघ ने रजिस्ट्री के लिए तीनों प्राधिकरणों के खिलाफ कार रैली निकालने की तैयारी की है। महासंघ के संस्थापक एडवोकेट नवीन दुबे ने बताया कि यहां के नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्रों में फ्लैट की रजिस्ट्री नहीं हो पा रही है। प्राधिकरण का बिल्डरों पर बकाया है। उन्होंने कहा कि खरीदार अपने फ्लैट की पूरी कीमत दे चुके हैं, लेकिन फ्लैट की रजिस्ट्री नहीं हो रही। इसको लेकर पिछले लंबे समय से दिक्कत चली आ रही है। हाल ही में आए आदेश के बाद अब इस परेशानी के और अधिक बढ़ने की आशंका है, जिसको देखते हुए तय किया गया है कि रजिस्ट्री कराने की मांग को लेकर एक बार फिर से आवाज बुलंद की जाए। दुबे ने कहा कि इसके लिए सोशल मीडिया पर अभियान चलाया गया है। रविवार को इस संबंध में एक बैठक भी आयोजित की गई है, जिसमें कार रैली की तिथि की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि नोएडा एक्सटेंशन, ग्रेटर नोएडा और सेवन एक्स सोसाइटी से तीन रैलियां निकलेंगी। तीनों रैली एक साथ सूरजपुर स्थित कलेक्ट्रेट में पहुंचेंगी और वहां पर अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस बीच, उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी ने मीडिया को जारी एक बयान में कहा है कि नोएडा ,ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण क्षेत्र के फ्लैट खरीदार उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद घबराए नहीं। उन्होंने कहा कि सरकार के लिए खरीदारों और निवेशकों के हित सर्वोपरि है। फ्लैट खरीदारों की रजिस्ट्री करने के लिए प्रदेश सरकार हर संभव कदम उठाएगी। *एजेंसी*

संघ प्रमुख मोहन भागवत बोले, आयुर्वेद को अब फिर से मिल रही पहचान

पहले विदेशियों के आक्रमण के कारण आयुर्वेद का प्रसार रुका

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि पहले विदेशियों के आक्रमण के कारण आयुर्वेद का प्रसार रुक गया था, लेकिन अब इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति को फिर से पहचान मिल रही है। आयुर्वेद को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए कदम उठाने की जरूरत है। मोहन भागवत यहां आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'आयुर्वेद पर्व' में बोल रहे थे। इस मौके पर केंद्रीय आयुष मंत्री सबार्नंद सोनोवाल और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत भी मौजूद रहे। प्रेट्र के मुताबिक, मोहन भागवत ने कहा कि विदेशियों के आक्रमण के कारण लोगों में आयुर्वेद का प्रसार रुक गया था, लेकिन आयुर्वेद को फिर से मान्यता मिल रही है और आयुर्वेद से संबंधित ज्ञान का विस्तार करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि हर किसी को सस्ती और सरल चिकित्सा मिलनी चाहिए और इसके लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद को उसके शुद्धतम रूप में अपनाया जाना चाहिए, ताकि इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले। इस अवसर पर केंद्रीय आयुष मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने कहा कि पिछले सात वर्षों से आयुर्वेद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। उन्होंने अलग आयुष मंत्रालय का गठन करके आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा की और कहा कि इस चिकित्सा प्रणाली को पहले उपेक्षित किया गया था। उन्होंने कहा कि 2014 तक आयुष उद्योग का बाजार आकार केवल तीन बिलियन अमेरिकी डालर था, लेकिन पिछले आठ वर्षों में यह वैश्विक स्तर पर 18.1 बिलियन अमेरिकी डालर हो गया है।

गिलगित-बाल्टिस्तान में तालिबान के आगे बेबस पाकिस्तानी सरकार, लड़कियों का जीना हुआ दुश्वार

अफगानिस्तान पर शासन स्थापित करने के बाद तालिबान अब पाकिस्तान में भी अपनी पकड़ बना रहा

नई दिल्ली। अफगानिस्तान पर शासन स्थापित करने के बाद तालिबान अब पाकिस्तान में भी अपनी पकड़ बना रहा है। गिलगित-बाल्टिस्तान (जीबी) में तालिबान के आगे पाकिस्तानी सरकार बेबस नजर आ रही है। तालिबान और उसके शरिया कानून को मानने वालों ने यहां लड़कियों का जीना दुश्वार कर दिया है। वे स्कूल जाने को तरस रही हैं। पाकिस्तान की बेहूदा नीतियों के बीच, गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में तालिबान के बढ़ते प्रभाव को देखा गया है। गिलगित-बाल्टिस्तान के दियामेर जिले में लड़कियों के एक स्कूल को अज्ञात बदमाशों के एक समूह ने मंगलवार तड़के आग के हवाले कर दिया। स्थानीय मीडिया ने बताया कि आगजनी करने वालों ने ड्यूटी पर तैनात स्कूल गार्ड को किडनैप कर लिया और फिर स्कूल में आग लगा दी। इस स्कूल में कुल 68 छात्राएं पढ़ती हैं। कई महिला नेताओं और कार्यकताओं ने इस हमले का विरोध किया है और जीबी सरकार से त्वरित प्रतिक्रिया की मांग की। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) महिला विंग की उपाध्यक्ष और शिक्षा की संसदीय सचिव, जीबी सुराया जमां ने हमले की निंदा की और आश्वासन दिया कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि छात्राओं को शिक्षा से दूर रखने की साजिश रचने वालों पर एक्शन लिया जाएगा। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, शब्बीर अहमद कुरैशी (डायमर यूथ फेडरेशन के अध्यक्ष) के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने सड़कों पर उतरकर इस घटना का विरोध किया है। उन्होंने दोषियों को पकड़ने में निष्क्रियता के लिए सरकार की आलोचना की। स्थानीय लोगों ने बताया कि 2018 में बदमाशों ने जिले भर में 13 कन्या विद्यालयों को आग के हवाले कर दिया था लेकिन उस समय भी सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। स्थानीय लोगों के गुस्से को शांत करने के लिए अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। लोकल मीडिया के मुताबिक, तालिबान से जुड़े एक समूह (मुजाहिदीन गिलगित-बाल्टिस्तान और कोहिस्तान) ने स्कूल में आग लगाई थी। तालिबान महिलाओं की किसी भी प्रगतिशील गतिविधियों के खिलाफ है। तालिबान शरिया कानून को मानता है और अपनी प्रासंगिकता दिखाने के लिए इस तरह के हिंसक कार्य करता है।

पूर्व मंत्री हाजी याकूब के विदेश भागने की आशंका, परिवार के 10 बैंक खाते मिले, गिरफ्तारी के लिए दबिश

लखनऊ। पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी, उनकी पत्नी संजीदा बेगम, बेटे इमरान, फिरोज समेत सात लोगों पर गैंगस्टर लगाने के बाद पुलिस ने उनकी तलाश में सराय बहलीम कोतवाली सहित कई जगहों पर दबिश दी, लेकिन कोई नहीं मिला। वहीं, पुलिस ने परिवार सहित याकूब का लुकआउट जारी करने के बाद उनके बैंक खातों को खंगालना शुरू कर दिया। पुलिस के मुताबिक याकूब, संजीदा, इमरान, फिरोज, मैनेजर मोहित त्यागी, मुजीब और फैजान के 10 बैंक खाते मिले हैं। इनमें जमा रकम के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने बताया कि याकूब की मीट फैक्टरी का एक बैंक खाता अलग है, उसका पहले ही रिकॉर्ड खंगालकर सीज कराया जा चुका था। पुलिस, प्रशासन समेत कई विभागों की संयुक्त टीम ने 31 मार्च 2022 को हाजी याकूब कुरैशी की हापुड़ रोड स्थित मीट फैक्टरी में छापा मारा था।

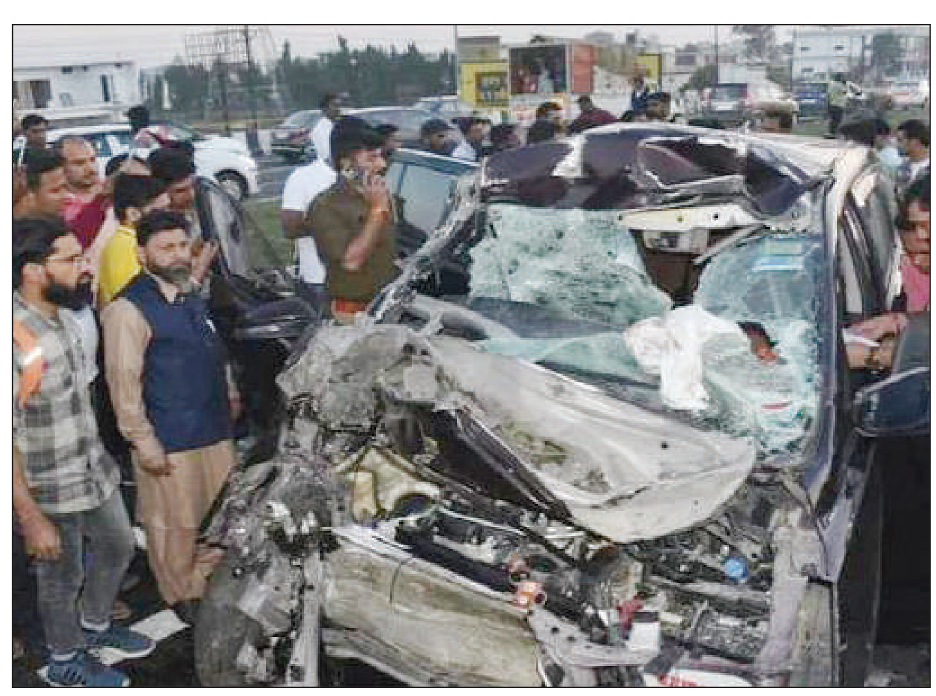

दिल्ली की तरफ से मुरादाबाद की ओर जा रही इनोवा आगे चल रहे अज्ञात वाहन में घुस गई। इनोवा में सवार तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि गौतमबुद्धनगर के नंबर वाली इनोवा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है।

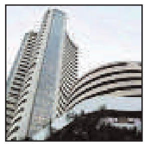

सेंसेक्स
सेंसेक्स 1,181.34 अंक बढ़कर 61,795.04 पर बंद हुआ

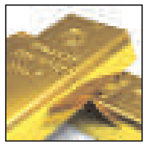

सोना
294 रुपये की बढ़त के साथ 52,663 रुपये प्रति 10 ग्राम

सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी की रही तेजी

सेंसेक्स 1,181.34 अंक बढ़कर 61,795.04 पर बंद, निफ्टी 321.50 अंक बढ़कर 18,349.70 पर बंद हुआ

मुंबई। अमेरिका के उम्मीद से कम रहे महंगाई आंकड़े, एफआईआई की तरफ से लगातार हो रही खरीदारी, मजबूत होता रुपया और इंडिया इंक का मजबूत प्रदर्शन, ये कुछ ऐसे कारण रहे जिन्होंने बाजार के लिए ईंधन का काम किया।? जिससे बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी लगभग दो फीसदी तेजी के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह मंगलवार को गुरुनानक जयंती के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहे इस ?लिए शेयर बाजार में चार कारोबारी ?दिन ही कारोबार हुआ। सोमवार को तेजी के साथ खुला शेयर बाजार सप्ताह के आ?खिर में शुकवार को लगभग दो फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ। बीते चार कारोबारी ?दिनों पर नजर डालें तो वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच बीते सप्ताह सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 362.24 अंक या 0.59 प्रतिशत के लाभ से 61,312.60 अंक पर खुला और 234.79 अंक की बढ़त के साथ 61,185.15 अंक पर बंद हुआ। सी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी शुरूआती कारोबार में 104.55 अंक के लाभ से 18,221.70 अंक पर खुला और 85.65 अंक की बढ़त के साथ 18,202.80 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 173.62 अंक के लाभ से 61,358.77 अंक पर खुला और 151.60 अंक टूटकर 61,033.55 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी शुरूआती कारोबार में 56.70 अंक के लाभ से 18,259.50 अंक पर खुला और 45.80 अंक की गिरावट के साथ 18,157 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 280.36 अंक गिरकर 60,753.19 पर खुला और 419.85 अंक की गिरावट के साथ 60,613.70 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 87.35 अंक गिरकर 18,069.65 अंक पर खुला और 128.80 अंक की गिरावट के साथ 18,028.20 अंक पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 809.64 अंक बढ़कर 61,423.34 अंक पर खुला और 1,181.34 अंक (1.95 प्रतिशत) बढ़कर 61,795.04 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 239.70 अंक बढ़कर 18,267.90 अंक पर खुला और 321.50 अंक (1.78 प्रतिशत) की तेजी के साथ 18,349.70 पर बंद हुआ।

इस हफ्ते सोने-चांदी में शानदार तेजी

इस हफ्ते सोने-चांदी की कीमतों में शानदार तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सराफा बाजार में इस हफ्ते सोना 1,321 रुपए की तेजी आई है। इस हफ्ते की शुरूआत, यानी 7 नवंबर को सोना 50,960 रुपए पर था, जो अब 52,281 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। शानदार तेजी के साथ चांदी एक बार फिर 61 हजार के पार निकल गई है। इस हफ्ते चांदी 60,020 रुपए से बढ़कर 61,354 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी, इस हफ्ते इसकी कीमत में 1,334 रुपए की तेजी आई है। आर्थिक अनिश्चितता के बीच फ्ककजैसे दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने सोने का भंडार बढ़ाया है।

कच्चे तेल में तेजी, देश कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटीं

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में शनिवार को थोड़ी तेजी देखी जा रही है। ब्रेंट क्रूड 2.32 डॉलर बढ़कर 95.99 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर डब्ल्यूटीआई 2.49 डॉलर 88.96 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव देखने को मिल रहा है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 0.66 रुपए सस्ता होकर पेट्रोल 105.96 रुपए प्रति लीटर और डीजल 0.64 रुपए घटकर होकर 92.49 रुपए पर पहुंच गया है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 0.60 रुपए सस्ता होकर 102.98 रुपए प्रति लीटर और डीजल 0.59 रुपए की गिरावट के साथ 95.96 रुपए का हो गया है। हिमाचल प्रदेश, गुजरात और तेलंगाना में पेट्रोल की कीमतों में हल्की तेजी दिख रही है। देश के 4 महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.4 रुपए और डीजल 89.92 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

रिलायंस बनाएगी देश का पहला मल्टीमोडल लॉजिस्टिक पार्क

नई दिल्ली। देश के दूसरे सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज चेन्नई में देश में पहला मल्टीमोडल लॉजिस्टिक पार्क बनाएगी। इस अत्याधुनिक फ्रेट हैंडलिंग फैसिलिटी में कई तरह के ट्रांसपोर्ट के एक्सेस होगा और इसे तीन चरणों में विकसित किया जाएगा। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप यानी पीपीपी मोड में बनाए जा रहे इस प्रोजेक्ट की लागत करीब 1424 करोड़ रुपए है। इसमें करीब 783 करोड़ रुपए का निवेश रिलायंस करेगी। रोड्स, ट्रांसपोर्ट और हाइवे मिनिस्ट्री ने एक बयान में यह जानकारी दी। इसका पहले चरण का काम 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है।

इसके साथ ही इसका कमर्शियल ऑपरेशन शुरू हो जाएगा। 184.25 एकड़ में बन रहे इस पार्क को 45 साल के कंसेशन पीरियड के लिए दिया जाएगा। माना जा रहा है कि यह 71.7 लाख मीट्रिक टन कार्गो हैंडल करेगा। ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री की पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत पूरे देश में इस तरह के 35 पार्क बनाने की योजना है।

स्टार्टअप पीएमवी सबसे सस्ती ई कार ईएएस-ई करेगी लॉन्च, 16 नवंबर को हो सकती है इसकी लांचिंग

नई दिल्ली। मुंबई की स्टार्टअप पीएमवी देश की सबसे सस्ती ई कार ईएएस-ई लॉन्च करने जा रही है।ये एक माइक्रो कैटेगरी की कार होगी।जानकारी के अनुसार कंपनी ईएएस-ई को 16 नवंबर को लॉन्च करेगी।इस कार की कीमत की बात की जाए तो ये केवल 4 लाख रुपये में उपलब्ध होगी।इसके साथ ही ये देश की सबसे सस्ती ई कार हो जाएगी।हालांकि इस कार में केवल 2 ही लोग सफर कर सकेंगे क्योंकि इसमें फ्रंट में एक और बैक में एक सीट ही होगी।हालांकि बैक सीट कुछ बड़ी होगी तो इसमें एक एडल्ट के साथ एक बच्चा आसानी से ट्रैवल कर सकेगा.बताया जा रहा है कि ईएएस-ई एक फुल चार्ज पर 160 किमी. की रेंज देगी। कंपनी इस कार के साथ फास्ट चार्जिंग की सुविधा भी दे रही है जो इसे 3 घंटे में फुल चार्ज कर देगी।हालांकि इसकी बैट्री स्पेसिफिकेशंस की कोई जानकारी नहीं दी गई है।लेकिन कार के कुछ फीचर्स की जानकारी लीक हुई है।कार में दो ड्राइविंग मोड होंगे, इसमें फ्रंटर और रियर ड्राइव होगा।इसमें रिमोट पार्किंग असिस्ट के साथ ही क्लाइमेट कंट्रोल एसी भी होगा।साथ्ज्ञ ही क्रूज कंट्रोल और रिजनरेटिव ब्रेकिंग का ऑप्शन भी आपको मिलेगा।वहीं टच स्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम के साथ ही स्टीयरिंग माउंटेड कंट्रोल भी इसे खास बनाएंगे.ईएएस-ई इतनी स्लीक है कि आपको पार्किंग की समस्या नहीं होगी।साथ ही इसकी स्विफ्ट ड्राइव इसे ट्रैफिक के भी एक सक्सेसफुल कार के तौर पर एस्टेब्लिशि करेगी।इस कार को पीएमवी काफी लंबे समय से तैयार कर रही थी और कई बार इसका इंतजार किया जा रहा था। पहले इसके अक्टूबर में ही लॉन्च होने की चर्चा थी लेकिन अब ये नवंबर में लॉन्च होने जा रही है।

बता दें कि इलेक्ट्रिक व्हीकल का मार्केट तेजी से बढ़ रहा है और टाटा ने तेजी से इस मार्केट पर कब्जा भी किया है।जहां एक तरफ नेक्सॉन ईवी ने सेल्स के रिकॉर्ड बनाए, वहीं टियागो ईवी के लॉन्च होते ही इसकी कम कीमत और फीचर्स के चलते लोगों ने इसे बड़ी संख्या में बुक किया है।लेकिन अब एक ऐसी कार लॉन्च होने जा रही है जो शायद टियागो के मार्केट को खराब कर दे। *एजेंसी*

अमेरिका ने भारत को मुद्रा निगरानी सूची से हटाया

वाशिंगटन। अमेरिका के वित्त विभाग ने इटली, मेक्सिको, थाईलैंड, वियतनाम के साथ भारत को प्रमुख व्यापारिक भागीदारों की मुद्रा निगरानी सूची से हटा दिया है। भारत पिछले दो साल से इस सूची में था। इस व्यवस्था के तहत प्रमुख व्यापार भागीदारों के मुद्रा को लेकर गतिविधियों तथा वृहत आर्थिक नीतियों पर करीबी नजर रखी जाती है। अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने अपनी भारत यात्रा के साथ हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बैठक की। इसी दिन अमेरिका के वित्त विभाग ने यह कदम उठाया है। वित्त विभाग ने संसद को अपनी छमाही रिपोर्ट में कहा कि चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, मलेशिया, सिंगापुर और ताइवान सात देश हैं जो मौजूदा निगरानी सूची में हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन देशों को सूची से हटाया गया है उन्होंने लगातार दो रिपोर्ट में तीन में से सिर्फ एक मानदंड पूरा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन अपने विदेशी विनिमय हस्तक्षेप को प्रकाशित करने में विफल रहने और अपनी विनिमय दर तंत्र में पारदर्शिता की कमी के चलते वित्त विभाग की नजदीकी निगरानी में है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर गिरावट

मुंबई। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर से गिरावट देखी गई है। चार नवंबर 2022 को समाप्त सप्ताह में यह इसका कारण स्वर्ण भंडार में आई भारी गिरावट है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। रिजर्व बैंक के मुताबिक 28 अक्टूबर 2022 को समाप्त सप्ताह में अपना विदेशी मुद्रा भंडार 6.56 अरब डॉलर बढ़ा था। उस समय यह बढ़ कर 531.08 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। यह वर्ष के दौरान किसी एक सप्ताह में आई सबसे अधिक तेजी थी। एक साल पहले अक्टूबर, 2021 में देश का विदेश मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। देश के मुद्रा भंडार में गिरावट आने का मुख्य कारण यह है कि वैश्विक घटनाक्रमों की वजह से रुपए की गिरावट को थामने के लिए केन्द्रीय बैंक मुद्रा भंडार से मदद ले रहा है। खुले बाजार में भी रुपए की कीमत थामने के लिए डॉलर की बिक्री करनी पड़ रही है। इसी वजह से डॉलर का भंडार कम हो रहा है। रिजर्व बैंक द्वारा जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार चार नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान मुद्रा भंडार का महत्वपूर्ण घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 12 करोड़ डॉलर घटकर 470.73 अरब डॉलर रह गई। डॉलर में अभिव्यक्त किए जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पौंड और जापानी येन जैसे गैर डॉलर मुद्रा के मूल्य में आई कमी या बढ़त के प्रभावों को दशार्या जाता है। आंकड़ों के अनुसार, मूल्य के संदर्भ में देश का स्वर्ण भंडार 70.5 करोड़ डॉलर घटकर 37.057 अरब डॉलर रह गया।

जेट एयरवेज को 308 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी जेट एयरवेज को सितंबर में समाप्त तिमाही में 308.24 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। एयरलाइन कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जेट एयरवेज का परिचालन तीन साल से अधिक से बंद है। विमानन कंपनी ने एक साल पहले इसी अवधि में 305.76 करोड़ रुपए का घाटा दर्ज किया था। कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत जालान फ्रिट्स गठजोड़ एयरलाइन के लिए विजेता बोलीदाता के रूप में उभरा था। पिछले साल जून में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने गठजोड़ की समाधान योजना को मंजूरी दे दी थी।

हालांकि, जेट एयरवेज अबतक परिचालन शुरू नहीं कर पाई है। चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में जेट एयरवेज की कुल आय एक साल पहले की समान अवधि के 45.01 करोड़ रुपए से घटकर 13.52 करोड़ रुपए रह गई। सितंबर तिमाही में जेट एयरवेज का कुल खर्च भी बढ़कर 321.76 करोड़ रुपए हो गया।

आईडीएफसी म्युचुअल फंड ने दो नए टारगेट मैच्योरिटी फंड लॉन्च किए

लखनऊ। आईडीएफसी म्यूचुअल फंड ने आईडीएफसी क्रिसिल आईबीएक्स 90:10 एसडीएल प्लस गिल्ट-नवंबर 2026 इंडेक्स फंड और आईडीएफसी क्रिसिल आईबीएक्स 90:10 एसडीएल प्लस गिल्ट-अप्रैल 2032 इंडेक्स फंड लॉन्च करने की घोषणा की है। ये फंड ओपन एंडेड टार्गेट मैच्योरिटी इंडेक्स फंड हैं, जो क्रमशः क्रिसिल आईबीएक्स 90:10 एसडीएल प्लस गिल्ट इंडेक्स-नवंबर 2026 और क्रिसिल आईबीएक्स 90:10 एसडीएल प्लस गिल्ट इंडेक्स-अप्रैल 2032 में निवेश करेंगे। आईडीएफसी क्रिसिल आईबीएक्स 90:10 एसडीएल प्लस गिल्ट- नवंबर 2026 इंडेक्स फंड सोमवार, 14 नवंबर, 2022 को निवेश के लिए खुलेगा और बुधवार, 16 नवंबर, 2022 को बंद होगा। आईडीएफसी क्रिसिल आईबीएक्स 90:10 एसडीएल प्लस गिल्ट- अप्रैल 2032 इंडेक्स फंड सोमवार, 14 नवंबर, 2022 को निवेश के लिए खुलेगा और सोमवार, 28 नवंबर, 2022 को बंद होगा। निवेश लाइसेंसशुदा म्यूचुअल फंड वितरकों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के साथ-साथ किया जा सकता है। इस बारे में जानकारी देते हुए कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो में स्टेट डेवलपमेंट लोन्स (एसडीएल) टारगेट मैच्योरिटी इंडेक्स फंड्स को शामिल करने पर विचार क्यों कर सकते हैं, विशाल कपूर, सीईओ, आईडीएफसी एएमसी ने कहा कि विवेकपूर्ण निवेशक समझते हैं कि एसेट एलोकेशन रणनीति के माध्यम से अपने निश्चित आय पोर्टफोलियो में विविधता लाना महत्वपूर्ण है। यह गुणवत्ता, उचित स्थिरता, तरलता और पारंपरिक निश्चित अवधि के उपकरणों की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक रिटर्न अर्जित करने की क्षमता का बेहतरीन कॉम्बीनेशन प्रदान करेगा।

जल्द ही कम हो सकती है महंगाई, सरकार और आरबीआई मिलकर उठा रहे हैं कदम

अक्टूबर के आंकड़ों में खुदरा महंगाई दर 7 प्रतिशत के नीचे आने की उम्मीद, महंगाई कंट्रोल करने के लिए आरबीआई ने ब्याज दरों को बढ़ाया वहीं सरकार ने आपूर्ति को बढ़ाया

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि अक्टूबर के आंकड़ों में खुदरा महंगाई दर 7 प्रतिशत के नीचे आने की उम्मीद है। इसके साथ ही उन्होंने महंगाई को सरकार और आरबीआई के सामने एक चुनौती बताया। आगे उन्होंने कहा कि अगर लगातार तीन तिमाही महंगाई दर आरबीआई की ओर से तय किए गए बैंड 2-6 प्रतिशत से अधिक रहती है, तो इसे मौद्रिक नीति की विफलता माना जाएगा। इसके बाद आरबीआई की ओर से केंद्र सरकार को एक पत्र लिखना होगा, जिसमें महंगाई के उच्च स्तर पर रहने का कारण, कम करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों और कितने समय में महंगाई कम हो जाएगी, इस बारे में पूरी जानकारी देनी होगी। दास ने जोर देते हुए कहा कि आरबीआई महंगाई को 4 प्रतिशत पर लाने के लिए प्रतिबद्ध है। आरबीआई गवर्नर दास ने कहा कि ग्लोबल अस्थिरता के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन शानदार रहा है और अर्थव्यवस्था मैक्रोइकॉनॉमिक फंडामेंटल लचीले बने हुए हैं। बता दें, भारतीय अर्थव्यवस्था अभी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ रही है।

आरबीआई गवर्नर दास ने बताया कि पिछले छह से सात महीनों में महंगाई को कम करने के लिए सरकार और आरबीआई लगातार कदम उठा रही है। आरबीआई ने ब्याज दरों को बढ़ाया है और वहीं, सरकार ने आपूर्ति को बढ़ाया है। सरकार के द्वारा जारी किए गए आंकड़ों में खुदरा महंगाई 7.4 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जो कि अगस्त में 7 प्रतिशत थी। महंगाई अधिक होने के पीछे का कारण दुनिया में कच्चे तेल और खाद्य उत्पादों की कीमत अधिक होना है। *एजेंसी*

टोयोटा जल्द लांच करेगी अपनी एसयूवी हाईराइडर नए सीएनजी वेरिएंट को

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर जल्द ही बाजार में अपनी मशहूर मिड-साइज एसयूवी हाईराइडर के नए सीएनजी वेरिएंट को लांच करने जा रहा है। कंपनी ने आधिकारिक तौर पर एसयूवी की बुकिंग शुरू कर दी है। ये देश की पहली एसयूवी होगी, इस कंपनी फिटेड सीएनजी किट के साथ लांच किया जाएगा। रेगुलर पेट्रोल और हाइब्रिड इंजन के साथ आने वाली इस एसयूवी को कंपनी ने इसी साल बाजार में पेश किया था, जिसकी कीमत 10.48 लाख रुपये से लेकर 18.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) के बीच है। हालांकि नए सीएनजी मॉडल की कीमत थोड़ी ज्यादा होगी, लेकिन इससे बेहतर माइलेज की पूरी उम्मीद की जा सकती है। बता दें कि, हाईराइडर को संयुक्त रूप से टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन और सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन ने मिलकर तैयार किया है। इसी एसयूवी पर बेस्ड मारुति सुजुकी ने हाल ही में अपनी ग्रेट विटारा को भी लांच किया था। टोयोटा की ये एसयूवी स्ट्रांग हाइब्रिड और माइल्ड हाइब्रिड दोनों इंजन विकल्प के साथ बिक्री के लिए उपलब्ध है। कंपनी का दावा है कि इसका स्ट्रांग हाइब्रिड वेरिएंट 27.97 किलोमीटर प्रतिलीटर, माइल्ड हाइब्रिड (मैनुअल) वेरिएंट 21.12 किलोमीटर प्रतिलीटर, ऑटोमेटिक वेरिएंट 19.39 किलोमीटर प्रतिलीटर तक का माइलेज देने में सक्षम है। कंपनी इसके सीएनजी वेरिएंट में 1.5 लीटर की क्षमता का के-सीरीज इंजन इस्तेमाल करेगी, जो कि 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन गियरबॉक्स से लैस होगा। बताया जा रहा है कि इसका सीएनजी वेरिएंट 26.1 किलोमीटर प्रतिकिलोग्राम तक का माइलेज देगा। फिलहाल ये एसयूवी कुल चार वेरिएंट्स में आती है, जबकि इसका सीएनजी मॉडल कुल दो वेरिएंट्स में उपलब्ध होगा। कीमत में ये रेगुलर पेट्रोल मॉडल के मुकाबले तकरीबन 1 लाख रुपये तक महंगी हो सकती है, बहुत जल्द ही इसकी कीमत का भी खुलासा होगा। कंपनी फिटेड सीएनजी किट के अलावा एसयूवी के एक्सटीरियर या इंटीरियर में किसी तरह के बदलाव की उम्मीद नहीं है। फीचर्स के तौर पर मौजूदा हाईराइडर में एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप, ट्वीन एलईडी डे टाइम रनिंग लाइट्स, 17 इंच का अलॉय व्हील, एलईडी टेल लाइट्स, पैनारोमिक सनरूफ, हेड-अप डिस्प्ले, टेलेस्कोपिक स्टीयरिंग, 9 इंच का स्मार्ट प्लेकास्ट ट्चस्क्रीन इंफोटेंमेंट सिस्टम, फ्रंट वेंटिलेटेड सीट और 360 डिग्री कैमरा जैसी सुविधाएं मिलती हैं। *एजेंसी*

संक्षेप

एनपीसीआई ने 123पे पर बिजली बिल के भुगतान की सेवा शुरू की

नई दिल्ली। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने घोषणा की है कि 70 से अधिक बिजली बोर्डों के लिए बिजली बिल भुगतान सेवा अब 123पे पर शुरू कर दी गई है। भारत बिल पेमेंट सिस्टम (बीबीपीएस) द्वारा संचालित यह सुविधा उपयोगकर्ताओं के लिए 123पे के माध्यम से एक आसान और त्वरित बिजली बिल भुगतान सेवा की सुविधा प्रदान करेगी, ताकि वे सीधे अपने बैंक खातों से भुगतान कर सकें। इस तरह यह प्रक्रिया संबंधित कार्यालय में कागजी जांच करने या नकद भुगतान करने की आवश्यकता को समाप्त कर देगी। यह सर्विस फीचर फोन और स्मार्टफोन यूजर्स दोनों के लिए उपलब्ध होगी। सौरभ तोमर, प्रमुख- यूपीआई और आईएमपीएस प्रोडक्ट, एनपीसीआई ने कहा, ह्यह्महमें 123पे द्वारा दी जाने वाली सेवाओं को इसके असंख्य उपयोगकर्ताओं के लिए बढ़ाने की खुशी है। हमारा मानना है कि 123पे द्वारा वॉयस-इनेबल्ड बिजली बिल भुगतान कार्यक्षमता देश भर के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में यूपीआई की मंजूरी को और बढ़ावा देगी और बिल भुगतान के तरीके को बदल देगी। ये भुगतान कॉल पर वॉयस सुविधा के माध्यम से बिल भुगतान की प्रक्रिया के जरिये न केवल समय की बचत करेंगे बल्कि सुविधाजनक रूप से आधुनिकीकरण भी करेंगे। आगे बढ़ते हुए, हम 123पे द्वारा दी जाने वाली सेवाओं के दायरे का विस्तार करना जारी रखेंगे और इस तरह इसके उपयोगकर्ताओं को पहले से अधिक सुविधा मिल सकेगी।

अशोक लेलैंड के शुद्ध लाभ में 340 प्रतिशत की बढ़ोतरीन

नई दिल्ली। हिंदुजा समूह की प्रमुख भारतीय कंपनी अशोक लेलैंड ने वित्त वर्ष 23 की दूसरी तिमाही में 99 करोड़ रुपए का प्रॉफिट आफ्टर टैक्स दर्ज किया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 83 करोड़ रुपए का घाटा दर्ज किया गया था। कंपनी ने दूसरी तिमाही में बाजार हिस्सेदारी में 32 फीसदी तक की छलांग लगाई। तिमाही में राजस्व 8266 करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले साल की इसी अवधि में यह राशि थी 4458 करोड़ रुपए। अशोक लेलैंड का घरेलू एमएचसीवी वॉल्यूम 25475 पर रहा, इस तरह पिछले वर्ष की इसी अवधि (11988 संख्या) की तुलना में 113 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो उद्योग की वृद्धि के दोगुने से भी अधिक है। इससे अशोक लेलैंड को तिमाही में 9.6 फीसदी की बाजार हिस्सेदारी हासिल करने में मदद मिली।वित्त वर्ष 23 की दूसरी तिमाही के लिए अशोक लेलैंड का घरेलू एलसीवी वॉल्यूम 17040 पर है जो क्यू2 एफवाई 22 की दूसरी तिमाही से 28 प्रतिशत (13328 संख्या) अधिक है। क्यू2 एफवाई23 के लिए एक्सपोर्ट वॉल्यूम (एमएचसीवी और एलसीवी) 2780 संख्या पर, पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक (2227 संख्या)।कंपनी ने वित्त वर्ष 23 की दूसरी तिमाही में 537 करोड़ (6.5 प्रतिशत) का ईबीआईटीडीए दर्ज किया, जबकि पिछले साल की इसी अवधि में यह राशि थी 135 करोड़ रुपए (3.0 प्रतिशत)।वित्त वर्ष 23 की दूसरी तिमाही में 2677 करोड़ रुपए का कर्ज था। डेट इक्विटी वित्त वर्ष 23 की दूसरी तिमाही में 0.37 गुना थी, जबकि वित्त वर्ष 22 की दूसरी तिमाही में यह 0.48 गुना थी।कंपनी ने भारत के पहले मॉड्यूलर ट्रक प्लेटफॉर्म एवीटीआर रेंज के लिए अच्छी डिमांड देखी, और इस मांग में और सुधार होने की उम्मीद है, जो आर्थिक गतिविधियों में अपेक्षित वृद्धि को दशार्ता है।

बीएल एग्रो को मिले नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म्स14, 15 और 16 के नामकरण का अधिकार

नोएडा। भारत की अगृणी एफएमसीजी कंपनी बीएल एग्रो ने नई परंपरा रखी है. नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 14, 15 और 16 के नाम रखने के अधिकार पाने वाली पहली कंपनी बन गई है। इस अनुबंध का समय फिलहाल अक्टूबर से एक साल तक के लिए है।पहली बार निजी संस्थानों से ऐसा अनुबंध किया गया है जिसके अंतर्गत प्रतिष्ठित व्यवसायों या सरकारी संगठनों को यह अधिकार दिया गया है।इस ऐतिहासिक करार के साथ ही नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 14 और 15 के नाम अब नरिश प्लेटफॉर्म 14 और नरिश प्लेटफॉर्म 15 तथा स्टेशन के अजमेरी गेट की तरफ स्थित प्लेटफॉर्म नंबर 16 का नाम अब बैल कोल्हू प्लेटफॉर्म नंबर 16 होगा। नरिश प्लेटफॉर्म 14 और 15 व बैल कोल्हू प्लेटफॉर्म 16 एरिया में डिस्प्ले भी लगेंगे जिसमें बैल कोल्हू और नरिश के विज्ञापन दशार्ये जायेंगे. इस साझेदारी में प्लेटफॉर्म पर यात्रियों के टहलने वाले एरिया मेंपैनल्स, बिलबोर्ड्स, विनायल रैपिंग और अन्य पर बीएल एग्रो को ब्रांडिंग के भी अधिकार मिले हैं। इन प्लेटफॉर्म्सपरबैल कोल्हू का प्रचार कर रहे मनोज बाजपेयी, पंकज त्रिपाठी और नवाजुद्दीन सिद्दीकी और नरिश की ब्रांड एंबेसडर शिल्पा शेट्टी के विज्ञापन दिखाई देंगे। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, यह एक रचनात्मक और अनूठी पहल है, जिसमें प्लेटफॉर्म की ब्रांडिंग का लाइसेंस एक निजी संस्था को दिया गया है। बीएल एग्रो के चेयरमैन श्री घनश्याम खंडेलवाल ने कहा, "यह भारतीय रेलवे की प्रशंसनीय पहल है और ऐसी प्रगतिशील सोच के लिए मैं मंत्रालय को बधाई देता हूं। वास्तव में यह हमारे लिए एक मील का पत्थर है और हम नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से यह नई शुरूआत करने के लिए उत्साहित हैं।

भारतीय आईटी कंपनी जोहो ने कम कर दी नई भर्तियां

नई दिल्ली। मंदी की आशंका और कारोबार में कमजोरी के चलते ट्विटर और मेटा जैसी दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनियों ने हजारों कर्मचारियों की छंटनी कर दी। इसी कड़ी में भारतीय आईटी कंपनी जोहो ने भी नई भर्तियों को कम कर दिया है। जोहो के को-फाउंडर और सीईओ श्रीधर वेम्बु ने चेताया कि ग्लोबल टेक्नोलॉजी सेक्टर में एक बड़ी गिरावट देखने को मिलेगी, जिसके चलते उन्होंने कंपनी में हायरिंग प्रोसेस को धीमा कर दिया है। जोहो के दुनिया भर में 11,000 से ज्यादा कर्मचारी हैं। जुलाई में कंपनी ने ऐलान किया था कि वह भारत और विश्व स्तर पर अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए 2000 कर्मचारियों को काम पर रखेगी। वेम्बू ने कहा कि कंपनी ने पहले घोषित योजनाओं के अनुसार अधिकांश कर्मचारियों को काम पर रखा है।हम अभी भी लोगों को काम पर रख रहे हैं लेकिन हायरिंग प्रोसेस को बहुत धीमा कर दिया है लेकिन मैं यह सुनिश्चित करना चाहूंगा कि कि हमारे कर्मचारियों की नौकरियां सुरक्षित हैं। जोहो के सह-संस्थापक और सीईओ श्रीधर वेम्बु ने एक साक्षात्कार में यह बात कही।

त्यौहारी सीजन में देश में यात्री वाहनों की ब्रिकी 29 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई। देश में त्यौहारों के दौरान मांग में तेजी के कारण देश में यात्री वाहनों (पीवी) की थोक बिक्री अक्टूबर 2022 में सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 2,91,113 इकाई पर पहुंच गई। वाहन बनाने वाली कंपनियों के संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने यह जानकारी देकर कहा कि त्यौहारी सीजन में मजबूत मांग के कारण वृद्धि देखी गई है। अक्टूबर 2021 में 2,26,353 यात्री वाहनों की डीलरों को आपूर्ति की थी। वहीं, दोपहिया वाहनों की बिक्री भी अक्टूबर, 2022 में दो प्रतिशत बढ़कर 15,77,694 इकाई हो गई। सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा, त्यौहार के दौरान मांग में वृद्धि और बाजार धारणा अच्छी होने से अक्टूबर में बिक्री भी अच्छी रही, विशेषकर यात्री वाहनों की। उन्होंने बताया कि ऊंची मुद्रास्फीति और ब्याज दरों में बढ़ोतरी ने ग्रामीण बाजार को ज्यादा प्रभावित किया है, इसकारण दो पहिया वाहन श्रेणी में वृद्धि मामूली रही। पिछले महीने तिपहिया वाहनों की बिक्री बढ़कर 54,154 इकाई हो गई।

बिरला कॉर्पोरेशन की तिमाही की बिक्री बढ़ी

कोलकाता। बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने सितंबर तिमाही में बिक्री में 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। मात्रा के हिसाब से सीमेंट की बिक्री में दो अंकों की वृद्धि के बावजूद, बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड की सितंबर तिमाही की लाभप्रदता बिजली और ईंधन की लागत में तेज वृद्धि से प्रभावित हुई, जो कि मौसमी रूप से कमजोर मानसून तिमाही में उपभोक्ताओं तक ट्रांसफर नहीं की गई।

तालाब में डूबने से किशोर की मौत

जनसंदेश न्यूज

दुःखद

खेतासराय के पुरानी बाजार का निवासी था मृतक कुणाल

खेतासराय। स्थानीय कस्बा के रामप्रताप चौधरी के ट्यूबेल स्थित तालाब में डूबने से शनिवार की अपराहन 22 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई। युवक की पहचान पुरानी बाजार मोहल्ला निवासी धीरेंद्र गुप्ता उर्फ काजू के बड़े पुत्र कुणाल गुप्ता के रूप में हुई है।

कुणाल गुप्ता रोज की तरह घर से खाना पीना खाकर अपने कुछ दोस्तों के साथ घूमने के लिए निकला। काफी खोजबीन के बाद जब घर नहीं पहुंचा तो परिवार वालों ने उसके दोस्तों से जानकारी की। इस दौरान पता चला कि चौधरी दादा के ट्यूबवेल के पास देखा गया था, वहां जाने पर उसका शर्ट और चप्पल पड़ा मिला। किसी अनहोनी की आशंका में परिवार के लोग वहां पहुंचकर छोटे गड्ढा नुमा तालाब से छानबीन करवाया तो युवक का शव पानी में मिला। मामले की जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष यजुवेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक कस्बा इंचार्ज महंगू यादव, कांस्टेबल संदीप, राजकुमार यादव व यूपी डायल 112 की टीम ने मौके पर पहुंच कर छानबीन शुरू कर दिया है। पुलिस ने बड़ी मशक्कत के बाद युवक के शव को तालाब से बाहर निकाल कर जांच पड़ताल के बाद पोस्टमार्टम के लिए रवाना कर दिया है। कुणाल गुप्ता प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खुटहन में रिटायर्ड हेल्थ सुपरवाइजर था।

खेल से शरीर व मन दोनों रहता है स्वस्थ : गिरीश चंद

आयोजन

खेल मंत्री ने मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज ग्राउंड में 13वीं सीनियर राष्ट्रीय सॉफ्टबॉल क्रिकेट चैंपियनशिप का किया उद्घाटन

जौनपुर। 13वीं सीनियर राष्ट्रीय सॉफ्टबॉल क्रिकेट चैंपियनशिप का आयोजन मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज ग्राउंड में आयोजित हुआ। 12 से 15 नवंबर तक होने वाले मैच का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रदेश के खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने पिच पर शॉट खेलकर किया। उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह रहे। क्रिकेट प्रतियोगिता में देश के अलग-अलग राज्यों से पुरुष एवं महिला टीमें प्रतिभाग कर रही हैं जिसमें जम्मू कश्मीर, राजस्थान, असम, उत्तर प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, दिल्ली एवं अनेकों राज्यों की दर्जनों टीमें शामिल हैं। सबसे पहले सभी टीमों ने मार्च पास्ट किया।

खेल मंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने अपने सम्बोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार खेलों को बढावा दे रही है। खिलाड़ियों को हर सुविधा देने के लिए संकल्पित है। खिलाड़ियो के भोजन भत्ते में बढ़ोत्तरी की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी खेल के प्रति गम्भीर है तथा खेलों में अपनी प्रतिभा को दिखाने वालों को सरकारी नौकरियां दी जा रही हैं। उन्होंने कहाकि उत्तर प्रदेश खेलों का हब बनेगा वहीं गावों में भी प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार गावों में स्टेडियम बनाया जा रहा है जिससे वहां के खिलाड़ी जिले नहीं प्रदेश नहीं पूरे देश विदेश में जिले का नाम रोशन करें।

खेल मंत्री गिरीशचन्द्र यादव ने कहाकि उत्तर प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को खेलों में हर सुविधा देने के लिए संकल्पित है। प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने अपने संबोधन में कहाकि शिक्षा के साथ-साथ खेल का होना आवश्यक है जो हमारे जीवन में ऊर्जा एवं शरीर को स्वस्थ रखने में काफी लाभदायक होता है।

इस मौके पर कालेज के प्राचार्य डा. अब्दुल कादिर खान ने मंत्री को बुके, अंगवस्त्रम व बैच लगाकर उनका स्वागत किया। मंत्री गिरीशचंद्र यादव का इन्टर कालेज के प्रधानाचार्य नासिर खान ने भी बुके देकर सम्मानित किया। साथ में मंत्री के प्रतिनिधि अजय सिह का भी बुके व अंगवस्त्रम देकर स्वागत किया गया। मंच पर जेएमएस ग्रुप के चैयरमैन जितेंद्र यादव, पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह का भी सम्मान किया गया। खेल मंत्री ने मैदान में पहुंचकर सभी खिलाड़ियों से बातचीत की तो वहीं बैटिंग कर रहे मंत्री को बालिंग कादिर खान ने करके खेल का शुभारंभ किया। जम्मू कश्मीर से आये खिलाड़ियों ने हम होंगे कामयाब गीत सबके लिए सुनाया जिससे सभी खिलाड़ियों मे भरपूर जोश आया।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते राज्यमंत्री

पहला मैच उद्घाटन सत्र का जम्मू कश्मीर एवं झारखंड के बीच खेला गया। जम्मू-कश्मीर की टीम ने 154 रन बिना किसी नुकसान के स्कोर खड़ा किया जिसमें सुबिना 46 गेंदों पर 99 रन की पारी खेली झारखंड की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में मात्र 65 रन 2 विकेट के नुकसान पर ही बना पाए, जिस के बाद जम्मू-कश्मीर की टीम ने 90 रनों से विजेता घोषित की गई। दूसरा मैच यूपी और मध्य प्रदेश के बीच खेला गया जिसमें मध्य प्रदेश की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। बल्लेबाजी करते हुए मात्र 38 रन 3 विकेट के नुकसान पर बनाकर 39 रन का लक्ष्य दिया जिसमें बल्लेबाजी करते हुए यूपी ने मात्र 3 ओवर में ही लक्ष्य को पूरा किया जिसमें बल्लेबाज नीतू ने मात्र 9 गेंदों पर 27 रन ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और टीम को विजेता बनाया। पुरुष वर्ग राजस्थान और उत्तर प्रदेश के बीच पहला मैच खेला गया जिसमें उत्तर प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 116 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाएं जिसमें यूपी के बल्लेबाज धीरज ने ताबड़तोड़ 45 रनों की पारी खेली फिर राजस्थान ने बल्लेबाजी करते हुए मात्र 95 रन सात विकेट के नुकसान पर ही बना पाए जिसमें जिसके बाद उत्तर प्रदेश 21 रन से विजेता घोषित की गई। दूसरा मैच जम्मू-कश्मीर और मध्यप्रदेश के बीच खेला गया जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए जम्मू-कश्मीर ने 166 रन बनाए 5 विकेट के नुकसान पर 166 रन बनाए और मध्य प्रदेश की टीम एक बड़े अंतर से पराजित हुई।

दिल्ली और असम के बीच तीसरा मैच खेला गया जिसमें असम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 110 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। इस मौके पर प्रधानाचार्य मोहम्मद नासिर खान, आयोजक सचिव साबिर खान, क्रीड़ा अधिकारी अतुल सिंह, टीम कोच मदन सिंह राठौर, शेख मोहम्मद सफी, हंसराज सचिव रागिनी सोनकर, सचिव अभिषेक फिरदौस अहद, मोहम्मद जैश खान, मोहम्मद आजम, शाहिद अली, ऐकडमी कोच मोहम्मद शफीक उर्फ किरमानी, गुलाब निषाद, स्कोरिंग पंकज निषाद, अंपायर धीरज यादव, रितिक सेठ, कॉमेंटेटर मोहम्मद आमिर, क्रिकेट एकेडमी के होनहार खिलाड़ी एवं अलग-अलग राज्यों से प्रतिभाग करने वाली टीम, मोहम्मद हसन ग्रुप ऑफ कॉलेजेस के समस्त प्रवक्तागण एवं छात्र छात्राएं मौजूद रहे मौजूद रहे।

सुदनीपुर हाल्ट पर आंदोलनकारियों ने जमकर किया प्रदर्शन

मड़ियाहूं। सुदनीपुर हाल्ट रेलवे स्टेशन पर शनिवार को जस सिंह अन्ना के साथ सैकड़ों आंदोलनकारियों ने जमकर प्रदर्शन किया और सुदनीपुर स्टेशन की दुर्दशा पर अपनी मांगे रखी। आंदोलनकारियों ने कहा कि सुदनीपुर हाल्ट रेलवे स्टेशन पर हमें कभी टिकट नहीं मिलता और हम बिना टिकट जाने को मजबूर हो जाते हैं। रेलयात्रियों से जौनपुर-इलाहाबाद में बिना टिकट पकड़े जाने पर 4000 जुर्माना वसूला जाता है। सुदनीपुर स्टेशन में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। कभी सुदनीपुर बीआईपी हाल्ट स्टेशन था। आन्दोलनकारियों ने 15 नवंबर को रेल रोको आंदोलन की घोषणा कर दी है और कहा है कि रेलवे स्टेशन पर हमें सुहेलदेव एक्सप्रेस 22433/22434 के ठहराव की तत्काल जरूरत है और जौनपुर प्रयागराज संगम को सुबह जौनपुर से पुराने समय 5:20 बजे चलाने की मांग की और प्रयागराज संगम से जौनपुर के लिए 5:40 बजे ट्रेन चलाने की मांग की।

ऑपरेशन कर मरीज के लीवर से निकाला चाकू

जौनपुर। छह दिन से एक व्यक्ति के कलेजे में फंसे छह सेंटीमीटर के चाकू को शनिवार को जिले के प्रख्यात सर्जन डॉ. लालबहादुर सिद्धार्थ ने सफल ऑपरेशन करके निकाला। डॉ. सिद्धार्थ व उनकी टीम ने करीब डेढ़ घंटे तक ऑपरेशन करके मरीज की जान बचाने में कामयाब हुए। पिता को पुनः जीवन दान मिलने के बाद पुत्र समेत पूरे परिवार के लोगों ने राहत की सांस ली। केराकत थाना क्षेत्र के बासबारी गांव के निवासी रामाधीन की बेटी की बीते छह नवम्बर को गोद भराई थी।

इस समारोह में डीजे पर डांस करने को लेकर एक युवक से विवाद हो गया जिसके कारण उसे वहाँ भगा दिया गया। उसके बाद वह युवक कुछ दूरी पर जाकर रामधीन के परिवार वालों को गालियां देने लगा जिसको लेकर मारपीट होने लगी। झगड़ा छुड़ाने गए इसी गांव के मनसा राम को उसने चाकू मार दिया। परिवार वाले मनसा को पास के एक अस्पताल ले गए लेकिन डाक्टरो ने उसकी हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घायल के पुत्र ने बताया कि हम लोग जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया लेकिन पांच दिन तक न तो किसी डॉक्टर ने ठीक से इलाज किया न ही

नेक कार्य

मरीज की जान बचाने में कामयाब हुए डॉ. लाल बहादुर सिद्धार्थ

जांच और एक्सरे कराया जिसके कारण पिताजी की हालत बिगड़ती जा रही थी। कल शाम को हम लोग वहां से रेफर कराकर नगर के वाजिदपुर तिराहा स्थित डॉ. लालबहादुर सिद्धार्थ के अस्पताल ले आये। डॉ. सिद्धार्थ ने बताया कि मैंने पहले मरीज का एक्सरे कराया तो हार्ट के नीचे लीवर में चाकू फंसा दिखाई पड़ा और पेट के अंदर खून भरा हुआ था। मैं तत्काल ऑपरेशन करना चाहता था लेकिन मरीज के परिवार वाले खून की व्यवस्था नहीं कर पाए। आज ब्लड मिलने के बाद ऑपरेशन किया। करीब डेढ़ घंटे के ऑपरेशन के बाद छह सेंटीमीटर का चाकू निकाला पाया। उन्होंने बताया कि मरीज अब खतरे से बाहर है लेकिन सामान्य स्थिति होने में तीन से चार दिन का समय लगेगा। पीड़ित के पुत्र ने बताया कि घटना वाले ही दिन हम लोग एफआईआर दर्ज कराने थानागद्दी पुलिस चौकी गए तो वहां से हम लोगों को केराकत कोतवाली भेज दिया गया।

संक्षेप

सफाईकर्मियों का वेतन और ईपीएफ समय से दिया जाए

जौनपुर। सदस्य राज्य स्तरीय निगरानी समिति उत्तर प्रदेश शासन, कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, समाज कल्याण विभाग भग्गूलाल बाल्मीकि द्वारा लोक निर्माण विभाग निरीक्षण भवन में जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, पीओ डूडा, मंडी समिति सचिव एवं सफाईकर्मी यूनियन/संगठन प्रमुखो के साथ हाथ से मैला साफ करने की कुप्रथा से विमुक्त स्वच्छकारों के पुनर्वासन तथा सफाई कर्मियों की समस्याओं के संबंध में बैठक की। बैठक में सदस्य ने समस्तईओ को निर्देश दिया कि सफाई कर्मचारियों का वेतन 1 अक्टूबर से 374.53 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से हो गया है उसे लागू करे। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों का वेतन और ईपीएफ समय से दिया जाए। ईपीएफ कटौती में किसी प्रकार की घपलेबाजी नहीं होनी चाहिये अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अनुपस्थित ईओ पर नाराजगी व्यक्त की। सदस्य द्वारा सफाई कर्मियों से वार्डो की साफ-सफाई, वेतन, ईपीएफ की जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिया की वार्डो की साफ-सफाई नियमित की जाए। समाज कल्याण के अनुसेवक सुनील कुमार से स्वछकारो के संबंध में जानकारी प्राप्त की और निर्देशित किया कि डीपीआरओ और समस्त ईओ को स्वछकारों के संबंध में गाइडलाइन उपलब्ध करा दी जाए।

केक काटकर मना यूबीआई का 104 वां स्थापना दिवस

भदोही। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का 104वां स्थापना दिवस शनिवार को जनपद के सभी शाखाओं में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बैंक शाखाओं में केक काटकर जश्न मनाया गया। शहर के स्टेशन रोड स्थित एक प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में यूट्यूब लाइव के माध्यम से बैंक के एमडी व सीईओ ए मणिमेखलै ने देशभर के बैंककर्मियों व ग्राहकों को संबोधित करते हुए बैंक की उपलब्धियों व खाताधारकों को दी जाने वाली सुविधाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बैंक परिदृश्य को नया आयाम देने में यूनियन बैंक ने अहम भूमिका निभाई हैं। यूबीआई के प्रति खाताधारकों को अटूट विश्वास भी बढा हैं। मुख्य शाखा प्रबंधक सुनील कुमार ने कहा कि वर्तमान में बैंक का व्यवसाय 18 ट्रिलियन के पार पहुंच गया है। बैंक के 104वें स्थापना दिवस पर शाखाओं में विशेषकर मर्यादपट्टी स्थित एसएसआई भदोही शाखा को आकर्षक तरीके से सजाया गया, और ग्राहकों को चॉकलेट, टाफी प्रदान की गई। इस अवसर पर सामान्य ग्राहकों के साथ-साथ मुख्य प्रबंधक सुनील कुमार, औराई शाखा प्रबंधक अरुण जायसवाल, मिजार्पुर शाखा प्रबंधक अनुराग धींगरा के साथ-साथ तमाम बैंक कर्मी व खाताधारक मौजूद रहे।

पूर्व विधायक विजय मिश्र की प्रयागराज में 10.65 करोड़ की संपत्ति जब्त

ज्ञानपुर। बाहुबली पूर्व विधायक विजय मिश्रा और उनके गैंग के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार को जिला मजिस्ट्रेट के आदेश के तहत अवैध तरीके से अर्जित की गई सम्पत्ति को कुर्क करने की कार्रवाई की गई। आरोप है कि पूर्व विधायक ने अपनी भाभी दुर्गेश देवी सहित भतीजे सतीश मिश्र, आशीष मिश्र, राहुल मिश्र और अमित मिश्र के नाम पर मौजा चांद खमरियां तहसील मेजा जनपद प्रयागराज में दो जगहों पर 23 बीघा से अधिक भूमि अपने प्रभाव का अनुचित प्रयोग करते हुए वास्तवित मूल्य से कम दाम पर रजिस्ट्री कराई थी। इस संबंध में गोपीगंज कोतवाली में मुकदमा भी दर्ज है। लगभग दो हफ्ते पहले जिला मजिस्ट्रेट की अदालत ने उक्त भूमि को कुर्क करने का आदेश दिया था। शुक्रवार को मेजा तहसील की राजस्व टीम की मौजूदगी में प्रयागराज पहुंची भदोही पुलिस ने जब्तीकरण की कार्रवाई की। कुर्क की गई जमीन की वास्तवित कीमत 10 करोड़ 65 लाख 75 हजार रुपये है।

20 नवम्बर तक करायें आवेदन

ज्ञानपुर। काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के परीक्षा संयोजिका डा. कल्पना अवस्थी ने बताया कि इंडियन एसोसिएशन आंफ फिजिक्स टीचर्स के तत्वावधान में भौतिक विज्ञान विभाग में बीएससी के भौतिक विज्ञान के छात्र छात्राओ हेतु 22 जनवरी को एक प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन किया जाना है। स्नातक स्तर के इच्छुक छात्र छात्राये उक्त प्रतियोगी परीक्षा में भाग लेने के लिए अपना नामांकन 20 नवम्बर तक भौतिक विज्ञान विभाग में करा सकते हैं।

क्षेत्रीय सहकारी समिति पर पहुंची डीएपी की पहली खेप किसानों की लगी लंबी कतार

गोपीगंज। नगर के ज्ञानपुर रोड स्थित जोगिनका क्षेत्रीय सहकारी समिति में डीएपी की पहली खेप शनिवार को प्रातः पहुंचने के बाद डीएपी पाने के लिए किसानों की भारी भीड़ पहुंची। जहां वितरण में देरी होने के कारण किसानों में अफरा-तफरी मचा रहा। शुक्रवार को क्षेत्रीय सहकारी समिति में 360 बोरी डीएपी की पहली खेप पहुंची थी। गेहूं बुआई की तैयारी कर किसान डीएपी के लिए सहकारी समितियों का चक्कर काट रहे थे। समितियों पर डीएपी उपलब्ध नहीं हो पा रहा था। सुबह होते ही किसान डीएपी के लिए समिति पर पहुंच जाते थे। मायूस लौट रहे किसानों की परेशानी देख समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित किया गया। तब नींद से जागा जिम्मेदार विभाग डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित की। इसकी जानकारी लगते ही शनिवार को प्रातः काल से ही किसानों की कतार लग गई थी। सहकारी समिति के संचालक हरि शुक्ला ने बताया एक आधार कार्ड पर किसानों को दो बोरी डीएपी देने का आदेश मिला है। वितरण में देरी पर बताया कि वितरण मशीन व वितरण का आदेश विभाग से विलंब से मिलने के कारण वितरण का कार्य 2 घंटे विलंब से शुरू हो पाया। साथ ही बताया कि मिजार्पुर जनपद से खाद का खेप आने में दिक्कत हो रहा है, जिसका कारण है कि मिजार्पुर जनपद के शास्त्री पुल पर भारी वाहनों का आवागमन रोक दिया गया है। अब वाराणसी या कछवा होकर खाद लदे वाहनों को आना पड़ रहा है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवती की मौत

जनसंदेश न्यूज

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के झिलियापुल स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से शनिवार को 18 वर्षीय अज्ञात युवती की मौत हो गयी। घटना की जानकारी पर पहुची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने मे जुट गई है। घटना के बारे में बताया जाता है शनिवार को एक 18 वर्षीय अज्ञात युवती सड़क पार कर रही थी।

इस दौरान वाराणसी से प्रयागराज की ओर जा रहे अज्ञात वाहन की चपेट में आ गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुचे प्रभारी निरीक्षक सदानंद सिंह शव को कब्जे में लिए और आसपास स्थानीय लोगों से युवती की पहचान कराने का प्रयाग किया। लेकिन खबर लिखे जाने तक पहचान नहीं हो पाई थी। वही युवती की मौत राष्ट्रीय राजमार्ग पर होने की सूचना पर भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस युवती की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

ज्ञानपुर। ऊंज थाना क्षेत्र के मुगरी गांव में परिवारिक कलह से ऊबकर युवक ने शुक्रवार की सुबह लगभग 10 बजे फांसी के फंदे पर लटक गया। बताते चलें कि वीरेंद्र कुमार बिंद 26 वर्ष सुभाष नगर बाजार में जूते की दुकान खोला हुआ है। सुबह जाते समय सौतेली मां से विवाद हो गया। गुस्से में आकर अपने बेड से पंखे पर गमछे से फांसी लगा लिया। पत्नी ब्यूटी बिंद जोर-जोर चीख पुकार कर चिल्लाने लगी। परिजनों ने उसे पंखे से निकाला। बरौत निजी नर्सिंग होम में ले गए जहां ने चिकित्सकों ने हालत चिंताजनक होने पर स्वरूप रानी के लिए रेफर कर दिया। शुक्रवार को देर रात उन्हें बीएचयू के लिए रेफर कर दिया गया। वाराणसी जाते समय लगभग 2 बजे रात्रि रास्ते में मौत हो गई। मृतक के पिता कोटेदार धर्मराज बिंद के दो पुत्रों में दूसरे नंबर वीरेंद्र कुमार बिंद था मृतक के पत्नी ब्यूटी बिंद एक पुत्री लगभग 4 वर्ष हर्षिका है। सूचना पर शनिवार को सुबह थानाध्यक्ष बृजेश कुमार मौर्य पहुंचे कर शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पत्नी ब्यूटी बिंद अपनी बेटी हर्षिता को लेकर आंसू बहा रही थी। खबर सुनते ही रिश्तेदारों का जमवाड़ा लगा रहा।

प्रमासपा का 15 को प्रदर्शन

ज्ञानपुर। प्रगतिशील मानव समाज पार्टी के तत्वाधान में 15 नवंबर को उत्तर प्रदेश के सभी जनपद मुख्यालयों पर आरक्षण शिक्षा रोजगार एवं स्वास्थ्य सुविधा आदि 4 सूत्री मांगों को लेकर विशाल जन सत्याग्रह आंदोलन धरना एवं प्रदर्शन किया जाएगा। प्रगतिशील मानव समाज पार्टी के तत्वाधान में बिंद, केवट, कश्यप, निषाद सहित 17 अति पिछड़ी जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल कराने, अनुसूचित जाति का आरक्षण कोटा 22.5 प्रतिशत से 35 प्रतिशत कराने, दोहरी शिक्षा प्रणाली को समाप्त कर सभी गरीब बच्चों के लिए एक समान निःशुल्क उच्च शिक्षा दिलाने, देश के प्रत्येक युवाओं को रोजगार दिलाने, देश के प्रत्येक गरीबों को निःशुल्क अच्छे स्वास्थ्य सुविधा दिलाने की मांग को लेकर आगामी 15 नवंबर 2022 को प्रदेश के सभी जनपद मुख्यालयों पर विशाल जन सत्याग्रह आंदोलन धरना प्रदर्शन किया जाएगा। जिसमें जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति भारत सरकार नई दिल्ली प्रधानमंत्री भारत सरकार नई दिल्ली को संबोधित पत्र सौंपा जाएगा।

इब्राहिमपुर का जेसीबी प्रकरण, मंत्री ने दिया टीएसी जांच का निर्देश

ज्ञानपुर। विकास खंड डीघ के इब्राहिमपुर ग्राम पंचायत में जेसीबी से तालाब की खुदाई के मामले में प्रदेश शासन ने कड़ा रुख अपनाया है। ग्राम विकास विभाग मंत्री ने मनरेगा के तहत तालाब की जेसीबी से खुदाई के मामले की टीएसी जांच का निर्देश प्रमुख सचिव ग्राम विकास विभाग को दिया है। जांच आदेश पत्र जिले में पहुंचते ही हड़कंप मच गया है।

बताते चलें कि डीघ विकास खंड के ग्राम पंचायत इब्राहिमपुर में पिछले दिनों मत्स्य पालन को पट्टे पर आवंटित तालाब की मनरेगा से खुदाई हो रही थी। इस दौरान खुदाई में जेसीबी का प्रयोग किया गया, जिसका वीडियो वायरल हुआ था। इस मामले की जांच डीघ के खंड विकास अधिकारी ने की। आरोप है कि पूरे मामले में लीपापोती की गई। ब्लाक अधिकारियों की रिपोर्ट पर उपायुक्त मनरेगा ने आनन फानन में ग्राम पंचायत को क्लीन चीट दे दी थी। इब्राहिमपुर के ग्राम प्रधान बाहुबली पूर्व विधायक के करीबी बताए जाते हैं। फिलहाल, निचले स्तर पर जांच में लीपापोती की गयी है। यह मामला प्रदेश शासन के एक उप मुख्यमंत्री और मंत्री मंत्री तक पहुंचा जिस पर मंत्री ग्रामीण विकास विभाग उत्तर प्रदेश शासन ने इस बहुचर्चित मामले की टीएससी से जांच कराने का निर्देश दे दिया है।

निर्देश पत्र जनपद में आते ही हड़कंप मच गया है, बहरहाल पूरे मामले की छानबीन शुरू हो गई है। मुख्य विकास अधिकारी भानु प्रताप के स्तर से यह जांच की जा रही है। इस मामले में शासन ने टीएसी जांच की कृत कार्रवाई से विभागीय मंत्री को अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। डीघ ब्लॉक के अधिकारियों द्वारा की गई लीपापोती की जांच में लीपापोती का मामला अपराध दर परत खुलने वाला है। इससे हड़कंप मचा है। टीएसी जांच का केंद्र बिंदु यह भी होगा कि ब्लॉक के अधिकारियों ने आनन-फानन में क्लीन चिट की रिपोर्ट कैसे दे दी है। प्रमुख सचिव ग्राम विकास विभाग उत्तर प्रदेश शासन ने इस मामले की कृत कार्रवाई से जल्द अवगत कराने को भी कहा है।

मौखिकी परीक्षा 23 से

भदोही। केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय औराई में समाजशास्त्र विषय की विभागाध्यक्ष डॉ. रीना सिंह ने बताया है कि एमए द्वितीय सेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर समाजशास्त्र विषय की मौखिकी परीक्षा दिन बुधवार समय प्रातः 10 बजे से समाजशास्त्र विभाग में सम्पन्न होगी। अतः सभी छात्राएं समयानुसार विभाग में अपने प्रवेश पत्र के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित हों।

जनसंदेश टाइम्स प्रा.लि.के लिए **प्रवीण कुमार कुशवाहा**, सी 28 /121, तेलियाबाग, प्रथम तल, वाराणसी से प्रकाशित एवं मीडिया टेक्स्ट (Media Text) प्रा.लि. प्रेस, रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित।
प्रधान सम्पादक - सुभाष राय
स्थानीय सम्पादक -प्रवीण कुमार कुशवाहा
पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बन्धित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।
फोन नं. 8177008889
आरएनआई नं. **UPHIN/2012/46221**
डाक पंजीयन सं.: जीपीओएलडब्ल्यू / एनपी - 78/2011-13।

जिले के सभी थानों पर थाना समाधान दिवस का हुआ आयोजन

आयोजन

एएसपी व सीओ ज्ञानपुर ने राजस्वकर्मियों के साथ थाना ज्ञानपुर पर सुनी फरियाद

जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीमों द्वारा गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु दिए गए निर्देश

ज्ञानपुर। जनपद के समस्त थानों पर शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान फरियादियो की समस्याएं सुनी गई व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने का निर्देश दिया गया।हालाँकि कुछ थानों पर राजस्व विभाग के सक्षम अधिकारियों के न पहुँचने से फरियादियों के साथ न्याय नही किया जा सका।

एएसपी राजेश भारती, क्षेत्राधिकारी ज्ञानपुर ने राजस्व कर्मियों के साथ थाना ज्ञानपुर पर थाना समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों को समस्याओं को सुनकर कुछ का मौके पर निस्तारण गया तथा कुछ के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। साथ ही निर्देशित किया गया कि जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके। जमीन सम्बंधित थाना स्तर, आइजीआरएस या अन्य सभी माध्यमों से प्राप्त प्रार्थना पत्रों को थाना समाधान दिवस रजिस्टर में अंकित करने एवं दोनों पक्षों को सूचित करते हुए पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर प्रकरण का निस्तारण करते हुए रिपोर्ट आख्या दोनों पक्षों के समक्ष ही बना कर उनके हस्ताक्षर कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इसी क्रम में समस्त क्षेत्राधिकारीगण द्वारा सर्किल के थानों पर एवं समस्त थाना प्रभारियों द्वारा सम्बंधित थाने पर राजस्व कर्मियों के साथ थाना समाधान दिवस का आयोजन कर फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता पूर्वक सुनते हुए निस्तारण का प्रयास किया गया।

औराई थाने पर फरियादियों को सुनते कोतवाल गगनराज सिंह

राष्ट्रीय लोक अदालत में 24 हजार से अधिक वादों का निस्तारण

ज्ञानपुर। जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में चौबीस हजार से अधिक वादों को जिला प्रशासन द्वारा निस्तारण किया गया एवं दो लाख सत्तर हजार रुपए से अधिक अर्थदण्ड भी वसूला गया। भदोही में आयोजित लोक अदालत प्रदेश स्तर पर भी टॉप फाइव में स्थान बनाने में सफल रहा। शनिवार को व उच्च न्यायालय इलाहाबाद प्रशासनिक न्यायाधीश भदोही शमीम अहमद की उपस्थिति में तथा जनपद न्यायाधीश बिजेन्द्र कुमार शैलत के मार्गदर्शन में न्यायालय परिसर सरपतहाँ ज्ञानपुर में माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया गया। लोक अदालत में निस्तारण हेतु कुल 39502 मामले सन्दर्भित किये गये एवं कुल 38885 मामलों का निस्तारण किया गया। आपराधिक मामलो में कुल दो लाख पैसठ हजार रुपए अर्थदण्ड वसूल किया गया। सक्सेसन के मामले में कुल पाँच लाख सैंतीस हजार का उत्तराधिकार प्रमाण पत्र निर्गत किये गये तथा बैंक के प्री लिटिगेशन मामलों में कुल 61972907.79 रुपये वसूले गये। इस मौके पर जिला जज बिजेन्द्र कुमार शैलत, रामनरेश मौर्या, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय शैलेश कुमार तिवारी, पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, शैलोज चन्द्रा अपर जिला जज प्रथम मधु डोगरा, अपर जिला जज पॉक्सो सबीहा खातून, मुख्य न्यायिक साधना गिरी, तरुणिमा पाण्डेय जेएम प्रथम, ऋचा केशरवानी जे एम द्वितीय आरिफ अहमद अंसारी सिविल जज सीनियर डिवीजन, वर्णिका शुक्ला सिविल जज द्वारा मामले निस्तारित किये गये। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने लोक अदालत में मौजूद सभी अधिकारी गणों कर्मचारी गणों वादी वक्ताओं का आभार जताया।

क्रिकेट फैन्स को भारत की हार से अपच क्यों

क्या प्रभुत्ववादी मनोदशा के कारण ऐसी हालत हो गई

दूसरे का अच्छा प्रदर्शन हमें कतई बर्दाश्त नहीं

जीतने के बाद दल की चूक पर बहस क्यों नहीं होती

इन दिनों टी-20 विश्व कप में भारतीय टीम की हार पर तीखी प्रतिक्रिया सभी कर रहे हैं। क्रिकेट के नासमझ चाहने वाले हों या बहुत ही जानकार। सबकी एक ही दशा है। हार की खीझ सबपर उतरने लगी है। कल तक जो हीरो थे वो अचानक विलेन हो गए हैं। क्रिकेट ऐसे खेल में दल की हार समर्थकों को पच ही नहीं रही है। इस सबके बीच बीसीसीआई ने जांच की बात कहकर बवाल थामने का दिखावा सा कर दिया है। जबकि बोर्ड ही सबकुछ करता रहा है। सारे फैसले उसके होते हैं और टीम चयन में भी बैकहैंड से उसका दखल होता है। चयनकर्ता कई बार कठपुतली साबित होते हैं। विश्व कप जैसा मंच हमेशा खतरनाक होता है और इस बार मेजबान आस्ट्रेलिया तो सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सका। वहां तो इतना बवाल नहीं है और अजेय दिख रहा न्यूजीलैंड हारा तो किसी ने नहीं देखा कि उसके कप्तान ने क्या कहकर मामला अपने सिर पर नहीं आने दिया। विलियम्सन ने कहा था कि हमारे गेंदबाज अनुशासित नहीं थे। यानी उन्होंने भी पाकिस्तान बल्लेबाजों को श्रेय नहीं दिया, जिन्होंने एक धीमे विकेट पर 160 के करीब का लक्ष्य पा लिया था। कुछ ऐसे भी जानकार दिखे जो एडिलेड और सिडनी के विकेट को एक जैसा बताने लगे थे। उसी विकेट पर जो बल्लेबाज रन बना रहे थे जिस पर दूसरे असहज थे,तो इसे क्या समझा जाएगा। सामर्थ्य की कमी ही तो कही जाएगी। इसे स्वीकार करने के बदले टीम का दोष, चयन में खोट और राजनीति को सतह पर ले आना दिखाता है कि खेल के प्रति समर्पण किस कदर इनके चाहने वालों में कम है। क्रिकेट जैसा खेल तो भाग्य पर चलता है और इसमें किन्तु-परन्तु के लिए जगह नहीं होती। फिर 20 ओवर का मैच तो संभलने का मौका ही नहीं देता। टीम इंडिया पर जितने लोग सवाल उठा रहे हैं वे सभी कुछ दिन पहले तक तारीफ में अघा नहीं रहे थे और सितम तो ये कि टीम के चयन के लिए उस पर सवाल नहीं उठाया था। सवाल तो तब उठाना था जब कोहली के खिलाफ जाल बुना गया था। क्यों उन्हें पद छोड़ने के लिए धीरे-धीरे विवश किया गया। कप्तान का बदलना था तो उसके कई तरीके हैं और कप्तान को 'भूतपूर्व' बनाने के पहले गरिमा का खयाल रखना चाहिए। ये भारत में होता नहीं। परदे के पीछे क्या होता है, यह भी लोगों को पता होना चाहिए या बीसीसीआई सारी बात सार्वजनिक कर दे। जब देश में क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था राजनीति का शिकार होगी तो कभी फैसले तटस्थ और मुंसिफाना नहीं होंगे। रोहित शर्मा को कप्तान बनाने के पहले जो हुआ, यह किसी से छुपा नहीं है। आईपीएल जीतने से कप्तानी मापना कैसे श्रेष्ठ हो सकता है, यह ही बहस का विषय है, फिर कौन टीम के बदलावों को तय करता है, इसे फैन्स से शेयर करना जरूरी कर दिया जाए। नहीं तो टीम की नाकामी की हालत में दूसरे लोग गाली सुनते रहेंगे। इन सबसे इतर एक मानसिकता भारतीय समर्थकों ने हाल के वर्षों में विकसित की है कि हार तो किसी भी हालत में नहीं स्वीकारेंगे। ये चूक ऐसे ही है कि हम कभी इंग्लैंड, विंडीज और आस्ट्रेलिया के साथ हुआ करता था। अपने अच्छे दिनों में ये हार को सहज रूप में नहीं पचा पाते थे। समझिए कि उनकी आदत से ये गरिमापूर्ण स्वीकारोक्ति हट गई थी कि हम दिन विशेष पर एक बेहतर टीम से हारे हैं। इस वक्त हाल ये है कि लोग पूरी टीम ही बदलने की राष्ट्रीय मांग पेश करने लगे हैं। खेल में ये खतरनाक रुझान है। स्पोर्ट्स को पवित्र कहा गया है और इसके खेलने वाले इस पवित्रता के वाहक होते हैं। इसीलिए खेलभावना की अवधारणा बनी है और क्रिकेट को तो घोर अनिश्चितताओं का खेल कहा गया क्योंकि इसमें कब बाजी पलट जाए, कोई नहीं जानता। भारत में क्रिकेट को धर्म से जोड़ने का अभियान भी कुछ अवांछनीय तत्वों ने चलाया और सफल भी रहे। ऐसा करने वाले ब्राजील का हश्र नहीं देख सके जिसने एक जमाने में फुटबाल को अपना राष्ट्रीय धर्म बनाया क्योंकि उसे लगता नहीं था कि दूसरे एक दिन उठेंगे और उसे हराने लगेंगे। आज देखिए, वह कोई बड़ी ताकत अब नहीं रहा है। जहां तक इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल का सवाल है तो उससे पहले ही हारने से भारत बचा था, लेकिन किसी का ध्यान जीतने के चलते उस ओर नहीं गया था। गेंदबाजी में अगर बुमराह के बूते ही मैच जीतने का दम हम भरते रहे हैं तो याद रखिए वे हमेशा नहीं खेलते रहेंगे। दूसरों को भी बताना होगा कि हैं हम जिंदा। 168 रन अगर कम था तो फिर खिताब की दावेदारी भारत को नहीं करनी चाहिए थी। भारतीय पारी के खात्मे पर सारे जानकार तो यह कह रहे थे कि स्कोर कमजोर नहीं है। लेकिन जब बटलर और हेल्स ने अपनी उसी बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया, जिसे वो पिछले तीन-चार साल से अपनी संस्कृति का अंग बना चुके हैं तो भारतीय समर्थकों को नहीं जंचा। इंग्लैंड ने अपनी फटाफट क्रिकेट की बल्लेबाजी कल्चर को चेंज कर लिया है। वो तो कई बार टेस्ट में भी ऐसा खेलते दिखे हैं। उसने उन्हीं खिलाड़ियों को तैयार किया है जो बेखौफ खेल सकते हैं। भारत के पास भी किसी से कम तूफानी बल्लेबाजी नहीं है। बस, एडिलेड में अंग्रेज बल्लेबाजी ने वही दिखाया, जिसकी वह अभ्यस्त हो चुकी है। 2007 में हम जीते थे क्योंकि भाग्य भी हमारे साथ था, अभी किस्मत उस तरह से मेहरबान नहीं है। क्रिकेट में इसी से फर्क पड़ता रहा है और पड़ता रहेगा।

2021 वर्ल्ड कप के बाद 30 प्लेयर्स आजमाए

2021 वर्ल्ड कप के बाद विराट कोहली की जगह रोहित शर्मा टी-20 समेत तीनों फॉर्मेट में कप्तान बनाए गए। रवि शास्त्री की जगह राहुल द्रविड़ हेड कोच हो गए। 15 नवंबर 2021 से 15 अक्टूबर 2022 तक 11 महीने में टीम इंडिया ने 35 टी-20 मैच खेले। इनमें 30 खिलाड़ियों को आजमाया। सात ने डेब्यू किया। बाकी सब तो छोड़िए हमने इस दौरान 4 कप्तान भी बदल दिए। इतने एक्सपेरिमेंट के बाद टी-20 वर्ल्ड कप के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम तय हुई, लेकिन ये टॉप-15 खिलाड़ी मिलकर भी भारत को आईसीसी ट्रॉफी नहीं जिता सके।

2021 में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में क्या थे हालात?

17 अक्टूबर से 14 नवंबर 2021 तक यूएई में पिछले साल का टी-20 वर्ल्ड कप खेला गया। इसके पहले मैच में पाकिस्तान ने भारत को हराया। भारत से मिले 152 रन के टारगेट को पाकिस्तान ने बिना विकेट गंवाए हासिल कर लिया था। दूसरे मैच में हम न्यूजीलैंड से हार गए। इसके बाद 3 लीग मैच जीतकर भी सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सके थे। 2021 टी-20 वर्ल्ड कप के पहले मैच में पाकिस्तान ने भारत को 10 विकेट से हराया था। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान ने 152 रन की पार्टनरशिप की थी।

भारत ने चार कप्तान बदले और 30 खिलाड़ियों को फेंटा

लेकिन इस सारी कवायद से भी विश्व कप दूर ही रहा

इतने एक्सपेरिमेंट क्यों?

टीम मैनेजमेंट ने कप्तानों और खिलाड़ियों के ये एक्सपेरिमेंट वर्क लोड को देखते हुए किए। मैनेजमेंट का मानना था कि टीम बहुत ज्यादा मैच खेलती है। ऐसे में किसी एक खिलाड़ी पर ज्यादा दबाव न आए, इसलिए ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को मौके दिए गए। वैसे बुमराह और जडेजा के चोटिल हो जाने से भारत की गणित बिगड़ गई।

रोहित भी एक्सपेरिमेंट के फेवर में

कप्तान रोहित शर्मा का कहना था कि वे वर्ल्ड कप से पहले अपनी बेस्ट टीम खोज रहे हैं। इसलिए उन्होंने कई सारे प्लेयर्स को ट्राई किया। हालांकि टीम इंडिया आखिर तक एक्सपेरिमेंट ही करती रह गई। टूर्नामेंट निकल गया और हम एक तरह से बिना लड़े हारकर घर वापसी कर रहे हैं।

बदलाव करते-करते टीम का लक्ष्य ही भटक गया!

कुछ काम नहीं आया

सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों मिली हार के बाद भारत टी-20 वर्ल्ड कप 2022 से बाहर हो गया। इस बड़े टूर्नामेंट में हार के क्या कारण रहे? 2021 टी-20 वर्ल्ड कप के पहले मैच में पाकिस्तान से 10 विकेट की हार से लेकर इस वर्ल्ड कप में इंग्लैंड से भी 10 विकेट की हार तक, टीम इंडिया ने कितनी आजमाइश की और बड़ी स्पर्धाओं पिछली ट्रॉफी जीतने के बाद कई बार चोक हो गई।

2014 से लगातार नॉकआउट मैच हारे

टीम इंडिया ने आखिरी टी-20 वर्ल्ड कप 2007, आखिरी वनडे वर्ल्ड कप 2011 और आखिरी चैंपियंस ट्रॉफी 2013 में जीती। 2013 के बाद भारत ने कळउ के 8 मेगा टूर्नामेंट में 10 नॉक आउट मुकाबले खेले। इनमें 7 हारे और 3 जीते। इनमें भी 2 बार टीम ने बांग्लादेश को हराया। वहीं, एक बार 2014 टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका को हराया, लेकिन फाइनल में श्रीलंका से हार गए। इससे पहले भारत ने 2015 के क्वार्टर फाइनल में बांग्लादेश को हराया, लेकिन सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गए। फिर 2017 की चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी बांग्लादेश को ही हराया, लेकिन फाइनल में पाकिस्तान से हार गए। इस तरह 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीत के बाद से भारत कळउ के किसी भी बड़े टूर्नामेंट की ट्रॉफी नहीं उठा सका। टीम को 7 बार जिन टीमों ने हराया। उनमें श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, वेस्ट इंडीज, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड शामिल हैं। न्यूजीलैंड ने तो इस दौरान 2 बार हमें नॉक आउट मुकाबले में हराया। पहले 2019 वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में और फिर 2021 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी मात दी।

टीम इंडिया में खिलाड़ी कम, कप्तान ज्यादा

टीम इंडिया ने एक ही साल के अंदर टी-20 में 4 और सभी फॉर्मेट में 8 खिलाड़ियों से कप्तानी कराई। टी-20 में रोहित शर्मा के अलावा ऋषभ पंत, केएल राहुल और हार्दिक पंड्या को भी कप्तानी दी गई। फ्यूचर कैप्टन डेवलप करने के हिसाब से टीम मैनेजमेंट का यह फैसला ठीक था, लेकिन इस फैसले के चलते वर्ल्ड कप की टीम में पंत, राहुल, पंड्या, रोहित और पूर्व कप्तान विराट कोहली समेत पांच इंटरनेशनल कप्तान खेल रहे थे।

वर्ल्ड कप के लिए खराब स्क्वॉड का चयन

वर्ल्ड कप से पहले के 35 मैचों में भारत ने ईशान किशन, संजू सैमसन, दिनेश कार्तिक, ऋषभ पंत और लोकेश राहुल से विकेट कीपिंग कराई। आखिर में टीम ने कार्तिक की फिनिशिंग स्किल्स पर भरोसा जताया। स्क्वाड में पंत को बैकअप कीपर के रूप में रखा गया। राहुल से केवल ओपनिंग कराई गई। कार्तिक ने शुरू के 4 मैच खेले और दो पारियों में 14 रन बनाए। पंत ने आखिर के 2 मैच खेले। वह भी इनमें 9 रन ही बना सके। भारत आखिर तक तय नहीं कर पाया कि कीपर के रूप में पंत को खिलाए या कार्तिक को।

पूर्व वर्ल्ड कप में टॉप ऑर्डर फेल रहा

इस वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा और लोकेश राहुल की ओपनिंग जोड़ी फ्लॉप रही। कितनी हैरानी की बात है कि 6 मैच में एक भी बार यह जोड़ी 50 रन की पार्टनरशिप नहीं कर सकी। पिछले वर्ल्ड कप के बाद भारत ने ईशान किशन, रितुराज गायकवाड़, संजू सैमसन और दीपक हुड्डा तक से ओपनिंग कराई, लेकिन आखिर में रोहित और राहुल की जोड़ी पर ही भरोसा किया। ये भी कुछ नहीं कर सके। टी-20 फॉर्मेट में रिस्ट स्पिनर विकेट टेकिंग ऑप्शन माने जाते हैं। भारत ने इस वर्ल्ड कप से पहले 35 मैच में कुलदीप यादव, रवि बिश्नोई और युजवेंद्र चहल की रिस्ट स्पिन को ट्राई किया। वर्ल्ड कप स्क्वाड में अक्षर पटेल की लेफ्ट आर्म स्पिन, रविचंद्रन अश्विन की ऑफ स्पिन के अलावा चहल की लेग स्पिन गेंदबाजी को चुना भी गया। लेकिन टूर्नामेंट के 6 मैच जब हुए तो प्लेइंग-11 में चहल को मौका ही नहीं मिला। अश्विन और अक्षर को सभी मैच खिलाए गए। अश्विन ने 6 मैच में 6 विकेट तो अक्षर ने 5 मैच में 3 ही विकेट लिए। इसका असर ये हुआ कि जसप्रीत बुमराह की गैर मौजूदगी में तेज गेंदबाजों पर विकेट लेने का दबाव आया। तेज गेंदबाजों ने पावरप्ले और डेथ ओवर्स में विकेट भी लिए, लेकिन 7 से 15 ओवर के बीच टीम को विकेट नहीं मिल सके।

'नानी की कहानी' से नैतिक शिक्षा का मार्मिक संदेश

प्रथम दिन नाटक 'नानी की कहानी' और 'नाटक का चक्कर' की हुई प्रस्तुति

नागरी नाटक मंडली प्रेक्षागृह में बाल नाट्य महोत्सव का हुआ आगाज

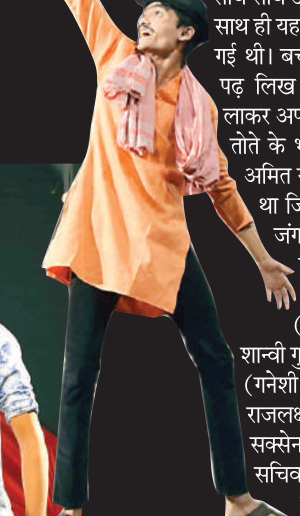

वाराणसी। नागरी नाटक मंडली न्यास की ओर से शनिवार को सायंकाल श्री मुरारीलाल मेहता स्मारक प्रेक्षागृह में त्रिदिवसीय बाल नाट्य महोत्सव का आगाज हुआ। महोत्सव के प्रथम दिन का बच्चों का पहला नाटक 'नानी की कहानी' रहा। जबकि दूसरी प्रस्तुति दिनेश भारती लिखित व सुश्री सुमन पाठक निर्देशित 'नाटक का चक्कर' रहा। दोनों ही नाट्य प्रस्तुतियां बेहद ही रोचक व संदेशपरक रही। जिसमें बाल कलाकारों की जितनी भी प्रशंसा की जाय वह कम ही होगी। त्रिदिवसीय बाल नाट्य समारोह के पहले दिन की नाट्य प्रस्तुति ₹ नानी की कहानी ₹ में बाल कलाकारों ने जहां अपने बाल सुलभ अभिनय से इसे दर्शनीय बना दिया था वहीं इस नाटक ने बाल दर्शकों को जबर्दस्त संदेश दिया कि नानी और दादी की बच्चों को सुनाई गई कहानियां ही उन्हें नैतिक संदेश देने के साथ ही चारित्रिक उत्थान में सहायक होती हैं। जबकि गूगल और फेसबुक जैसे संचार माध्यमों की जो बच्चे सुनते हैं वे महज मशीनी होती हैं वे उनके अंतर्मन को झकझोर नहीं पाती हैं। बाल रंगमंडल की प्रस्तुति यह नाटक विशुद्ध रूप से ₹बच्चों की कहानी, बच्चों द्वारा और बच्चों के लिए थी। जिसमें नानी की कहानी के माध्यम से बच्चों का मनोरंजन करने के साथ साथ उनके चरित्र विकास पर जोर देने के साथ ही यह संदेश देने की सफल कोशिश की गई थी। बच्चे अपनी मेहनत और लगन से पढ़ लिख कर ही परीक्षा में अच्छे नंबर लाकर अपना मुकाम हासिल कर सकते हैं। तोते के भाग्य बताने से ऐसा कुछ नहीं हो सकता। अमित रॉय ने बाल गीतों के लिए अच्छा संगीत तैयार किया था जिसे कुसुम, राजलक्ष्मी और वैष्णवी ने स्वर दिया था । जय जंगल, जय जंगल ₹ में जहां जंगल न काटने का संदेश था वहीं ₹ खूब पढ़ेंगे, खूब लिखेंगे अच्छे नंबर लाएंगे ₹ बच्चों को पढ़ने लिखने और लालच न करने की प्रेरणा दी गयी थी। बाल कलाकारों में पंखुरी सिन्हा (नानी) , चैतन्या मिश्रा (मीना), सार्थक खन्ना (शिकारी और नजूमी), अमीन साजिद (तोता), लाक्षी मिश्रा (बेबी) शान्वी गुप्ता (शन्नो), साद उमर (राजू), शिवांश गुप्ता (सुखवीर), सूर्यांश चक्रवाल (कुमार) वैष्णवी कुमारी (गनेशी) आदि बाल कलाकारों ने अपने टीमवर्क से प्रस्तुति को बांधे रखा। सेट निर्माण कुसुम मिश्रा, परिधान- राजलक्ष्मी, विद्युत संयोजन- शैलेन्द्र श्रीवास्तव और मेकअप मनोज मलिक का था। नाटक लिखा था प्रख्यात व्यंग्यकार केपी सक्सेना और निर्देशन तथा डिजाइन वरिष्ठ रंगकर्मी सलीम राजा का था। महोत्सव का उद्घाटन नागरी नाटक मंडली न्यास के सचिव डा. सचिव सैगल व अन्य पदाधिकारियों ने दीप प्रज्जवलन कर किया। इस मौके पर आयोजन सचिव डा. रतिशंकर त्रिपाठी, प्रतियोगिता संयोजक सुश्री सुमन पाठक, डा. आशुतोष चतुर्वेदी समेत काफी लोग मौजूद थे।

बच्चे विलियम शेक्सपियर की कृति मैकबैथ के मंचन को देंगे चुनौती

नागरी नाटक मंडली प्रेक्षागृह में यह महोत्सव 14 नवम्बर बाल दिवस तक चलेगा। नाट्य महोत्सव में नगर के सौ से अधिक बाल रंगकर्मी भाग ले रहे हैं। 13 नवम्बर को आर्य महिला नागरमल मुरारका मॉडल स्कूल के बच्चे विलियम शेक्सपियर की कृति मैकबैथ के मंचन की चुनौती स्वीकार करते नजर आयेंगे। इसका निर्देशन भरतनाट्यम नृत्यांगना दिव्या श्रीवास्तव ने किया है। दूसरा नाटक उमेश भाटिया के निर्देशन में पूर्वांचल का नायक नाटक का मंचन होगा। तीसरे दिन 14 नवम्बर को आलोक पांडेय के निर्देशन में 'डाकघर' नाटक का मंचन होगा। तीसरे दिन प्रस्तुति की शुरूआत दिल्ली पब्लिक स्कूल के बच्चों की प्रस्तुति 'पंचलाइट' से होगी। फणीश्वर नाथ रेणु की कहानी का निर्देशन राहुल मुखर्जी ने किया है। डब्ल्यू एच स्मिथ मेमोरियल स्कूल के बच्चों द्वारा रवींद्रनाथ टैगोर की कहानी 'डाकघर' के मंचन के साथ प्रतियोगिता का समापन होगा इसका निर्देशन आलोक पांडेय ने किया है।

छायाः शंकर चतुर्वेदी पेज सज्जाः सौरभ जायसवाल